हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची • शनिवार • 05.04.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 251 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : 3 रुपये 2 रुपये

एक नजर

मोदी ने बंगलादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

बैंकॉक/नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज थाईलैंड के बैंकॉक में बंगलादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। बंगलादेश में सेना समर्थित अंतरिम सरकार के गठन के बाद दोनों देशों के बीच पहली उच्चतम स्तरीय बैठक थी। द्विपक्षीय बैठक शुरू करने से पहले दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया। बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित इस बैठक में भारत की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल शामिल हुए। विदेश मंत्रालय के बाह्य प्रचार प्रभाग की ओर से बैठक की तस्वीरें साझा की गयी है।

बोलेरो और बाइक की टक्कर में तीन युवकों की मौत

पलामू : पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात एनएच 98 पर सड़क दुर्घटना में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। तीनों युवक हेलमेट नहीं पहने थे। दो की मौत घटना स्थल पर ही हो गई थी, जबकि एक युवक ने मेदिनीनगर के एमआरएमसीएच में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृत युवकों की पहचान श्याम परहिया, उपेंद्र परहिया और संतन परहिया के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार नेशनल हाईवे पर रुदवा के बैराही मोड़ में बोलेरो से बाइक सवार युवकों की आमने सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और बोलेरो के अगले हिस्से को नुकसान पहुंचा है। टक्कर के बाद गाड़ी छोड़कर बोलेरो चालक फरार हो गया। तीनों युवक छतरपुर के खजूरी नौडीहा पंचायत के लेवाड़ गांव के रहने वाले थे। घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से तीनों को हादसे के बाद तत्काल छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जिसमें से दो को डॉक्टर ने मृत बताया। वहीं, एक युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने बेहतर ईलाज के लिए मेदिनीनगर रेफर कर दिया। जहां युवक की भी मौत हो गई।

अभिनेता मनोज कुमार का निधन

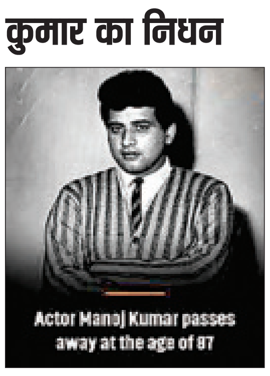

मुंबई : दिग्गज भारतीय फिल्म अभिनेता मनोज कुमार का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। वह कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती थे एवं उन्हें लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां थी। मनोज कुमार के बेटे कुणाल गोस्वामी ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा। फिल्म निर्देशक मनोज कुमार को देशभक्ति फिल्मों के लिए जाना जाता था। उनके निधन पर फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों ने शोक व्यक्त किया है। मनोज कुमार को फिल्म उद्योग में उनके योगदान पर 1992 में पद्म श्री एवं 2015 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

हेमन्त सारेन झारखंड मुक्ति मोर्चा के 46वें स्थापना दिवस समारोह में हुए शामिल

मुझे जेल भेजकर भाजपा लोस चुनाव लड़ी बाहर रहता तो कुछ और बात होती : सीएम

- अब हर गांव में मुख्यमंत्री आपके द्वार शिविर किया जाएगा आयोजित।
- स्थापना दिवस समारोह के बहाने झामुमो ने दिखायी ताकत।
- प्रखंड से लेकर जिला के नेताओं को मिला मंच।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा है कि जिला और प्रखंड के बाद अब हर गांव में मुख्यमंत्री आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिला से लेकर पंचायत स्तर के पदाधिकारी शिविर में जाएंगे। भाजपा पर हमला बोलते हुए सीएम ने कहा कि अगर लोकसभा चुनाव के दौरान उसे जेल नहीं भेजते तो विधानसभा की तरह भाजपा को लोकसभा में भी सीटें खोजनी पड़ती। वे शुक्रवार को हजारीबाग में झामुमो के 46 वें स्थापना दिवस समारोह में बोल रहे थे। इस मौके पर झामुमो ने शक्ति प्रदर्शन भी किया। 17 साल के भाजपा के शासन पर सीएम ने तंज कसते हुए कहा कि राज्य में लोग भूख, बेरोजगारी, पलायन तथा भ्रष्टाचार से परेशान थे। 2019 में और 2024 ने भाजपा सरकार को लोगों ने उखाड़ फेंका, आने वाले दिनों में भी उन्हें राज्य में सत्ता नसीब नहीं होगी। झारखंड आंदोलनकारियों को स्मरण करते हुए सीएम ने अपने पिता शिबू सोरेन, स्व. विनोद बिहारी महतो, स्व. निर्मल महतो के योगदान को याद किया। कहा कि अलग राज्य के लिए 40 से अधिक वर्षो तक संघर्ष किया। इस दौरान सैकड़ों महिलाओं का सिंदूर उजड़ गया, सैकड़ों शहीद हुए। राज्य अलग हुआ और झारखंड के लोगों में खुशी की लहर दौड़ी। अब विकास होगा। भाजपा के शासनकाल के 17 सालों में केवल विनाश हुआ, लोग लूटने में लगे रहे। केंद्र पर तंज करते हुए कहा कि 40 प्रतिशत खनिज संपदा है। परंतु यहां के मूलवासी रोजगार के लिए देश के बाहर जा रहे हैं और बाहरी राज कर रहे हैं। मंईयां योजना पर बोलते हुए कहा कि जो लोग पैसे मांगने आएं उसे खदेड़ दें। साइबर ठगी पर भी सीएम ने नसीहत दी। कहा कि बेईमान लोग आपको पैसे डबल करने के नाम पर फोन करेंगे, परंतु उनके चाल में फंसना नहीं है। जो पैसे दिए जा रहे हैं, उसका उपयोग आदिवासी-मूलवासी को अपने परिवार को चलाने, खेती बारी करने और आर्थिक स्थिति को ठीक करने में लगाएं। वृद्धा पेंशन पर कहा कि जो भी सरकारी सेवक लापरवाही बरतेगा, उसे अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। सीएम ने आश्वस्त करते हुए कहा कि आपका राज्य सुरक्षित हाथों में है। मूलवासी, आदिवासी के हाथों में है। रांची के सिरमटोली में हुए मामले में बिना किसी का नाम लेते हुए सीएम ने कहा कि कुछ आदिवासी बाहरियों के एजेंट बन गए हैं, उनके झांसे में ना आएं। समारोह को मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, योगेंद्र महतो, महासचिव विनोद पांडेय, फागु बेसरा आदि ने भी संबोधित किया।

नांदेड़ जिले में ट्रैक्टर कुएं में गिरा, आठ महिला मजदूरों की मौत, तीन घायल

एजेंसी

मुंबई : नांदेड़ जिले में स्थित अलेगांव शिवरा में शुक्रवार को सुबह मजदूरों को ले जा रहा ट्रैक्टर अचानक कुएं में गिर गया, जिससे आठ महिला मजदूरों की मौत हो गई। इस घटना में तीन मजदूर घायल हो गए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। नांदेड़ पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य कर रही है।

राजस्व विभाग के सूत्रों के अनुसार हिंगोली जिले के वासमत तहसील के गुंज निवासी मजदूर आज सुबह नांदेड़ जिले के अलेगांव शिवरा में दगडू शिंदे के खेत में हल्दी काटने का काम करने ट्रैक्टर से जा रहे थे। अलेगांव शिवरा में पहुंचते ही अचानक चालक का नियंत्रण बिगड़ गया, जिससे ट्रैक्टर कुएं में गिर गया। इस घटना के बाद ट्रैक्टर चालक फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही नांदेड़ पुलिस गांव वालों के साथ मौके पर पहुंची और पंप लगाकर कुएं का पानी निकाला जा रहा है। इस घटना में ताराबाई जाधव, धारुता जाधव, मीना राउत, ज्योति सरोदे, चौथराबाई पारधे, सरसपति भुरद, सिमरन कांबले और एक अन्य की मौत हो गई है।

इसके अलावा पुरुभाबाई कांबले, पार्वती बुरड और सतवाजी जाधव को बचा लिया गया है और तीनों का इलाज नजदीकी अस्पताल में जारी है। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है।

प्रधानमंत्री ने हादसे पर जताया दुःख, मुआवजे की घोषणा की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ में मजदूरों को ले जा रहे ट्रैक्टर के कुएं में गिरने से हुई मौतों पर दुःख जताया है। उन्होंने प्रत्येक मृतक के आश्रितों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

ईडी का रांची समेत देशभर में 21 जगहों पर छापा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार सुबह झारखंड की राजधानी रांची समेत देशभर में एक साथ 21 स्थानों पर छापा मारा। निदेशालय की इस बड़ी कार्रवाई से आयुष्मान भारत योजना में की गई गड़बड़ी का खुलासा होने की उम्मीद है। यह कार्रवाई सुबह से रांची के अशोक नगर, पीपी कंपाउंड, एदलहातु, बरियातु, लालपुर और चिरौंदी में चल रही है। संसद में आयुष्मान भारत योजना पर पेश कर चुकी भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड में तमाम तरह की धांधली हुई है। इसमें हैरानी जताते हुए यह तक दावा किया गया है कि 'मुर्दों का इलाज' कर दिया गया। इस रहस्योद्घाटन पर ईडी ने जांच शुरू की। ईडी ने स्वास्थ्य विभाग और झारखंड स्टेट हेल्थ सोसाइटी से 'ऐसा करने' वालों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी। स्वास्थ्य विभाग ने कुछ अस्पतालों के खिलाफ दर्ज कराई गई प्राथमिकी की सूचना भेजी। ईडी ने इस प्राथमिकी को आर्थिक अपराध सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) के तौर पर दर्ज कर बड़ा एक्शन शुरू किया है। ईडी ने झारखंड के अलावा पश्चिम बंगाल में दो, उत्तर प्रदेश में एक और दिल्ली में भी छापा मारा है।

अफसरों के ठिकानों पर मिले 20 लाख नकद व संपत्ति के दस्तावेज

रांची : ईडी ने आयुष्मान घोटाले में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के पीएस ओम प्रकाश, सरकारी अधिकारियों सहित अन्य के कुल 21 ठिकानों पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी (झसास) के एडिशनल एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अभिषेक श्रीवास्त, सीनियर कंसल्टेंट वैभव राय के आलावा सेफवे टीपीए और इंश्योरेंस कंपनी के कर्मचारी के ठिकानों पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान कुल 20 लाख रुपये कैश और निवेश से संबंधित दस्तावेज जब्त किये गये। हालांकि पूर्व स्वास्थ्य मंत्री का पीएस ईडी के हाथ नहीं लगा। वह छापेमारी से पहले घर से बाहर निकला था। ईडी अधिकारियों के साथ संपर्क होने के बाद उसने अपना मोबाइल बंद कर लिया। ईडी ने शुक्रवार की सुबह करीब सात बजे आयुष्मान घोटाले से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापा मारा। झारखंड में रांची, जमशेदपुर, बोकारो के कुल 17 ठिकानों, पश्चिम बंगाल के दो और उत्तर प्रदेश और दिल्ली के एक एक ठिकानों पर छापेमारी की गयी। ईडी ने छापेमारी के दायरे में राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के प्राइवेट सेक्रेटरी ओम प्रकाश के जमशेदपुर स्थित ठिकानों पर छापा मारा। ओम प्रकाश पर घोटाले में शामिल लोगों के साथ करीबी संपर्क रखने का आरोप है। ईडी बन्ना गुप्ता के प्राइवेट सेक्रेटरी के इस घोटाले की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देख रही है।

बोकारो में लाठीचार्ज से युवक की मौत के बाद गुस्साए लोगों ने पांच वाहनों को किया आग के हवाले, चौक-चौराहे बंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो में लाठीचार्ज में एक व्यक्ति की मौत के बाद लोग आक्रोशित हो गये हैं। अलग-अलग राजनीतिक संगठनों ने इसके विरोध में शुक्रवार को बोकारो बंद बुलाया है। इस दौरान आक्रोशितों ने पांच बड़े वाहनों और एक बाइक को आग के हवाले कर दिया। साथ ही बोकारो शहर के सभी चौक-चौराहे पर टायर जलाकर बंद करवा दिया।

बता दें कि विस्थापित अप्रेंटिस संघ ने गुरुवार को बोकारो के इस्पात भवन के सामने आंदोलन कर सीधे नौकरी या वैकल्पिक व्यवस्था की मांग कर रहे थे। इसी दौरान सीआईएसएफ ने उन पर लाठीचार्ज किया था, जिसमें एक युवक प्रेम महतो की मौत हो गयी थी। लाठीचार्ज में युवक की मौत के बाद आंदोलन कर रहे लोग आक्रोशित हो गये और सेक्टर चार सिटी सेंटर समेत अन्य क्षेत्रों में दुकानों को बंद करवा दिया। आक्रोशित विस्थापितों ने बोकारो जनरल हॉस्पिटल को जाम कर दिया है। उन्होंने धमकी दी है कि यदि दोषी अधिकारियों और जवानों को सस्पेंड नहीं किया गया, तो बीएसएल का उत्पादन पूरी तरह से ठप कर दिया जायेगा। आक्रोशितों ने मेन गेट और सीइजेड गेट को भी बंद कर दिया है और एडीएम बिल्डिंग और अस्पताल के सामने घेराबंदी कर दी है। बताया जा रहा है कि 4500 विस्थापित परिवारों को चिह्नित किया गया था और पहले चरण में 1500 विस्थापितों को अप्रेंटिशिप कराया गया था। बोकारो स्टील प्लांट के प्रशासनिक भवन के समक्ष घटित घटना के विरोध में आजसू सहित विस्थापित संगठनों ने चार अप्रैल को बोकारो बंद का आह्वान किया है। बंद का समर्थन भाजपा और जेएलकेएम ने किया है।

बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक हरि मोहन झा गिरफ्तार

बोकारो : नौकरी की मांग को लेकर बीएसएल प्लांट के एडीएम बिल्डिंग के समीप गुरुवार को विस्थापित अप्रेंटिस संघ द्वारा प्रदर्शन पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त विजया जाधव ने देर रात कार्यालय में बैठक की। उपायुक्त ने घटना की संपूर्ण जिम्मेदारी मानते हुए मुख्य महाप्रबंधक बीएसएल प्लांट हरि मोहन झा को गिरफ्तार किया। वहीं, विस्थापित अप्रेंटिस संघ की सभी मांगों को बीएसएल प्रबंधन ने मान लिया है। इसमें मुख्य निम्न बातें शामिल हैं। ट्रेनिंग पूरा कर चुके सभी विस्थापित अप्रेंटिस प्रशिक्षुओं को बीएसएल प्रबंधन 21 दिनों में पद सृजित कर तीन माह के अंदर उन्हें नियुक्ति देगा।

कैबिनेट ने भारतीय रेलवे में 18,658 करोड़ की चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने 18,658 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। तीन राज्यों महाराष्ट्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों को कवर करने वाली ये परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 1247 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को एनएमसी में पत्रकारों को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि आज जिन परियोजनाओं को मंजूरी मिली है उनमें संबलपुर- जरापदा तीसरी और चौथी लाइन, झारसुगुड़ा-सासोन तीसरी और चौथी लाइन, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा 5वीं और 6वीं लाइन और गोंदिया-बल्हारशाह दोहरीकरण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं। यह एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हो पाया है और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए, निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को आसान बनाएंगे और भीड़भाड़ को कम करेंगे। वैष्णव ने कहा कि इन परियोजनाओं के साथ 19 नए स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा, जिससे दो आकांक्षी जिलों (गढ़चिरौली और राजनांदगांव) की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 3350 गांवों और लगभग 47.25 लाख आबादी की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि खरसिया-परमलकसा रेलवे प्रोजेक्ट से छत्तीसगढ़ में वंदेभारत, मेल और एक्सप्रेस आदि नई ट्रेनों की मांग पूरी हो सकेगी। यह 8741 करोड़ रुपये की परियोजना है। इसमें 21 स्टेशन, 48 ब्रिज, 349 छोटे ब्रिज, 14 फ्लाईओवर, 184 अंडरपास, 5 रेल फ्लाईओवर हैं।

अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम –II को मंजूरी

नयी दिल्ली : केन्द्र सरकार ने सीमाओं पर बसे गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम –II को मंजूरी दी है। इसमें 6,839 करोड़ रुपये का कुल परिव्यय आयेगा, जिसे शत-प्रतिशत केंद्र सरकार वहन करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इसे मंजूरी प्रदान की गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी।

उपायुक्त ने रामनवमी को लेकर विधि व्यवस्था का लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में सौहार्दपूर्ण वातावरण में रामनवमी पर्व सफलतापूर्वक आयोजित करने को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को विधि व्यवस्था की जानकारी अधिकारियों से ली। इस दौरान उन्होंने रांची के विभिन्न मंदिरों का जायजा लिया। मौके पर उपायुक्त ने वरीय अधिकारियों के साथ रामनवमी जुलूस के रुट की जानकारी भी ली और जरूरी निर्देश दिया। उपायुक्त ने हेहल मंडप टोली मंदिर, दक्षिण मुखी बजरंगबली मंदिर रातु रोड, विश्वनाथ शिव मंदिर पिस्का मोड़, श्री महावीर मंदिर पंड़रा, तपोवन मंदिर निवारणपुर तथा अन्य मंदिरों में रामनवमी पर्व की व्यवस्था का निरीक्षण कर अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिया।

जुलुस मार्गों पर दंडाधिकारियों की नियुक्ति

जिला प्रशासन की ओर से रामनवमी पर निकलने वाले जुलुस मार्गों पर दंडाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। साथ ही राजधानी के प्रमुख चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे से पैनी नजर रखी जाएगी। इस दौरान सोशल मीडिया पर भी 24 घंटे निगरानी की जाएगी। ताकि असामाजिक तत्व भ्रामक और आपत्तिजनक संदेश नहीं फैला सकें। वहीं उपायुक्त ने रामनवमी जुलूस के रुट में प्रमुख स्थानों पर बेहतर व्यवस्था कराने के निर्देश दिया। साथ ही इन स्थानों पर लाइट की व्यवस्था करने, बैरिकेट, जुलुस मार्गों की साफ-सफाई, मेडिकल टीम और अन्य जरूरी इंतजाम समय पर कराने का निर्देश अधिकारियों को दिया। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि रांची में त्योहारों का आयोजन जिस तरह से सफलतापूर्वक किये गए हैं उसी तरह से आनेवाले दिनों में पर्व-त्योहार सौहार्दपूर्ण तरीके से कराने का प्रयास सभी की जिम्मेवारी है। मौके पर जिला के संबंधित कई वरीय अधिकारी मौजूद थे।

एक नजर

राष्ट्रपति के दावत में शामिल हुए सांसद मनीष जायसवाल

हजारीबाग : हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल शुक्रवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित विशेष नाश्ते में शामिल हुए। इस दौरान बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और मेघालय राज्य के सांसदों ने एक साथ मिलकर राष्ट्रपति के निमंत्रण पर उनके आवास में आयोजित इस इवेंट का आनंद उठाया।

डमी ऐप के माध्यम से पेमेंट में की गई धोखाधड़ी

बड़कागांव : बड़कागांव टंडवा रोड स्थित गुड्डू डिजिटल सेवा में पिछले दिन शुक्रवार को एक अनजान व्यक्ति के द्वारा डमी फोन पे ऐप के माध्यम से 2000 की पेमेंट की गई, पेमेंट करने वाला पेमेंट कर तुरंत भाग गया। दुकानदार रंजन कुमार ने जब अपना मोबाइल चेक किया। तो देखा 2000 का पेमेंट नहीं आया है, जबकि उस अनजान व्यक्ति ने पेमेंट सफलतापूर्वक होने का मैसेज दिखाकर तुरंत दुकान से भाग गया। इस संबंध में बड़कागांव थाना मे आवेदन दिया गया है। गुड्डू डिजिटल सेवा के प्रोपराइटर रंजन कुमार ने लोगों से अपील कि है कि ,जब भी कोई पेमेंट फोन पे या ऑनलाइन किसी भी ऐप के माध्यम से करता है तो तुरंत अपना बैलेंस जरूर चेक कर लें। क्योंकि इन दिनों डमी ऐप के माध्यम से पेमेंट करने का धोखाधड़ी का काम जोरों पर चल रहा है, धोखा घड़ी करने वाले का नाम रंजीत कुमार सिंह बताया जा रहा है, वह कहां का है इसकी पुष्टि अभी नहीं हो पाई है।

पत्थर से कूचकर युवक की हत्या

खूंटी : खूंटी सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बारूडीह पंचायत के चालम बरटोली गांव के गेंगेरलोर नामक स्थान पर लगभग 33 वर्ष के एक अज्ञात युवक को अज्ञात अपराधकर्मियों ने पत्थर से कुचकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और उसे मृत अवस्था में छोड़कर फरार हो गए। मामले की जानकारी मिलने पर जिस समय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, उस समय घायल युवक की सांस चल रही थी। इसके बाद पुलिस उसे अस्पताल ले गयी , तो वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के माथे को पत्थर से बुरी तरह कूच दिया गया था। घटनास्थल के बगल में एक बड़ा सा खून सना पत्थर भी मिला है। घटना गुरुवार रात उस वक्त की बताई जाती है, जब क्षेत्र में हल्की बारिश हो रही थी। स्थानीय लोग भी शव की शिनाख्त नहीं कर पाये ।युवक केसरिया रंग का टी-शर्ट पहना हुआ है, जिस पर खूंटी के एक निजी स्कूल का लोगो और नाम अंकित है। इसे भी आधार बनाकर रात को ही पुलिस उक्त स्कूल और हॉस्टल में गई। इसके बावजूद उसकी पहचान नहीं हो सकी। तब पुलिस और आम लोगों ने सोशल मीडिया के सहारे युवक की पहचान करने में जुटे हैं। घटनास्थल के आसपास गाय-बकरी चरा रहे चरवाहों ने गांव के लोगों को बताया कि एक बाइक पर सवार होकर चार युवक चालोम बरटोली के गेंगेरलोर की ओर गए थे, लेकिन जब वे वापस लौटे, तो उनकी संख्या तीन ही थी। बाइक सवार तीनों युवक बुरजू रोड की ओर चले गए। संभावना जताई जा रही है कि बाइक पर सवार चार में से तीन ने मिलकर एक की हत्या कर दी होगी।

श्री रामोत्सव में उमड़ी रामभक्तों की भीड़, शहनाज अख्तर ने भजनों से बांधा समां

रामभक्ति की यह अलौकिक धारा यूं ही प्रवाहित होती रहे : प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी से पूर्व हजारीबाग के गांधी मैदान में भव्य और दिव्य श्री राम उत्सव का आयोजन किया गया। यह विशाल कार्यक्रम सदर विधायक प्रदीप प्रसाद द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें देश की सुप्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर ने अपनी भक्तिमयी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। उनके साथ भजन गायक राहुल सिंह और पायल बनारसी ने भी अपने भजनों से रामभक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। श्री राम उत्सव का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने सभी अतिथियों का

स्नेहपूर्वक स्वागत एवं अभिनंदन किया। अतिथियों में बरकट्ठा विधायक अमित यादव, बगोदर विधायक नागेंद्र महतो, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, मांडू विधायक तिवारी महतो, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव सहित कई अतिथि शामिल रहें, जिनके द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. सभी अतिथि ने अपने वक्तव्य में कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा की वर्तमान समय में हमसभी को एक होना होगा। पूरा कार्यक्रम स्थल जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा और भक्तिभाव का अद्भुत वातावरण निर्मित हुआ। शहनाज अख्तर की संगीतमयी प्रस्तुति ने मोहा मनभजन संध्या में शहनाज अख्तर ने झूम-झूम छा ना,रामजी की निकली सवारी,श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में जैसे लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। इस दौरान लेजर शो का भी आयोजन किया गया, जिसने पूरे माहौल को और भी भव्य और दिव्य बना दिया। इस कार्यक्रम में लाखों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिसके मद्देनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। 2000 वालंटियर्स की देखरेख में कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम स्थल को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया था, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित किया जा सके। पुलिस प्रशासन, अग्निशमन दल, चिकित्सा सेवाएं और आपातकालीन सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की गई थी। महिलाओं के लिए विशेष बैठने की व्यवस्था रखी गई ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने इस सफल आयोजन में उपस्थित समस्त रामभक्तों का आभार प्रकट किया और कहा कि आप सभी इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के साक्षी बने हैं और इस आयोजन की सफलता के सबसे अहम भागीदार हैं। यह आयोजन न केवल हमारी संस्कृति और आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक समरसता को भी बढ़ावा देता है। साथ ही कहा की मेरा सपना है कि रामनवमी को राज्यकीय महोत्सव का दर्जा दिलाना है।

कर्णपुरा कृषि भंडार में बीज व दवा की चोरी, थाने में दिया आवेदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव राम जानकी मंदिर पीपल पेड़ के पास संचालित कर्णपुरा कृषि भंडार दुकान में गुरुवार की रात्रि को चोरों ने वेंटीलेटर तोड़कर लगभग 5 लाख की बीज एवं दवा, 9800 नगद चुरा ले गए। घटना की जानकारी बड़कागांव प्रखंड आजसु प्रवक्ता तपेश्वर कुमार तापस के पुत्र सुमन सौरभ ने थाने में आवेदन देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। सुमन ने बताया कि 80 हजार से लेकर सवा लाख रुपए किलो तक की महंगी टमाटर एवं मिर्च की बीज की चोरी हुई है जिसकी कीमत लगभग साढ़े 4 लाख था। इसके अलावा 70 हजार की दवा, 9800 नगद की भी चोरी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही एस आई सावित्री कच्छप सशस्त्र पुलिस बाल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति से अवगत हुई और जांच की। ज्ञात हो की राम जानकी के मंदिर के इर्द-गिर्द नशाखोरी काफी तेजी से हो रहा है और कई बार मंदिर के आसपास खड़े वाहनों से बैटरी चुरा लेने की भी घटनाएं हो रही है। बड़कागांव चौक चौराहे बाजार में लगभग 2 महीने के अंदर कई दुकानों में चोरी की वारदात हुई है। पुलिस प्रशासन को इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, ताकि जल्द से जल्द चोरी करने वाला पकड़ा जा सके।

अस्त्र शस्त्र परिचालन सह प्रदर्शन से होता है शारीरिक और मानसिक विकास : बसंत यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सप्तमी को श्री श्री चैत्र रामनवमी महावीर झंडा पूजा महासमिति के द्वारा बड़ा अखाड़ा के प्रांगण में अस्त्र शस्त्र परिचालन सह प्रदर्शन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ रामनवमी महासमिति अध्यक्ष बसंत यादव के द्वारा अस्त्र शस्त्र परिचालन कर की गई। बताते चलें कि हजारीबाग के ऐतिहासिक रामनवमी के इतिहास में यह परंपरा शुरूआत से ही चली आ रही है। इसी निमित इस वर्ष भी सप्तमी के दिन यह प्रतियोगिता को बड़े ही अच्छे और सुनियोजित तरीके से आयोजन कराई गई। इस अस्त्र शस्त्र परिचालन सह प्रदर्शन प्रतियोगिता में हजारीबाग जिले के साथ साथ आस पास के जिले चतरा, गिरिडीह, रामगढ़, कोडरमा से भी प्रतिभागी शामिल हुए । इसमें लाठी , तलवारबाजी, मुगदर, बेंच

प्रेस, भारतोलन इत्यादि अन्य कई प्रकार की अस्त्र शस्त्र का प्रदर्शन प्रतिभागियों के द्वारा परिचालन सह प्रदर्शन किया गया। ढोल, ताशा की धुन और उपस्थित लोगों के तालियों के गड़गड़ाहट ने सभी प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाते रहा। मौके पर महासमिति के अध्यक्ष बसंत यादव ने कहा कि यह परंपरा शुरूआत से चली आ रही है और हरेक वर्ष सप्तमी के दिन अस्त्र शस्त्र परिचालन सह प्रदर्शन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता रहा है। इसी के निमित इस वर्ष भी इसका आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागीयों ने अपने अपने कला का प्रदर्शन बखूबी से किया। अस्त्र शस्त्र परिचालन से हमारे शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। सभी लोगों को इसमें अपनी सहभागिता देनी चाहिए और बढ़ चढ़ का भाग लेना चाहिए। इस वर्ष की रामनवमी का सुंदर आगाज हुआ है। पूरे शहर को भगवामय कर दिया गया है। सभी रामभक्तो का उत्साह चरम सीमा पर है। सभी लोग रामनवमी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हमारे और हमारे टीम हरसंभव रामनवमी के सफल आयोजन हेतु प्रयासरत हैं ।

रामनवमी पर्व को लेकर चौपारण में अतिक्रमण के विरुद्ध प्रशासन ने चलाया अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : रामनवमी पर्व को लेकर प्रशासन सतर्क मोड पर। आगामी जुलूस और झांकी को ध्यान में रखते हुए बरही अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) जोहन टुडू, पुलिस उपाधीक्षक (एसडीपीओ) अजीत कुमार विमल, अंचलाधिकारी संजय यादव और थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जीटी रोड किनारे दुकानों के बोर्ड और निर्माण कार्य के लिए रखी गई ईंटों को अविलंब हटाने का निर्देश दिया। एसडीओ जोहन टुडू ने कहा कि रामनवमी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुलूस में शामिल होंगे। इस दौरान सड़क के एक तरफ

रामनवमी झांकी एवं शोभायात्रा निकलेगी, जिससे यातायात बाधित रहेगा। ऐसे में दूसरी ओर से वाहनों का सुचारु संचालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। यदि सड़क किनारे बोर्ड या ईंटें रखी रहेंगी, तो इससे जाम की समस्या उत्पन्न हो सकती है और लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ेगा। एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने निर्देश दिया कि चतरा मोड़ से लेकर केंदुआ मोड़ तक दोनों ओर की सड़क पूरी तरह साफ रहनी चाहिए, ताकि आम नागरिकों और वाहनों की आवाजाही में कोई परेशानी न हो। उन्होंने स्थानीय दुकानदारों और आम जनता से सहयोग की अपील की और चेतावनी दी कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास का भाजपाइयों ने किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भाजपा नेता रघुवर दास का बड़का गांव आगमन पर काली मंदिर प्रांगण में भाजपाइयों द्वारा ढोल नगाड़े एवं माला व पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी की अध्यक्षता में स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वागत पश्चात रघुवर दास केरेडारी के लिए रवाना हो गए। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से विधायक रोशन लाल चौधरी, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य डॉक्टर बालेश्वर महतो, विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू, विधानसभा सांसद सह प्रतिनिधि कृष्णा राम, बड़कागांव पश्चिमी मंडल सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, बड़कागांव उरीमारी मंडल सांसद प्रतिनिधि महेंद्र महतो, विधानसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, बड़कागांव पश्चिम मंडल अध्यक्ष आदित्य साहू सोनी, बड़कागांव उरीमारी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, मनोज गुप्ता, जुगनू सिंह, शिबू कुमार, रामपति राम, अरुण मालाकार के अलावा दर्जनों भाजपाई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रभु श्री राम का जन्मोत्सव सौहार्द के साथ मर्यादित होकर मनायें युवा : प्रशांत कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त हजारीबाग की रामनवमी को लेकर संरक्षण समिति की तैयारी पूरी हुई। रामनवमी संरक्षण समिति अपने कार्यों और दायित्वों को लेकर सजग दिख रहा है समिति के सदस्यों में रामनवमी जुलूस के सफल संचालन के लिए उत्साह देखा जा रहा है। रामनवमी संरक्षण समिति हजारीबाग में नशा मुक्त रामनवमी के लिए लगातार अपील कर रही है। इसी को प्रोत्साहित करने के लिए समिति ने दो दिवसीय दंगल (कुश्ती) प्रतियोगिता का आयोजन किया है। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से एक दर्जन प्रसिद्ध पहलवान भाग लेंगे। दंगल प्रतियोगिता का आयोजन 5 अप्रैल और 6 अप्रैल को मालवीय मार्ग स्थित बड़ा अखाड़ा परिसर में होगा। दंगल के आयोजन के बारे में संरक्षण समिति अध्यक्ष प्रशांत कुमार प्रधान ने कहा कि हजारीबाग की ऐतिहासिक रामनवमी की भव्यता हमारी पहचान है। जिसे और बेहतर बनाने की जिम्मेवारी हम हजारीबाग के युवाओं की है मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्मोत्सव

सौहार्द के साथ मर्यादित होकर मनायें। आगे उन्होंने कहा कि नशामुक्त रामनवमी का आह्वान हमारी आने वाली पीढ़ियों को नया संदेश देने के लिए है जो नशे के गिरफ्त में आते जा रहे है। हजारीबाग सहित राज्य के युवाओं से अपील करते हुए समिति के अध्यक्ष श्री प्रधान ने कहा युवा देश का भविष्य हैं युवाओं को नशा छोड़ कर दौड़, खेल, व्यायाम और योग पर ध्यान देते हुए अपने आप को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के लिए कार्य करना चाहिए जो परिवार, समाज, राज्य और देश को मजबूती प्रदान करें और सशक्त युवा समूह का निर्माण करें। आगे उन्होंने हजारीबाग के लोगों को आमंत्रित करते हुए कहा कि बड़ा अखाड़ा परिसर में राष्ट्रीय स्तर के पहलवानों के बीच होने दंगल प्रतियोगिता में आकर समिति और और पहलवानों का हौसला बढ़ाएं। संरक्षण समिति संरक्षक राजकुमार यादव ने कहा कि हजारीबाग की रामनवमी का इतिहास 100 से अधिक वर्षों का रहा है। आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ वर्षों से रामनवमी मनाया जा रहा है और आगे भी यह निरंतर जारी रहेगा। वहीं बड़ा अखाड़ा के महंत विजयानंद दास ने हजारीबाग के लोगों से अपील किया है कि इस गौरवशाली इतिहास को अक्षुण्ण रखने के लिए आप सबों की भागीदारी होनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

आईसेक्ट दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र में स्टार एलुमनी कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हजारीबाग : आईसेक्ट की ओर से मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत संचालित आईसेक्ट दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र, हजारीबाग में स्टार एलुमनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार हासिल कर चुके प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया गया। बता दें कि चेन्नई स्थित स्टारफैब एप्परेल्स में रोजगार प्राप्त कर चुके पांच प्रतिभावान छात्राओं पूजा, सावित्री, कांति, ममता और संतोषी को मंच पर सम्मान चिन्ह और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर केंद्र के प्रबंधक विजय कुमार ने मौजूद छात्र-छात्राओं को रोजगार और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत आईसेक्ट की ओर से युवाओं को उच्च गुणवत्ता का कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इतना ही नहीं बल्कि 100 फीसदी प्लेसमेंट सहयोग भी सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं परियोजना सहायक जेएसडीएमएस एवं एनडीपी व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रकाश पांडेय ने बताया कि झारखंड राज्य कौशल विकास मिशन सोसाइटी, युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने को लेकर लगातार कार्य कर रही है। साथ ही उन्होंने झारखंड सरकार के विभिन्न राज्यों के माइग्रेशन सपोर्ट सेंटर की भी जानकारी दी। विद्यार्थियों ने बताया कि यह कार्यक्रम आत्मनिर्भरता और उत्साह के साथ साथ सशक्त भविष्य के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। मौके पर पूर्व प्रशिक्षार्थियों ने अपने अपने अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम के दौरान पेश की गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां ने सभी का मन मोह लिया।

बादम में ग्राम भ्रमण के साथ यज्ञ के लिए ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न

बड़कागांव : बडकागांव प्रखंड अंतर्गत ग्राम बादम में होने वाले श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ के लिए ध्वजारोहण का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया,यह यज्ञ 29 अप्रैल से 7 मई तक होना है, ध्वजारोहण कार्यक्रम से पहले पूरे बादम पंचायत के सभी गाँव का भ्रमण किया गया, इस भ्रमण मे दो हजार से भी अधिक महीला एंव पुरुष सामिल हुए, और बच्चो कि भी संख्या अधिक थी जो काफी उत्साहित दिखे ग्राम भ्रमण के दौरान कुतुलवा, उपरैली बागी, बादम सहित अन्य स्थानो पर गुड़ का शर्बत, दही लस्सी, शर्बत, पानी कि उत्तम व्यवस्था कि गई थी, यह यात्रा मां पंचवाहिनी मंदिर से होते हुए बाबु पारा, बादम,कुतुलवा, उपरैली बागी, कॉलोनी, राउतपारा होते मां पंचवाहिनी मंदिर यज्ञ स्थल पहुंच कर आर्चाय मनोज कुमार पाण्डेय सहित सुरेन्द्र महतो, देवन्ती देवी, जुगेश्वर महतो, मंजु देवी, भूदेव महतो, राधा देवी, मुरली साव, भिखनी देवी एंव अन्य पुजारियों द्वारा विधिवत पूजन कर ध्वजारोहण का कार्य सम्पन्न किया गया। मौके पर उपस्थित संतोष कुशवाहा, नितेश वर्मा,रवि कुमार दाँगी, शुभनाथ महतो, कालीचरण कुमार, रंजीत गुप्ता, अरुण गुप्ता, प्रेम गुप्ता, गौतम वर्मा, टिकेंद्र महतो, प्रकाश राम,प्रमोद कुमार,दशरथ कुमार, गोविंद महतो, संजय कुमार, कैलाश कुमार, त्रिवेणी महतो, ज्ञानी महतो सहित सैंकड़ो लोग उपस्थित थे।

रामनवमी जुलूस को लेकर रामगढ़ यातायात व्यवस्था में हुआ बदलाव

रामगढ़ : रामनवमी के अवसर पर यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी की ओर से यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। चार से आठ अप्रैल तक समय 02 :00 बजे दिन से 02 :00 बजे रात्रि तक रामगढ़ शहर में भारी वाहनों और माल वाहक छोटे वाहनों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया है। ट्रक, टेंपो, भारी वाहन, सवारी गाड़ी के आवागमन को पूर्णत: बंद कर दिया गया है। कोई भी मालवाहक गाड़ी को शनिचरा हाट से लेकर थाना चौक तक और थाना चौक से लेकर शनिचरा हाट तक प्रवेश वर्जित रहेगा। रांची से आने वाले कोई भी मालवाहक गाड़ी, ट्रक और बस पटेल चौक से कोरिया घाटी, नया मोड़, कुजू डायवर्सन (भाया सुभाष चौक) तथा हजारीबाग से आने वाले कोरिया घाटी, नया मोड़, कुजू डायवर्सन से पटेल चौक (भाया सुभाष चौक) तक प्रवेश वर्जित रहेगा। कोई भी मालवाहक ट्रक या बस बरकाकाना से लेकर सुभाष चौक तक एवं सुभाष चौक से लेकर बरकाकाना तक प्रवेश वर्जित रहेगा।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ चैती छठ पर्व का हुआ समापन

खूंटी : सूयोर्पासना के चार दिवसीय महाव्रत चैती छठ के अंतिम दिन शुक्रवार को व्रतियों ने उदयाचल भगवान भास्कर को दूसरो अर्घ्य प्रदान कर अपने और परिवार की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की। जिला मुख्यालय के राजा तालाब, साहू तालाब, चौधरी तालाब, तजना नदी सहित अन्य सरोवरों और जलाशयों में व्रतियों की ओर से उगते भगवान सूर्य को दूध का अर्घ्य दिया गया। जिला मुख्यालय के अलावा तोरपा के कारो और छाता नदी छठ घाट में सुबह पांच बजे से ही भक्तों की भीड़ जुटने लगी। अर्घ्य प्रदान करने के बाद व्रतियों ने भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना और हवन कर सुख-समृद्धि की कामना की। जिले के तपकारा, मरचा, अम्मापककना सहित कई गांवो में चैती छठ पर्व का आयोजन किया गया।

एसबीआई ने सीएआर के तहत छात्रों में बांटी साइकिल

रामगढ़ : रामगढ़ शहर के सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए एक तरफ जहां जिले के अधिकारी तत्पर हैं, वही भारतीय स्टेट बैंक ने सीएसआर के तहत शुक्रवार को छात्रों में साइकिल बांटी। कार्यक्रम में डीडीसी रोबिन टोप्पो, डीएसई संजीत कुमार और एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रसून कुमार मौजूद रहे। मौके पर डीडीसी रोबिन टोप्पो ने कहा कि छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाने के लिए बैंक प्रबंधन ने बेहद अच्छी पहल की है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं से मन लगाकर पढ़ने और स्वच्छता का ध्यान रखने की अपील की। गांधी स्मारक सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस और गर्ल्स हाई स्कूल सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण किया। साथ ही विद्यालय में सेनेटरी पैड इंसीनरेटर लगवाया गया। भारतीय स्टेट बैंक ने सीएसआर योजना के तहत सभी सामग्रियों का मुफ्त वितरण किया। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक की ओर से मुख्य प्रबंधक अश्विनी कुमार, मुख्य प्रबन्धक पुष्पा कुमारी और रामगढ़ शाखा के उप शाखा प्रबंधक जयदीप सेन उपस्थित थे।

विकसित भारत हमारी सांस्कृतिक समृद्धि और सामाजिक समरसता का प्रतिबिंब : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा है कि विकसित भारत केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक समृद्धि, सामाजिक समरसता और वैज्ञानिक नवाचार का समन्वित प्रतिबिंब है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा जनसंख्या है और हमें उन्हें नवाचार, स्टार्टअप, शोध और उद्यमशीलता की ओर प्रेरित करना होगा। राज्यपाल रांची के गोस्सनर कॉलेज में डेवलप्ड इंडिया @ 2047 चैटिंग मल्टी डिसीप्लिनरी और मल्टी इंस्टीट्यूशन पाथवेज फॉर इंक्लूसिव ग्रोथ एंड ग्लोबल लीडरशिप विषय परआयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस के उद्घाटन पर बोल रहे थे। राज्यपाल ने विकसित भारत @2047, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पहलें भारत को न केवल आत्मनिर्भर बना रही हैं, बल्कि उसे वैश्विक नेतृत्व की दिशा में भी अग्रसर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बन चुका है, जहां के नवाचार वैश्विक परिवर्तन का माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने शिक्षण संस्थानों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजन करने वाला बनाने के लिए शिक्षा प्रदान करें।

राज्यपाल ने कहा कि शोध कार्यों में मौलिकता आवश्यक है। केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि समाजोपयोगी समाधान और नवाचारों पर आधारित शोध ही विकसित भारत की राह को प्रशस्त करेगा। उन्होंने स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, खादी और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भारत वैश्विक उत्पादन केंद्र बन सकता है, यदि वह पारंपरिक ज्ञान और आधुनिकता का समन्वय स्थापित कर सके। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन केवल अकादमिक विमर्श तक सीमित न रहकर ठोस नीतिगत सुझावों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएगा।

एसीबी ने रिश्वत लेते रंगे हाथों दारोगा को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को नामकुम थाना के दारोगा चंद्रदीप प्रसाद को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एक केस को मैनेज करने के नाम पर दारोगा को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया है। एसीबी मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के बलिया निवासी आशीष यादव ने एसीबी में लिखित आवेदन देकर कहा था कि एक लड़की के साथ सगाई हुई थी लेकिन किसी वजह से सगाई टूट गई। इसे लेकर नामकुम थाने में लड़की के परिजनों की ओर से कांड संख्या 262/24 दर्ज करवाया गया था। इस केस के जांच का जिम्मा दरोगा चंद्रदीप प्रसाद को मिला था। आशीष यादव को कोर्ट से बेल भी मिल गया था। इसके बाद केस को मैनेज करने के नाम पर दरोगा आशीष यादव से एक लाख रुपया का मांग कर रहा था। इसके बाद आशीष यादव ने इसकी शिकायत एसीबी से की। एसीबी रांची ने पूरे मामला का सत्यापन कराया । सत्यापन में रिश्वत मांगे जाने की बात सही पाई गई। इसके बाद रांची एसीबी की टीम ने शुक्रवार को नामकुम थाना परिसर से दारोगा को घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

झारखंड में भारतीय वायुसेना का पहला एयर शो 19 और 20 को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री से शुक्रवार को उनके कार्यालय में भारतीय वायुसेना के एक दल ने मुलाकात की। इस दौरान रांची में आयोजित होने जा रहे पहले एयर शो को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।झारखंड राज्य में होने वाला यह भारतीय वायुसेना का पहला एयर शो होगा। सूर्यकिरण टीम 19 और 20 अप्रैल को रांची में प्रस्तावित खोजा टोली आर्मी ग्राउंड में एयर शो का प्रदर्शन करेगी। एयर शो के मुख्य कार्यक्रम से पूर्व 17 अप्रैल को एयर शो का फुल ड्रेस रिहर्सल भी आयोजित किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने उपायुक्त से एयर शो में होने वाली गतिविधियों और इसकी तैयारी से संबंधित जानकारी साझा की।

उपायुक्त ने वायु सेना के आए दल को आश्वासन देते हुए कहा कि जिला प्रशासन की तरफ से हर संभव सहायता किया जाएगा। साथ ही सभी तरह की प्रशासनिक तैयारी, एयर शो से संबंधित व्यापक प्रचार प्रसार, तकनीकी सहयोग आदि के लिए जिला प्रशासन ने वायु सेवा की टीम को आश्वासत किया। बैठक में भारतीय वायुसेना की ओर से विंग कमांडर पी के सिंह और स्क्वाड्रन लीडर वालिया एवं जिला के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न व्रतियों ने उदीयमान सूर्य को दिया अर्घ्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददात

रांची : लोक आस्था का महापर्व चैती छठ शुक्रवार को संपन्न हो गया। चार दिवसीय छठ के मौके पर व्रतियों ने चौथे दिन उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। तीसरे दिन गुरुवार की शाम छठ व्रतियों ने अस्तालगामी भगवान भास्कर(डूबते सूर्य) को पहला अर्घ्य अर्पित किया था। राजधानी रांची में छठ व्रतियों ने हजारों की संख्या में अलग-अलग तालाब और नदियों एवं घरों में भगवान भास्कर की पूजा की। रांची के बड़ा तालाब, कोकर तिरिल तलाब, डिस्टलरी तलाब, जुमार नदी, धुर्वा डैम सहित अन्य स्थानों सुबह से ही लोग स्नान कर पूजा की सामाग्री दउरा और सूप में सजाकर पहुंचे थे। इस दौरान लोगों ने उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। छठ पूजा के चौथे दिन उगते सूर्य यानी उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठ व्रतियों ने 36 घंटे का अपना निर्जला उपवास का पारण किया। सभी के बीच ठेकुआ सहित अन्य प्रसाद का वितरण किया गया। पुरोहित मनोज पांडे ने बताया कि उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के पीछे पौराणिक मान्यताएं हैं। मान्यताओं के अनुसार, सूर्य षष्ठी का व्रत आरोग्य की प्राप्ति, सौभाग्य और संतान के लिए रखा जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार, राजा प्रियव्रत ने भी छठ व्रत रखा था। उन्हें कुष्ट रोग हो गया था। इस रोग से मुक्ति के लिए भगवान भास्कर ने भी छठ व्रत किया था।

पुलिस ने ड्रोन से कई इलाकों में घरों की छतों का किया निरीक्षण

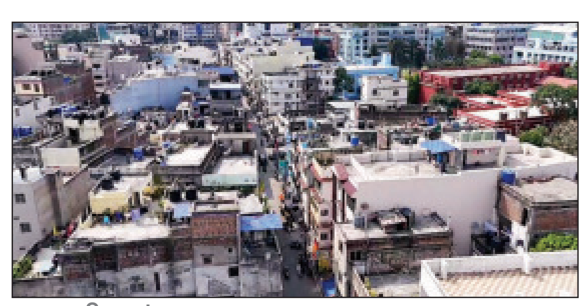

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रामनवमी को लेकर रांची पुलिस अलर्ट मोड में है। रांची पुलिस ने रामनवमी से पहले शुक्रवार को ड्रोन की सहयोग से कई इलाकों में घरों की छतों का निरीक्षण किया। इस दौरान रामनवमी जुलूस जिस-जिस इलाके से निकलेगा, पुलिस ने उस इलाके में निरीक्षण किया। रांची पुलिस ने मेन रोड, हिंदपीढ़ी और डेली मार्केट इलाके की ड्रोन से निगरानी कर देखा कि कहीं किसी के घरों की छतों पर ईट-पत्थर तो नहीं रखे गये हैं। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा ने पुलिस पदाधिकारियों को आदेश दिया है कि वह पूरे क्षेत्र में खुद घूमे और संवेदनशील जगहों को चिह्नित कर वहां जवानों की तैनाती करें। एसएसपी ने चेतावनी दी है कि अगर किसी इलाके में कोई भी गड़बड़ी हुई तो वहां के थाना प्रभारी पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। इसके अलावा सिटी कंट्रोल रूम में बैठे पुलिसकर्मियों को भी आदेश दिया गया है कि पूरे शहर में लोगों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखें। किसी इलाके से कोई सूचना मिलती है तो तुरंत लोकल थाना की पुलिस बताएं।

झारखंड में बेरोजगारी की स्थिति गंभीर, सरकार उदासीन : बाबूलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष ने राज्य में बढ़ती बेरोजगारी को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। मरांडी ने कहा कि झारखंड में बेरोजगारी की स्थिति दिनों-दिन गंभीर होती जा रही है। श्रम विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, राज्य में तीन लाख 44 हजार 823 लोग नौकरी की तलाश में हैं, जिनमें दो लाख 45 हजार 420 पुरुष और 99,382 महिलाएं शामिल हैं। यह जीबी आंकड़े राज्य में रोजगार संकट की गंभीरता को दशार्ते हैं लेकिन सरकार की ओर से इसे दूर करने के लिए कोई ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि बेरोजगार युवा राज्य से बाहर पलायन करने के लिए मजबूर हैं या फिर निराशा में घिरकर अस्थायी और कम वेतन वाली नौकरियों को अपनाने के लिए विवश हैं। राज्य में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं लेकिन उनके लिए भी उपयुक्त नौकरियों का अभाव बना हुआ है। सरकारी भर्तियां या तो स्थगित हो जाती हैं या फिर पारदर्शिता की कमी के कारण विवादों में घिर जाती हैं। बढ़ते अपराध और निजी क्षेत्र में उद्योगों की सीमित संख्या के कारण रोजगार के अवसर बेहद कम सृजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियोजन कार्यालय सिर्फ बेरोजगारों के पंजीकरण तक ही सीमित रह गए हैं और नौकरी दिलाने की उनकी भूमिका लगभग शून्य हो गई है। सरकार की बेरोजगारी के प्रति उदासीनता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। हेमंत सोरेन जी, पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से रोजगार सृजन और नौकरी उपलब्ध कराने के प्रयास करें, ताकि हमारे युवा झारखंड के विकास में योगदान देने के साथ-साथ सम्मानजनक जीवनयापन कर सकें।

वक्फ संशोधन विधेयक से न्याय और पारदर्शिता का मार्ग प्रशस्त : बाबूलाल मरांडी

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि संसद द्वारा पारित वक्फ विधेयक, 2025 वर्षों से चले आ रहे अन्याय और भ्रष्टाचार पर विराम लगाने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक न्याय और समानता के एक नए युग का द्वार खोलता है। मरांडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक संशोधन से वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्तियां पहले से कहीं अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और न्यायसंगत बनेंगी। उन्होंने विधेयक के लिए प्रधानमंत्री और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री एवं इसका समर्थन करने वाले सभी दलों एवं सांसदों का हार्दिक आभार जताया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रांची के पिठौरिया में सरहुल पर्व के दौरान दूसरे समुदाय की ओर से आदिवासी समुदाय पर हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा है कि आदिवासी भाइयों-बहनों पर जानलेवा हमला, जातिसूचक टिप्पणी और पवित्र सरना झंडे का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा है कि आदिवासी समाज ने सदियों तक मुगलों और बाहरी आक्रांताओं से संघर्ष कर अपने संस्कृति की रक्षा की है, लेकिन राज्य सरकार की नाकामियों के कारण अब फिर से मुगलों की मानसिकता वाले उपद्रवी हमारी संस्कृति पर कुठाराघात कर रहे हैं।

एक नजर

राज्य के मूलवासियों की हत्या बर्दाश्त नहीं : नायक

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने बोकारो में सीआईएसएफ की लाठीचार्ज की घटना में मृतक प्रेम महतो के परिजनों को एक करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग की है। उन्होंने घटना के दोषी अधिकारियों और जवानों पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि झारखंड में हर जगह पर मूलवासी आदिवासी समाज के लोग विस्थापन को लेकर जब-जब हक और अधिकार के लिए संघर्ष करते हैं तो उनकी बातों को सुना नहीं जाता है, बल्कि उनके आंदोलन को दमनपूर्वक कुचलने के लिए लाठी, गोली और जेल भेजना आम बात हो गई है जो राज्य के लिए शुभ संकेत नहीं है । नायक ने सरकार और प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में जब बड़ी घटनाएं घटती हैं तब सरकार निंद से जागती है। उन्होंने कहा कि जब बोकारों में विस्थापितों का आंदोलन चल रहा था तब वहां के डीसी कहां थी। उन्होंने कहा कि घटना की संपूर्ण जिम्मेदारी प्रबंधन की मानते हुए कुछ लोगों को गिरफ्तार करना मूलवासी और विस्थापित समाज को धोखा देने जैसा है।

दक्षिणी और पूर्वी मध्य जिलों में ओलावृष्टि और तेज हवा का अलर्ट

रांची : झारखंड के कई जिलों में शुक्रवार को गर्जन, ओलावृष्टि और 40 से 50 किमी की गति से हवा चलने को लेकर ऑरेन्ज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा राज्य के मध्यवर्ती और उत्तर-मध्य जिलों में भी कहीं-कहीं गर्जन और 40-50 किमी की गति से हवा चलने की चेतावनी जारी की गई है। वहीं शनिवार से पूरे राज्य में मौसम साफ हो जायेगा। इसके बाद तापमान में तीन-चार डिग्री की वृद्धि होने का अनुमान मौसम विभाग ने लगाया है। शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 35.4, जमशेदपुर में 38.1, डालटेनगंज में 38.2, बोकारो में 38.1 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 37.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

एसआर डीएवी में वैदिक हवन के साथ सत्र शुरू

रांची : रांची के पुदांग स्थित एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल में वैदिक हवन के साथ शुक्रवार को नए सत्र का शुभारंभ किया गया। नए सत्र के पहले दिन सभी कक्षा के विद्यार्थियों के आने से विद्यालय फिर से गुलजार नजर आया। छोटे - छोटे बच्चों के चेहरों पर विद्यालय आने की खुशी साफ झलक रही थी। साथ ही शिक्षक - शिक्षिकाएं भी विद्यार्थियों के स्वागत के लिए उत्साहित थे। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में विद्यार्थियों के स्वागत के लिए विशेष सजावट की गई। कक्षा नर्सरी तथा कक्षा एलकेजी के विद्यार्थियों के भी विद्यालय में आने का पहला दिन भी था। शिक्षिकाओं ने उनका भव्य स्वागत किया । विद्यालय के प्राचार्य एसके मिश्र ने प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके और उनके परिवार के स्वस्थ, सुखमय तथा सफल जीवन की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन का महत्त्व बताते हुए अनुशासित रहकर परिश्रम करने की बात कही। साथ ही विद्यालय के नियमों का पालन करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

रामनवमी पर शोभायात्रा शांतिपूर्ण निकालें : विहिप

रांची : विश्व हिंदू परिषद के झारखंड प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने सभी रामभक्तों को रामनवमी की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम संपूर्ण राष्ट्र के लिए आदर्श हैं। उनका जीवन हमें पारिवारिक मूल्यों, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वाभिमान तथा सामाजिक कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देता है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि संपूर्ण हिंदू समाज से हर्षोल्लास के साथ परंपरानुसार भक्ति पूर्ण वातावरण में शोभायात्रा निकालने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने युवाओं को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने का आग्रह किया। प्रशासन की ओर से असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए, जिससे पूरे प्रदेश में शोभायात्रा बाधित न हो और रामनवमी का त्यौहार निर्विघ्न संपन्न हो।

अल्पसंख्यकों और आदिवासियों को गुमराह न करे कांग्रेस : राफिया

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नीतियों को लेकर विपक्ष की ओर से लगातार झूठ और भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के दिए गए बयान पर गहरी आपत्ति जताई है, जिसमें उन्होंने भाजपा पर अल्पसंख्यकों और आदिवासियों के अधिकारों के हनन का आरोप लगाया है। यह बयान तथ्यों से परे और भ्रामक है, जो समाज में अनावश्यक भय और भ्रम फैलाने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों और आदिवासियों को कांग्रेस गुमराह न करे। राफिया ने शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज कांग्रेस आदिवासी समुदाय के हितों की बात कर रही है, जो हास्यपद है। कांग्रेस ने तो एक आदिवासी बेटी जो देश के सर्वोच्च पद पर बैठी है राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के राष्ट्रपति बनने के खिलाफ थे और कई अपशब्द कहने से भी पीछे नहीं रहे थे। इसके अलावा, झारखंड में पेसा कानून अभी तक लागू नहीं किया गया है, जिससे आदिवासी समुदाय को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया है। साथ ही, कांग्रेस पार्टी सरना धर्म कोड की बात करती है जबकि केंद्र की मनमोहन सिंह सरकार ने इसके खिलाफ निर्णय लिए थे। यहां तक कांग्रेस उस पार्टी राजद से हाथ मिला कर बैठी है जिसके प्रमुख झारखंड अलग राज्य के विरोध में थे और कहा करते थे कि झारखंड मेरी लाश पर बनेगा। यहां तक रांची सिरम टोली स्थित सरना स्थल की समस्या का समाधान भी कांग्रेस से नहीं हो पा रहा। राफिया ने कांग्रेस से सवाल किया कि जब 1994,1995 और 2013 मे कांग्रेस की ओर से तीन बार वक़्फ़ बोर्ड का संशोधन किया तब क्या ये लोकतंत्र या अल्पसंख्यक विरोधी नहीं था। भाजपा सरकार चाहती है की वक्फ बोर्ड संशोधन के जरिये की वक्फ संपत्ति को भू-माफियाओं और लुटेरों के चंगुल से मुक्त हो तथा गरीब मुसलमानों के हित में इस्तेमाल हो। लेकिन कुछ लोग इसे गरीब मुसलमानों के हित में इस्तेमाल करने की बजाय भू-माफियाओं की कठपुतली बनकर काम कर रहे हैं। यह दुखद है,कांग्रेस को गरीब मुसलमानों की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा जो विधेयक लाया जा रहा है वह सच्चर समिति की रिपोर्ट (जिसमें सुधार की बात कही गई थी) पर आधारित है जिसे कांग्रेस ने बनाया था। इस विधेयक से किसी भी धार्मिक संस्था की स्वतंत्रता में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। किसी के अधिकार छीनने की बात तो भूल ही जाइए। राफिया ने कहा यह विधेयक रिफार्म के लिए है, रिवोल्ट के लिए नहीं। यह बिल गरीब मुस्लिमों और महिलाओं के अधिकारों को भी सुनिश्चित करेगा।

श्री महावीर मंडल पश्चिमी क्षेत्र की हुई बैठक

रांची : शुक्रवार को श्री महावीर मंडल पश्चिमी क्षेत्र की एक बैठक पिस्का मोड़ स्थित विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में संयोजक शशि सिंह के अध्यक्षता में रखी गई। बैठक में सर्वसम्मति से शैलेश्वर दयाल सिंह जी को श्री महावीर मंडल पश्चिमी क्षेत्र का अध्यक्ष चुना गया। बैठक में अपने विचार व्यक्त करते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष शैलेश्वर दयाल सिंह जी ने कहा की पश्चिमी क्षेत्र के सभी मंदिर स्थल, अखाड़ाधारी एवं झंडेधारी के जो भी नेतृत्वकर्ता हैं सभी से संगठित होकर अनुशासित ढंग से रामनवमी जुलूस निकालने एवं प्रशासन के सहयोग की अपील की जाती है। इस बार पश्चिमी क्षेत्र में रामनवमी भव्य रूप से मनाया जायेगा और जुलूस ऐतिहासिक होगा। उपस्थित लोगों ने सफल आयोजन, क्षेत्र की समस्यायों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो इस पर भी अपने अपने विचार रखे।2026 में इससे भी भव्य तैयारी करने पर भी विचार हुआ। बैठक में मुख्य रूप से शैलेश्वर दयाल सिंह, शशि सिंह, सुनील सिंह, मनमोहन पांडे, विजय पांडे, अमृतेश पाठक, नीरज कुमार, बिरेंद्र प्रसाद, शक्ति सिंह, कमलेश सिंह, राजू प्रसाद, निलेश सारंगी, अमित राज ठाकुर, विक्की तिवारी, सत्यप्रकाश मिश्रा, नवीन कुमार, अजय शर्मा, नमित लाल, अमित शर्मा, शिवशंकर प्रसाद, नीतू सिंह, बबीता सिंह, शिवकिशोर शर्मा, कुणाल, अभिनव गौतम, राहुल वर्मा, तुषार करण, अमन वर्मा, अभिषेक साहा, सागर वर्मा, पंकज कुमार बर्नवाल, कृष्णा घोष, आदि शामिल हुए।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ 13 अप्रैल को महाधरना : एस अली

रांची : वक्फ अधिनियम 1995 में केंद्र सरकार द्वारा किए गए संशोधनों के खिलाफ 13 अप्रैल 2025 को राजभवन के समक्ष महाधरना दिया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को पुरानी रांची स्थित बैंक्वेट हॉल में आमया संगठन की बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष एस. अली ने उक्त घोषणा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने वक्फ संशोधन बिल को बिना मुस्लिम समुदाय की सहमति और सुझाव के जल्दबाजी में लोकसभा और राज्यसभा से पारित करवा लिया है। यह बिल न केवल धार्मिक स्वतंत्रता बल्कि संविधान में दिए गए समानता के अधिकार के भी खिलाफ है। बैठक में हाईकोर्ट के अधिवक्ता शाकिल परवेज ने कहा कि देशभर में वक्फ संपत्तियां, जो मस्जिद, मदरसा, ईदगाह, मजार, दरगाह, खानकाह, कब्रिस्तान, शैक्षणिक संस्थान आदि के रूप में वर्षों से मुस्लिम समुदाय द्वारा दान की गई हैं, उनमें हस्तक्षेप की मंशा से संशोधन लाया गया है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड और ट्रिब्यूनल में गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने का प्रावधान इस हस्तक्षेप का हिस्सा है। एस. अली ने बताया कि महाधरना में बिल का विरोध करने वाले राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों को आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही, वक्फ संशोधन बिल पर रोक लगाने की मांग को लेकर राज्य के सभी जिलों के उपायुक्तों और प्रखंड पदाधिकारियों को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि वे अपने-अपने जिलों में भी उसी दिन धरना आयोजित करें।

एक नजर

ट्रेन में छूटा हुआ समान बरामद कर शिकायतकर्ता को सौंपा गया

बोकारो : बोकारो के रेलवे स्टेशन पर एससीएनएल एडीए के माध्यम से एक शिकायत मिली कि यात्रा करने के दौरान एक यात्री का समान ट्रेन में ही छूट गया है। बताते चलें कि शिकायतकर्ता राजेश कुमार मंडल राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 20840 नई दिल्ली से कोच्चि तक का सफर कर रहे थे इसी दरमियान जब वह ट्रेन से उतरे तो उनका लाल रंग का झोला कोच संख्या बी 5, सीट संख्या 49 में बैठ कर सफर कर रहे थे। ट्रेन जब कोच्चि जंक्शन पहुंची तो यात्रा कर रहे राजेश मंडल भूल से अपना समान छोड़ ट्रेन से उतर गए। इसकी शिकायत एससीएनएल एडीए को दिया गया। सूचना पाते ही बोकारो आरपीएफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रेन में छुटा हुआ समान अपने कब्जे में ले लिया। उसके बाद इसकी सूचना शिकायतकर्ता को दी गई। खबर मिलते ही शिकायतकर्ता के रिश्तेदार रामचंद्र प्रसाद बोकारो आरपीएफ पोस्ट पहुंच समान पर अपना हक जताया। उचित सत्यापन और पहचान के बाद उपरोक्त बरामद झोला शिकायतकर्ता के रिश्तेदार को सौंप दिया गया। प्राप्त करने के बाद उन्होंने आरपीएफ बोकारो को धन्यवाद दिया।

विस्थापितों ने जमीन अधिग्रहण के बदले स्टील प्लांट प्रबंधन से रोजगार की मांग की

बोकारो : स्टील प्लांट में विस्थापितों के आंदोलन के बीच कुछ महत्वपूर्ण मांगें रखी गई हैं। इनमें घायलों को एक-एक लाख रुपये का मुआवजा देने, नियोजन की व्यवस्था करने, और आंदोलन कार्यों पर किसी प्रकार का मुकदमा न चलाने की बात कही गई है । कामरेड गुलाब चंद्र ने बैठक में कहा कि बरसों से विस्थापितों की बहाली के माध्यम से डीपीएलआर के माध्यम से एक मोस्ट विस्थापित महिला पुरुष आश्रित शिक्षित प्रशिक्षित महिला पुरुष को योग्यता के अनुसार एक सप्ताह में परिक्रिया चालू की जाए। इसके अलावा, भू अतिक्रमण अधिनियम के अनुसार सर प्लस जमीन से अतिक्रमण मुक्त करके मुआवजा देने की बात भी कही गई है। यह आंदोलन बोकारो स्टील प्लांट में विस्थापितों के अधिकारों की मांग को लेकर चल रहा है। विस्थापितों ने आरोप लगाया है कि उनकी जमीन अधिग्रहण की गई थी, लेकिन उन्हें इसके बदले उचित रोजगार के अवसर नहीं मिले।

चार दिवसीय चैती छठ का हुआ समापन

बोकारो : चंदनकियारी के बाबूग्राम में उदीयमान सूर्य देव को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय चैती छठ पर्व का अनुष्ठान समापन हुआ ।1 अप्रैल को नहाय खाय के साथ पर्व शुरू हुआ था। शुक्रवार को निर्जला उपवास में वतीर्यों ने उदीयमान सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया। इसके पूर्व गुरूवार को व्रतियों ने पूरे विधि विधान के साथ निकटतम जलाशय में अस्ताचालगामी सूर्य देव को पहला अर्घ्य अर्पित किया था। इस दौरान प्रसाद का भी वितरण किया गया । इस मौके पर ग्रामीणों ने अपने क्षेत्र को पूरा स्वच्छ रखा ।

वेदांता ईएसएल ने विश्व जल सप्ताह का सफल और प्रभावशाली समारोह मनाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : वेदांता ईएसएल ने विश्व जल सप्ताह 2025 का सफल और प्रभावशाली समारोह मनाया। जिसमें सतत जल प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया। सप्ताह भर चलने वाले इस समारोह में ज्ञान-साझाकरण सत्र, इंटरैक्टिव प्रतियोगिताएं और सीएसआर-संचालित पहल शामिल थीं। जिसमें 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की मुख्य बातें

सप्ताह का मुख्य आकर्षण ग्लेशियर संरक्षण पर एक ज्ञानवर्धक वेबिनार था, जिसका नेतृत्व वैप और डिजिटल पानी के सह-संस्थापक राजेश जैन ने किया. जिन्होंने भारत के घटते ग्लेशियरों की रक्षा और उद्योगों और घरों के लिए सतत जल समाधानों के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डाला। वेदांता ईएसएल के वरिष्ठ नेतृत्व ने सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया और उन्हें संबोधित किया। तपेश चंद्र नस्कर, निदेशक - सीई और एचएसईएस; और दुर्गा प्रसन्ना पांडा, उप निदेशक सीई, ने जल अनुकूलन, अपशिष्ट में कमी और पर्यावरण संरक्षण के लिए कंपनी के दृष्टिकोण पर अपनी, बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। भाषण, पोस्टर-मेकिंग, नारा लेखन और ऑनलाइन और ऑफलाइन क्विज सहित आकर्षक प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला में मजबूत सामुदायिक भागीदारी देखी गई। विजेताओं को उनकी रचनात्मकता और जल संरक्षण के प्रति समर्पण के लिए पहचाना और पुरस्कृत किया गया। वेदांता ईएसएल के सीएसआर विभाग ने केंद्रीय इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से विश्व जल दिवस 2025 पर प्रोजेक्ट स्वजल के तहत प्रभावशाली जमीनी स्तर की पहल की। बुढ़ीबिनोर आंगनवाड़ी में, 45 एसएचजी लाभार्थियों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किए गए, जिसमें वर्षा जल संचयन और कुशल भंडारण तकनीकों जैसे व्यावहारिक जल-बचत तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। सत्र का समापन शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ, जहाँ प्रतिभागियों ने स्थायी जल प्रथाओं को अपनाने का संकल्प लिया। इसके अलावा, चंदाहा ड्राइंग सेंटर में, जल संरक्षण-थीम वाली ड्राइंग प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिससे उन्हें जल संरक्षण के बारे में अपनी समझ को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शीर्ष तीन प्रतिभागियों को उनके कलात्मक योगदान के लिए सम्मानित किया गया, तथा कार्यक्रम का समापन मीठे पानी के संसाधनों की रक्षा के लिए सामूहिक शपथ के साथ हुआ।

जल संरक्षण के प्रति वेदांता ईएसएल की प्रतिबद्धता

इस अवसर पर बोलते हुए, वेदांता ईएसएल के निदेशक CE &HSES तपेश चंद्र नास्कर ने कहा, पानी उद्योग और समुदायों दोनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण संसाधनों में से एक है। वेदांता ईएसएल में, हम न केवल स्थिरता की वकालत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, बल्कि सक्रिय रूप से इसका अभ्यास भी करते हैं।

स्टील प्लांट के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में सुझाव मेला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग के तत्वाधान में बोकारो स्टील प्लांट के विभिन्न विभागों में सुझाव मेला का आयोजन किया जा रहा है। महाप्रबंधक हिमांशु गुप्ता एवं वरीय प्रबंधक प्रीति प्रिया, के नेतृत्व में गुरुवार को ब्लास्ट फर्नेस विभाग में आयोजित सुझाव मेला का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक शौविक रॉय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ब्लास्ट फर्नेस विभाग के मानस सरकार, जयंत जोद्दार, अनुपम रॉय, कंचन कुमार, तथा सहायक महा प्रबंधक शशिकांत ने अपने बहुमूल्य अनुभव साझा किए और बेहतरी के लिए प्रोत्साहित किया। ब्लास्ट फर्नेस विभाग में आयोजित सुझाव मेला में लगभग 200 सुझाव विभाग के कर्मियों द्वारा दिया गया। मुख्य महा प्रबंधक शौविक रॉय ने प्लांट की समृद्धि के लिए कर्मचारियों को सुझाव मेला में बढ-चढ कर हिस्सा लेने और रचनात्मक सुझाव देने का आह्वाहन किया। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन धनञ्जय कुमार, महाप्रबंधक द्वारा किया गया।

मौत मामले में उपायुक्त ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी की गठित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव ने विस्थापित अप्रेंटिस संघ की ओर से विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन के दौरान हुई झड़प में एक व्यक्ति के मौत मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। कमेटी में अनुमण्डल पदाधिकारी,चास प्रांजल ढ़ांडा कमेटी की अध्यक्षता करेंगी। कमेटी में बतौर सदस्य पुलिस उपाधीक्षक, नगर, बोकारो और कार्यपालक दण्डाधिकारी बोकारो जया कुमारी शामिल हैं। उपायुक्त ने गठित कमेटी को गुरुवार को घटित पूरे घटनाक्रम की जांच बीएसएल प्रशासनिक भवन में लगे सीसीटीवी फुटेज और मीडिया से प्राप्त फुटेज एवं अन्य साक्ष्यों के माध्यम से करते हुए विस्तृत जांच प्रतिवेदन शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा है। उल्लेखनीय है कि बीएससिटी थानान्तर्गत बीएसएल के प्रशासनिक भवन के समक्ष विस्थापित अप्रेन्टीस संघ की ओर से गुरुवार को अपने विभिन्न मांगों को लेकर धरना- प्रदर्शन करने और धरना-प्रदर्शन के दौरान विस्थापित संघ एवं सीआईएसएफ बलों के बीच हुई झड़प में विस्थापित संघ के एक व्यक्ति प्रेम कुमार महतो की मौत हो गई थी।

महिला ने की गलत व्यक्ति द्वारा मुआवजा लेने की शिकायत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में विभिन्न लोगों की शिकायतें सुनी। इसमें तोपचांची के रामाकुंडा से आई महिला ने अपर समाहर्ता को बताया कि उनकी पैतृक जमीन डेडिकेटेड फ्रेट कोरिडोर कॉरपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड परियोजना को लेकर अधिग्रहित की गई थी। जिसमें वंशावली के आधार पर नोटिस निर्गत नहीं किया गया तथा किसी गलत आदमी को मुआवजा का भुगतान कर दिया गया। वहीं एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें 32 लख रुपए मिले थे। इस रकम में से करमाटांड, बलियापुर रोड में 8 कट्ठा जमीन के साथ घर बनाकर देने के लिए डेवलपर को 30 लाख 60 हजार रुपए का भुगतान 28 अप्रैल 2023 को किया था। उन्होंने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि न तो उन्हें जमीन मिली न ही मकान मिला। इसके विपरित, डेवलपर उनपर और 20 लाख रुपए देने का दबाव बना रहा है। जनता दरबार में एसएसएलएनटी स्कूल, टेलीफोन एक्सचेंज रोड द्वारा छात्रा के नाम में सुधार नहीं करने की शिकायत प्राप्त हुई। छात्रा ने बताया कि मैट्रिक तक स्कूल रजिस्टर में उनका सही नाम दर्ज था। इसके बाद इंटर में जब नामांकन कराया तब नाम गलत लिख दिया। कई बार आवेदन देने के बाद भी नाम में सुधार नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा ऑनलाइन लगान रसीद निर्गत कराने, महुदा ग्रामीण जलापूर्ति योजना की क्षतिग्रस्त पाइपलाइन ठीक कराने, जमीन लेनदेन में धोखाधड़ी करने, कोलाकुसमा में घनी आबादी के बीच आरा मशीन का कारखाना खोलने, पति के इलाज के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, डीडीएमए के संजय कुमार झा, जनशिकायत कोषांग के प्रधान लिपिक नंदकिशोर कुशवाहा भी मौजूद थे।

विधायकों ने चैती दुर्गा पूजा का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद में चैती दुर्गा पूजा पूरे हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाई जा रही है। लूबी सर्कुलर रोड यूथ क्लब दुगार्पूजा समिति द्वारा इस वर्ष भी भव्य मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है, जिसे आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया है। गुरुवार को पंचमी के दिन मां दुर्गा की प्रतिमा और विशेष लाइटिंग का उद्घाटन निरसा विधायक अरूप चटर्जी और धनबाद विधायक राज सिन्हा ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने दोनों विधायकों का स्वागत किया और पूजा आयोजन को लेकर विशेष चर्चा की। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि इस वर्ष भी समिति द्वारा अत्यंत भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है, जो भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। वहीं, निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने मां दुर्गा से आशीर्वाद की कामना करते हुए कहा कि माता अपनी कृपा सभी भक्तों पर बनाए रखें और समाज में सुख-शांति बनी रहे। पूजा पंडाल में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है और श्रद्धालु माता के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर भी विशेष इंतजाम किए गए हैं ताकि भक्तजन बिना किसी परेशानी के मां के दर्शन कर सकें।

कलश यात्रा के साथ चैती दुर्गा पुजा शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चंदनकियारी प्रखंड के तलगड़िया गांव में स्थित दुर्गा मंदिर में 130 वर्ष से चैती दुर्गा पूजा हो रही है। शुक्रवार को कलश यात्रा के साथ विधिवत मंदिर मे कलश की स्थापना कर पुजा शुरू हुआ। पूजा शुरू होते ही तलगड़िया, सिलफोर, पहुवा कुलटांड, फतेहपुर पर्वतपुर, तिलाटांड़, रोहिनियाटांड़ व आसपास का माहौल भक्तिमय हो गया। आस्था का केन्द्र है दुर्गा मंदिर। पुजा मे धनबाद बोकारो व पं बंगाल से श्रदालु मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचते हैं। मंदिर में परंपरा के अनुसार मां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, गणेश कार्तिक, महिषासुर आदि की मूर्तियां बनायी गयी है. मंदिर मुख्य पुजारी भीम पाण्डेय,अजीत पाण्डेय, व प्रफुल्लय पाण्डेय ने पुजा अर्चना कर शुरू किया। श्रदालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। 5 अप्रैल को कार्तिक म्यूजियकल ग्रुप बोकारो तथा 6 अप्रैल को महुदा धनबाद के हेमंत दुबे के द्वारा भक्ति जागरण प्रस्तुति किया जायेगा। 7 अप्रैल को मूर्ति विसर्जन के साथ पूजा संपन्न होगी। पूजा को लेकर धनु दशौंधी के वंशज व पुरोहित पंडित भीम पांडे, अजीत पांडे, प्रफुल्ल पाण्डेय तथा पूजा कमेटी के पदाधिकारी व सदस्य एवं ग्रामीण जुटे हुए हैं। मन्नत पूरी होने पर मां दुर्गा की स्थापना की गई थी। बताया जाता है कि गांव के धनु दसौंधी का जमीन संबंधी विवाद चल रहा था। उन्होंने मन्नत की थी कि यदि वह जमीन मामले में जीत जाते हैं तो दुर्गा पूजा डकरेंगे। धनु दसौंधी मामला जीत गये। इसके बाद से उसने मिट्टी के घर में मां दुर्गा की स्थापना कर पूजा शुरू की। इसके बाद पत्थर का भव्य मंदिर का निर्माण कराया। वहीं धनु दसौंधी ने विधि-विधान से चंदनकियारी आसनसोल गांव दुर्गा मंदिर से मिट्टी लाकर यहां मां दुर्गा की स्थापना की। धनु दसौंधी की पांचवी पीढ़ी अभी पूजा कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

कृष्णा मातृ सदन में रक्तदान शिविर लगाया गया

धनबाद : निश्चित रूप से, रक्तदान शिविर जैसे कार्यक्रम समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। जिसको लेकर कतरास कृष्णा मातृ सदन में शुक्रवार को रक्तदान शिविर लगाया गया। रक्तदान शिविरों से एकत्रित रक्त उन रोगियों के लिए जीवनदायिनी होता है जिन्हें इसकी तत्काल आवश्यकता होती है, जैसे दुर्घटनाओं के शिकार, शल्य चिकित्सा के दौरान, या गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोग। ये शिविर लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में शिक्षित करते हैं, जिससे गलत धारणाओं को दूर करने और स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। नियमित रक्तदान करने से रक्तदाताओं को कुछ स्वास्थ्य लाभ भी हो सकते हैं, जैसे कि आयरन के स्तर को नियंत्रित करना और हृदय रोगों के जोखिम को कम करना।डॉ. शिवानी झा, आर्य व्यायाम मंदिर कतरास और समर्पण के इस नेक पहल के तहत आयोजित इस शिविर में सामाजिक संगठनों और पत्रकारों का सहभागिता देखना वास्तव में सराहनीय रहा। सामाजिक संगठनों और पत्रकारों की सहभागिता से समाज में रक्तदान करने की जागरूकता ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचती है। रक्तदान एक महान कार्य है जो अनगिनत जिंदगियों को बचा सकता है। मौके पर वियाड़ा के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार झा, डॉ शिवानी झा, डॉ मधुमाला,धीरज कुमार, उदय सिंह, शंकर चौहान, कृष्ण मातृ सदन के कर्मचारीगण, पीएमसीएच धनबाद के टीम में ब्रजकिशोर पांडे, संजीव कुमार, अमृत दास, शंभू कुमार साहनी, राजकुमार मोदी, अभिजीत गोराई, जोशन विलियम मौजूद थे।

सर्वमंगला पब्लिक स्कूल नगरीकला में 7वां ओरिएंटेशन सह काउंसलिंग दिवस मनाया गया

धनबाद: शिक्षा जीवन के लिये अमूल्य है जिसे ग्रहण करके कोई भी बच्चे अपना जीवन सफल कर सकते है उक्त बातें दिल्ली पब्लिक स्कूल धनबाद के प्राचार्या श्रीमती सरिता सिंह ने कहा ।साथ ही अच्छे वातावरण व प्राकृतिक वातावरण में शिक्षा प्रदान करने के लिये विद्यालय प्रबंधन की सराहना की। सोसायटी के अध्यक्ष डॉक्टर सर्वमंगला प्रसाद व प्राचार्या प्रभा सक्सेना ने सभी बच्चे व अभिभावकों धन्यबाद देते हुये कहा कि वर्ष 2025–2026 का नया सत्र प्रारंभ समारोह में विद्यालय के लगभग 1300 छात्र– छात्रा उपस्थित थे। डॉक्टर हरदेव प्रसाद ने कहा कि विद्यालय का सफल संचालन के लिये 60 योग्य व अनुभवी शिक्षक शिक्षिकाय ने भी अपना अपना परिचय दिया। जिससे अभिभावकों ने संतुष्टि जाहिर की। डॉक्टर सर्वमंगला प्रसाद,प्राचार्या प्रभा सक्सेना,उप प्राचार्या कल्याणी नायर,संरक्षक अध्यक्ष डॉक्टर हरदेव प्रसाद ने कहा कि शिक्षा व चिकित्सा के क्षेत्र में आम लोगो को लाभ प्रदान करने के लिये सर्वमंगला हेल्थ एंड एडुकेशन सोसायटी नामक संस्था का गठन किया गया था। मौके पर शशीलता,अमित महतो ,मृत्युंजय मंडल,गोविंद कुमार,दीपिका कुमारी, तेजू कुमार, सौरभ कुमार,आकांशा पांडेय,नीतू कुमारी,अविनाश कुमार, अरुण मिश्रा, अंजली,मिथुन,सिमरन, प्रिंस,गिरधारी प्रामाणिक,गौतम मंडल,साक्षी,सुषमा भारती,राजकुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संस्थापक अध्यक्ष हरदेव प्रसाद व मोहनी सहाय ने किया।

चंदौर पहाड़ी शिव मंदिर में अखंड हरिकीर्तन प्रारंभ

धनबाद : श्री श्री रामनवमी अखाड़ा समिति बेस्ट चंदौर पहाड़ी तेतुलमारी शिव मंदिर प्रांगण में 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन का शुभारंभ विधिवत पूजा अर्चना के साथ हुआ। मौके पर दिलीप निषाद, विक्रम निषाद,सूरज कुमार,अनिल कुमार,नागेंद्र निषाद,पप्पू निषाद, सुनिल निषाद,बबलू निषाद, पिंटू निषाद, उत्तम कुमार,मुकेश कुमार,मोहरा निषाद, प्रकाश, गोरा, सुशील, गुड्डू, ऋतिक व गायक मंडली में बसंत निषाद, सुखदेव निषाद, कुलेन्द्र पासवान, देवधारी पांडेय,संजय निषाद, राम प्रसाद पासवान,ब्रिज भूषण पांडेय, अजय साव, राजू सिंह,सुरेश सहित अन्य लोग सक्रिय थे। अखंड हरिकीर्तन से पूर्व मुख्य यजमान के रूप में दिलीप निषाद संग धर्मपत्नी , विक्रम निषाद व सूरज निषाद पंडित पप्पू पांडेय व सुदामा पंडित ने पूजा अर्चना करवाई।

बीएसएल में हुआ दो दिवसीय सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला

बोकारो : बीएसएल के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में संयंत्र के अधिकारियों के लिए दो दिवसीय सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण 03–04 अप्रैल को किया जा रहा है। इस कार्यक्रम मे लगभग 20 अधिकारी विभिन्न विभागों से शामिल हैं तथा फैकल्टी के रूप मे वैसे अधिकारी योगदान कर रहे हैं जिन्होंने पूर्व में मेसर्स एएसके इएचएस का ट्रेन द ट्रेनर प्रशिक्षण प्राप्त किया हुआ है। इस कार्यक्रम में कुल आठ सत्रों में बीआईपी, आरसीए, सीएसएसए, आरएसएम, इलेक्ट्रिकल सेफ्टी, बो टाई, कवच पर प्रशिक्षण शामिल है। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र मे महाप्रबंधक डी आर टोप्पो उपस्थित थीं। सर्वप्रथम कनीय प्रबंधक एस के डी भौमिक ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथि का स्वागत किया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। महाप्रबंधक डी आर टोप्पो ने प्रतिभागियो को सुरक्षा शपथ दिलाई तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा के विषय में अपने विचार रख। उन्होंने प्रतिभागियों से अपने लर्निंग पॉइंट दूसरे सहकर्मियों से साझा करने की अपील की।

एक नजर

महिला ने अपने पति पर लगाया प्रताड़ित करने का आरोप

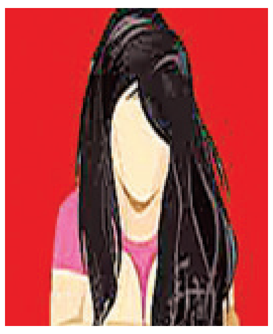

मुरी : बुधवार की रात्रि में बिरदीडीह (सोनाहातु) निवासी साधु महतो और उसकी पत्नी का किसी बात को लेकर आपस में विवाद हो गया जिस महिला रेल थाना मुरी पहुंची। थाने में ड्यूटी में तैनात ओडी पदाधिकारी और अन्य कर्मचारी ने महिला की बातों को सहानुभूति पूर्वक सुनते हुए उसे समझाया तथा उसके पति साधु महतो को भविष्य में दोबारा ऐसी गलती नहीं करने का हिदायत दिया। साधु महतो ने भी भविष्य में पुनरावृति नहीं करने की बातें कहीं। वही आरक्षी रंजन सिंह नशे की हालत में थाना पहुंचे और महिला को डांट फटकार करने लगे महिला पर जबरन केस करने का दवाव बनाने लगे इसके पूर्व में भी रंजन सिंह के द्वारा लोगों के बीच व्यवहार गलत रहा है हमेशा नशे में रहने के वजूद लोगों को गाली-गलौज करना जिससे पुलिस की छवि खराब हो रही हैं। इधर इस संबंध में थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले को लेकर महिला तथा उसके पति के द्वारा मुझे कोई फोन नहीं किया गया। चूँकि मामला मेरे थाना क्षेत्र का नहीं था सोनहातू थाना क्षेत्र का था इसके बावजूद भी हम लोगों ने महिला की काफी मदद की और मामले को थाना में तैनात ओडी पदाधिकारी देख रहे थे। मामला के दरमियान मेरी तबीयत ठीक नहीं थी मैं दवा खाकर आराम कर रहा था।

लोक आस्था का चार दिवसीय पर्व चैती छठ उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : चैनपुर के सफी नदी घाट पर शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चैती छठ महापर्व की समापन हो गई। गुरुवार को छठ व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित किया था। व्रतियों ने उदयगमी (उगते हुए) सूर्य भगवान को नदी पर खड़े होकर अर्घ्य दिया। शुक्रवार की सुबह करीब 5:46 पर सूर्योदय होने के साथ ही अर्घदान का कर्म आरंभ हो गया था। चैत माह के शुक्ल पक्ष की छठी तिथि को चैती छठ के नाम से जाना जाता है। चैती छठ का व्रत महिलाएं संतान के अच्छे स्वास्थ्य और उन्नति के लिए रखती हैं, के साथ उनके स्वजनों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर खुद के लिए एवं समाज व पूरे देश के हित की कामना की। व्रतियों ने पूरी श्रद्धाभाव के साथ पानी में खड़े होकर भगवान भास्कर की अर्घ्य दिया और छठ मैया से अपनी मनोकामना पूर्ण करने की मन्नत भी मांगी। इस के साथ छठ पूजा आज संपन्न हुई। आस्था का महापर्व साल में दो बार कार्तिक माह व चैत्र माह में मनाया जाता है। छठ पूजा का महत्व हिंदू धर्म में बहुत अधिक है। यह पर्व सूर्य भगवान को समर्पित है, जो जीवन और ऊर्जा के स्रोत हैं। छठ पूजा के दौरान व्रतियों द्वारा सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया जाता है, जो उनकी कृपा और आशीर्वाद के लिए किया जाता है। छठ पूजा के दौरान व्रतियों द्वारा विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए जाते हैं, जिनमें ठेकुआ, खाजा, पेड़ा, और अन्य मिठाइयां शामिल होती हैं। इन व्यंजनों को सूर्य भगवान को अर्पित किया जाता है और फिर व्रतियों द्वारा सेवन किया जाता है। छठ पूजा का समापन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होता है। यह पर्व हिंदू धर्म में बहुत अधिक महत्व रखता है और इसका आयोजन पूरे देश में किया जाता है।

चैती छठ महापर्व : उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य के साथ हुआ संपंन

सरिया (गिरिडीह) : सूर्य उपासना का पावन पर्व चैती छठ शुक्रवार को उदयमान सूर्य को अर्घ्य प्रदान करने के साथ ही संपन्न हो गया। आस्था से जुड़े व्रतियां छठ गीतों के साथ डलिया को माथे पर लिए शुक्रवार की सुबह छठ घाट पर पहुंची। जहां घंटों जल में खड़ा रहकर निरोगी काया परिवार में सुख समृद्धि तथा क्षेत्र में अमन चैन की कामना भगवान सूर्य से की। अरुणोदय के समय विभिन्न प्रकार के फूल, नारियल, ईख, संतरा, गाजर, मूली सहित नाना प्रकार के मौसमी फल तथा ठेकुआ से भरा सूप और दौरा के साथ दूध और जल से भगवान सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया। अर्घ्य प्रदान करने के बाद पूजन आरती की गई। अग्नि में हवन किया गया। पश्चात चार दिनों तक व्रत कर रहे लोगों ने पारण किया। इसके साथ ही चार दिनों तक पवित्रता के साथ मनाए जाने वाला चैती छठ संपन्न हुआ।

हेसल खोपी सरना मैदान में सरहुल मिलन समारोह का हुआ आयोजन

अपनी परम्परा को बचना हम साबों का कर्तव्य है : राजेश कच्छप

अनगड़ा : हेसल खोपी सरना मैदान में केंद्रीय सरना समाज उथान समिति के नेतृत्व में सरहुल मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि खिजरी विधानसभा के लोकप्रिय विधायक राजेश कच्छप थे। मिलन समारोह में अनगडा प्रखंड के विभिन्न गांवों से लोग अपनी परंपरा ढोल नगाड़ों के साथ नाचते झूमते सरना स्थल पर पहुंचे और पाहान के के द्वारा मा सरना को याद करते हुए पूजा अर्चना की और राज्य के खुशहाली अच्छी फसल हो इसके लिए माथा टेका। मौके पर मुख्य अतिथि विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि सरहुल पर्व प्राकृतिक का पर्व है यह पर्व को लोग सदियों से मनाते आ रहे है और इस तरह का आयोजन से जो आज के समय में अपनी पहचान परम्परा को भूलते जा रहे है। इस तरह के मिलन समारोह से सरहुल पर्व का महत्व को समझते हैं परम्परा को बचाए रखना हमारा कर्तव्य है सरहुल मिलन समारोह में केंद्रीय सरना समाज उत्थान समिति के अध्यक्ष जमल मुंडा मेला समिति के अध्यक्ष प्रदीप पहान सचिव मधु पहान राजेन्द्र मुंडा का अहम योगदान रहा। मौके पर पंचायत समिति सदस्य शीला देवी पंचायत समिति सदस्य मदरा मुंडा पर राम पोदो महतो बिरसा उरांव राजेश लोहरा विक्की श्रीवास्तव छोटू महतो आश्रिता खालको लाखो कच्छप सुनील लकड़ा बिलू तिर्की बिरसा तिर्की बलराम मुंडा आदि शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

सरला बिरला विवि के महानिदेशक और कुलपति ने राज्यपाल से की मुलाकात

अनगड़ा : नामकोम महिलोंग स्थित सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक और कुलपति प्रो सी जगनाथन ने राजभवन में महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार जी के साथ मुलाकात की और उन्हें आगामी 11 अप्रैल को होनेवाले विवि के दूसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर सम्मिलित होने के लिए निमंत्रण पत्र सौंपा। एसबीयू के इस दीक्षांत समारोह में कुल 1664 डिग्री धारकों को प्रमाण पत्र सौंपे जाएंगे। इसमें 43 स्वर्ण पदक विजेता भी शामिल होंगे, जिन्हें 'बसंत कुमार बिरला स्वर्ण पदक' से सम्मानित किया जाएगा। एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने दीक्षांत समारोह की तैयारियों पर हर्ष व्यक्त किया है।

गया-धनबाद रेल मार्ग के बीच चलाया गया ट्रायल स्पीड ट्रेन

सरिया(गिरिडीह) : पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन से धनबाद के बीच शुक्रवार को ट्रायल स्पीड ट्रेन का परिचालन कराया गया। इस संबंध में मुख्य जनसंपर्क अधिकारी धनबाद कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार भविष्य में इस रूट में हाई स्पीड ट्रेनों का परिचालन किया जाना है। इसे लेकर शुक्रवार को 160 किलोमीटर प्रति घंटा की चाल से चलने वाली हाई स्पीड ट्रेन का ट्रायल परिचालन कराया गया। बताया गया कि डीडीयू से शुक्रवार की दोपहर 11:00 बजे उक्त स्पीड ट्रायल ट्रेन का परिचालन कराया गया। बताते चलें कि उक्त हाई स्पीड ट्रेन के परिचालन से संबंधित सतर्कता को लेकर हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन में स्टेशन अधीक्षक कार्यालय से सुबह से ही ध्वनि विस्तारक यंत्र द्वारा रेल यात्रियों को रेलवे पटरी से दूरी बनाकर रहने की सूचना दी जाने लगी। वहीं पास पड़ोस के लोगों को भी इससे सतर्कता बरतते हुए अपने मवेशियों को रेलवे पटरी की ओर नहीं जान देने के लिए सतर्क किया जाने लगा। जिससे कि किसी संभावित खतरा से बचा जा सके। वहीं लगभग पौने दो बजे आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी विश्वनाथ कुमार, स्टेशन सुपरिटेंडेंट राजेश कुमार लाल, स्टेशन मास्टर सुधीर कुमार, आरपीएफ के मेजर दारोगा सिंह सहित अन्य संबंधित कर्मी सुरक्षा के दृष्टिकोण से रेलवे प्लेटफार्म पर तैनात रहे। दोपहर 1:50 बजे हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन में उक्त ट्रेन धनबाद की ओर निकली। चार डिब्बे से युक्त उक्त स्पीड ट्रायल ट्रेन पलक झपकते ही हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन से निकल गई। स्पीड ट्रायल ट्रेन को देखने के लिए दर्जनों लोग स्टेशन परिसर में मौजूद थे।

गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई : उप विकास आयुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम ने जिले के अधिकारियों को चेतावनी दी है कि वे विकास कार्यों की गुणवत्ता का ध्यान रखें। गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं करानेवाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीडीसी समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को जिला योजना, विशेष केंद्रीय सहायता, डीएमएफटी, अन्य वर्क्स एजेंसियाँ, जिला अनाबद्ध निधि, नीति आयोग एवं प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन योजना के अंतर्गत स्वीकृत एवं क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों और एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान योजनाओं की प्रगति, व्यय की स्थिति एवं कार्यान्वयन की गुणवत्ता की समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाएं निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण की जाएं। उन्होंने कार्य में लापरवाही नही बरतने एवं कार्य गुणवत्तापूर्ण सम्पन्न कराने को कहा। गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि सभी योजनाओं की जमीनी स्थिति का नियमित निरीक्षण किया जाए और अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। वहीं कार्य पूर्ण होने के पश्चात ससमय हैंड ओवर करने सहित उपयोगिता प्रमाणपत्र एवं अन्य दस्तावेज जमा करने को कहा गया। बैठक में सिविल सर्जन, जिला योजना पदाधिकारी, जिला अभियंता, विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता और संबंधित विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सेवानिवृत पंचायत सचिव आनंद महतो को दी गई सम्मान पूर्वक विदाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : शुक्रवार को कुकडू प्रखंड कार्यालय सभागार में कुकडू बीडीओ राजश्री ललिता बाखला की अध्यक्षता में समारोह का आयोजन कर सेवानिवृत पंचायत सचिव आनंद महतो को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस दौरान कुकडू अंचल अधिकारी सत्येंद्र नारायण पासवान भी मौजूद रहे। विदाई समारोह में कार्यालय के कर्मियों ने सेवानिवृत पंचायत सचिव आनंद महतो को अंग वस्त्र, शाल और छाता देकर उन्हें फूल माला देकर सम्मानित किया। बीडीओ राजश्री ललिता बाखला ने कहा नौकरी में तबादला और सेवानिवृत प्रक्रिया है। जिससे हर नौकरी करने वाले को गुजरना पड़ता है। वहीं उन्होंने कहा कि नौकरी की अंतिम सीढ़ी सेवानिवृति होती है। उन्होंने पंचायत सचिव आनंद महतो के दीघार्यु होने की कामना भी किया। कुकडू सीओ सत्येंद्र नारायण पासवान ने कहा कि पंचायत सचिव के रुप में आनंद महतो ने अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक किया। उन्होंने कहा कि नौकरी करने वाले का विदाई एक जुदाई का एहसास कराता है। जिससे दुःख होता है। सम्मान से अभिभूत पंचायत सचिव ने कहा नौकरी के दौरान उन्हें पदाधिकारियों एवं कर्मियों का भरपूर सहयोग मिला। पंचायत सचिव 31मार्च 2025 को सेवानिवृत हुए थे। नौकरी के दौरान पंचायत सचिव प्रखंड प्रभारी कल्याण पदाधिकारी, प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, बीपीआरओ के पद पर भी कार्य किए थे। विदाई समारोह में बीपीओ रामलगन उरांव, जेई भोलानाथ महतो, जेई तुलसी कालिंदी, धनराज महतो, धरनी प्रमाणिक आदि अंचल और प्रखंड कर्मी मौजूद थे।

भगवान श्री राम की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : शुक्रवार के दिन रामनवमी से पूर्व भगवान श्री राम की शोभायात्रा ग्राम विकास स्कूल के समीप से संध्या 4 बजे निकाली गई। शोभा यात्रा से पूर्व राम भक्तों ने ए टाइप रेलवे कॉलोनी हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा पाठ कर जयकारे के साथ शोभायात्रा निकाला। शोभा यात्रा को सफल बनाने के लिए राम भक्तों ने पूर्व से ही ग्रामीण इलाकों में जनसंपर्क कर रहे थे। शोभा यात्रा में राम भक्त श्री राम के ध्वज के संग जय श्री राम, हर हर महादेव और जय हनुमान के जयकारों के साथ नाचते गाते चल रहे थे। यात्रा की अगुवाई समाजसेवी और प्रबुद्ध जनों ने की। शोभा यात्रा में भक्ति वेदांत गुरुकुल कुटाम की मंडली के द्वारा भजन कीर्तन किया जा रहा था जो आकर्षण का बिंदु रहा। यात्रा में सड़कों पर श्रद्धालुओं की हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। जय श्री राम की जय घोष से सिल्ली मुरी कस्बा की गलियां गूंज उठी। राम भक्तों ने शोभायात्रा में अपनी सहभागिता निभाई। शोभा यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। शोभा यात्रा सिल्ली बाजार, झारखंड मोड़,बड़ामुरी चौक, रेलवे बाजार छोटा मुरी होते हुए ए टाइप हनुमान मंदिर पहुंचा जहाँ राम भक्तों के द्वारा समापन किया गया। शोभा यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे साथ ही कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सिल्ली और मुरी पुलिस के द्वारा चौक चौराहों पर पुलिस के जवानों की तैनाती की गई थी।

शहीद दिलीप कुमार बेदीया की मनाई गई पुण्यतिथि

सिल्ली : सिल्ली के गेडबीर में शुक्रवार को शहीद दिलीप कुमार बेदिया की पुण्य तिथि मनाई गई। गेडबीर चौक पर स्थिति दिलीप बेदिया के आदमकद प्रतिमा पर सैकड़ों लोगों ने माल्यार्पण किया। शहीद दिलीप बेदिया के पिता विजय बेदिया एवं माता कुसुमी देवी ने शहीद के प्रतिमा पर माल्यार्पण करके समारोह की शुरूआत की उसके बाद मुखिया हरिपद मांझी, सोमरा मांझी, अनिल मांझी, महेंद्र बेदिया सहित सभी लोगों ने भी श्रद्धा सुमन चढ़ाए। पूजा पाठ के बाद दो मिनट का मौन रखा गया। वक्ताओं ने कहा कि दिलीप बेदिया ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है यह हम सब के लिए गौरव का विषय है। इस मौके पर मालती कुमारी, सोनू बेदिया, जयद्रथ बेदिया, अर्जुन बेदिया, संजय कुमार, जलधर बेदिया, अवध किशोर बेदिया, सियाराम बेदिया, लालकू बेदिया, रामानंद बेदिया, लखीराम बेदिया सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

जिला अभियंता का कार्यालय, जिला परिषद, खूँटी
(अभियंत्रण शाखा)

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 22/2024-25 PR No- 343235 (District) 2024-25 (D) द्वारा प्रकाशित निविदा में महत्वपूर्ण तिथियों को निम्न प्रकार से संशोधित किया जाता है:-

क्र.		पूर्व में प्रकाशित तिथि	संशोधित तिथि
1	वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि	03.01.2025 अपराह्न 5:00 बजे	09.04.2025 अपराह्न 05:00 बजे
2	ई-वेबसाईट में निविदा डालने की अंतिम तिथि	13.01.2025 अपराह्ण 05:00 बजे तक।	16.04.2025 अपराह्ण 05:00 बजे तक।
3	ई- निविदा की परिमाण विपत्र एवं अग्रधन की राशि ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	13.01.2025 अपराह्ण 05:00 बजे तक।	16.04.2025 अपराह्ण 05:00 बजे तक।
4	ई- निविदा खोलने की तिथि	15.01.2025 अपराह्ण 04:00 बजे	19.04.2025 अपराह्ण 01:00 बजे तक।

निविदा सूचना की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगे।

ह०/-
जिला अभियंता, जिला परिषद, खूँटी

PR.NO.349676 District(25-26):D

कार्यालय :- जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हजारीबाग

अल्पकालीन इच्छा की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना तथा अन्य योजना अन्तर्गत जिला के विभिन्न जलाशय में अधिष्ठापित पुराने केजों में गोनोरोका तिलापिया, पंगेशियस एवं अन्य उपयुक्त मत्स्य बीज का संचयन कराया जाना है। तदनुसार मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची का पत्रांक 268 दिनांक 11.02.2025 में निहित शर्तों तथा भविष्य में प्राप्त राज्यादेश के अधीन पंगेशियस बीज उत्पादकों से पंगेशियस, गोनोरोका तिलापिया एवं अन्य मत्स्य बीज की आपूर्ति हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता से मुहर बंद लिफाफा में इच्छा की अभिव्यक्ति का आवेदन दिनांक 16.04.2025 समय मध्यान 12:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में जमा कर सकते है एवं उसी दिन अपराह्न 4:10 बजे उप विकास आयुक्त-सह-अध्यक्ष, हजारीबाग की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में समिति के समक्ष खोली जायेगी।

तकनीकी शर्तें :-

1. आपूर्तिकर्ता जी०एस०टी० निबंधित हो।
2. आपूर्तिकर्ता को अपने निजी खर्च पर स्वस्थ एवं जीवित अवस्था में अच्छे गुणवत्ता वाले पंगेशियस अथवा गोनोरोका तिलापिया बीज को केज स्थल तक पहुँचा कर आपूर्ति करना होगा।
3. आपूर्ति की जाने वाली पंगेशियस बीज प्रति किलोग्राम 500-600 पीस एवं गोनोरोका तिलापिया बीज प्रति किलोग्राम 2000 से 2500 पीस से अधिक संख्या की नहीं होनी चाहिए।
4. गोनोरोका तिलापिया की आपूर्ति हेतु भारत सरकार द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र संलग्न करना आवश्यक होगा।
5. पंगेशियस एवं मोनोसेक्स तिलापिया बीज का सरकारी दर 1.50/-रू० प्रति पीस है (परिवहन सहित)।
6. चयनोपरांत पंगेशियस एवं गोनोरोका तिलापिया बीज का आपूर्ति नहीं किये जाने पर आपूर्तिकर्त्ता को काली सूची में नाम डाल दिया जायेगा।
7. आपूर्तिकर्ता का प्रस्ताव को रद्द करने का अधिकार बिना कारण बताये क्रय समिति के पास सुरक्षित रहेगा।

ह0/- जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हजारीबाग

PR 349701 (Fish)25-26*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 05/2025-26

1	विज्ञापन दाता का नाम	-	कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
2	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	-	12.04.2025 को अप0 12:00 बजे तक।
3	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	-	15.04.2025 के अप0 2:30 बजे तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	-	15.04.2025 के अप0 3:00 बजे से।
5	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	-	(i) अधीक्षण अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं-2, राँची का कार्यालय। (ii) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल सिमडेगा।
6	निविदा प्राप्ति का स्थान	-	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
7	कार्य विवरणी :-		

Sl. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	B.O.Q Cost	Time Of Completion
1	Renovation of Workshop Building in ITI College Simdega.	49,89,500.00	1,00,000.00	5,000.00	06 (Six) Months

निविदा की शर्तें- WWW.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल, सिमडेगा

PR 349714 Simdega (25-26)_D

संसार को रामकथा का सार समझना होगा

परसों यानी 06 अप्रैल को रामनवमी है। धार्मिक मान्यता है कि चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के दिन भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को रामनवमी का पर्व मनाया जाता है। इस त्योहार का देश ही नहीं दुनिया में रह रहे हिन्दुओं और रामभक्तों को बेसब्री से इंतजार रहता हैं। संसार के पालनहार भगवान विष्णु के सातवें अवतार प्रभु श्रीराम हैं। भगवान श्रीराम का आचरण त्याग व तपस्या का प्रतीक है। श्रीराम के चरित्र से सत्य, दया, करुणा, धर्म और मयार्दा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। विषम परिस्थितियों में भी किस तरह मानव को अपने जीवन को संचालित करना चाहिए यह समझने के लिए भगवान राम का चरित्र मार्गदर्शक है। विडंबना यह है कि हम नई पीढ़ी यह नहीं समझा पा रहे हैं। युवा पीढ़ी क्रोध और कुछ भी न सहने की क्षमता से ग्रसित है। इससे समाज का ताना-बाना छिन्न-भिन्न हो रहा है । वह खुलेपन के नाम पर नग्नता और बेशर्मी करने पर आमादा हैं। यह देखकर देश का भविष्य भी खतरे में लगने लगा है। श्रीराम और माता सीता के वनवास को लोग सिर्फ सुनते हैं लेकिन उसके पीछे का मर्म नहीं समझना चाहते। आजकल युवाओं को तो छोड़िए शादीशुदा दंपत्ति तक एक-दूसरे को दगा देने में लगे हुए हैं। बीते दिनों मेरठ में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। इस घटना के बाद ऐसी खबरों का आना लगातार जारी है। सौ टके का सवाल यह है कि क्या हम अपनी युवा पीढ़ी को भगवान, देवी-देवताओं और संतों के संदेश समझाने में इतने विफल हो चुके हैं कि वह अपने जीवन को संभाल नहीं पा रहे।

धर्म और अध्यात्म को लेकर जितना प्रचार-प्रसार हो रहा है क्या उसका एक प्रतिशत भी लोग अपने जीवन में उतार पा रहे हैं। शायद नहीं। इसका परिणाम यह हो रहा है कि हम ऐसे अंधकार की ओर बढ़ रहे है जहां केवल रुसवाई है। मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि बच्चों को धर्म से जोड़ें और उसका पालन करना सिखाएं। आज के हाईटेक दौर में मस्तिष्क में ठहराव नाम की चीज खत्म होती जा रही है। इससे लोगों में सहने की क्षमता कम हो गई और युवा आक्रोश में आकर गलत निर्णय ले लेते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में सबसे ज्यादा डिप्रेशन के मरीज बढ़े हैं जिसका कारण यहां अव्यवस्था बताई जा रही है। अव्यवस्था से अभिप्राय यह है कि युवा तरक्की के दौड़ में भागते हैं और धर्म, ज्ञान व संस्कार अर्जित करने के लिए के उनके पास समय नहीं होता। वह विफल होने पर डिप्रेशन में चले जाते हैं। इस वजह से किसी भी घटना व रिश्तों को समझ नहीं पाते। भारत में डिप्रेशन के मरीजों की संख्या कई कारणों से बढ़ने कारण तेज भागदौड़ भरी जिंदगी, मानसिक तनाव, काम का दबाव, सामाजिक और आर्थिक बदलाव, अकेलापन और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी वजह भी है।

लेंसेट की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 19.73 करोड़ लोग विभिन्न तरह की मानसिक समस्याओं से ग्रस्त हैं। इनमें 5 करोड़ लोग डिप्रेशन और 6 करोड़ लोग तनाव से ग्रसित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि स्ट्रेस या तनाव का दायरा इस आंकड़े से कहीं ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक तनाव और डिप्रेशन से परेशान रहने वाले ज्यादातर लोग वे शहरी युवा होते हैं जो कॉरपोरेट जगत में काम करते हैं। इस कारण 1990 के बाद भारत में सभी तरह के मानसिक बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। चिंता की बात यह है कि अधिकांश लोग तनाव और अवसाद को गंभीरता से नहीं लेते। उन्हें लगता ही नहीं कि यह कोई बीमारी है। एक्सपर्ट का कहना है कि जिस तरह शरीर की बीमारियां होती हैं, उसी तरह मन की भी बीमारियां होती हैं। मन की बीमारियां जीवन की गुणवत्ता को बहुत खराब कर देती हैं। यदि महानगरों के संदर्भ में एक घटना से समझें तो बहुत कुछ समझ में आ जाएगा। यदि दो वाहनों की आपस में छोटी सी टक्कर भी हो जाती है तो वह एक-दूसरे पर इस तरह से लड़ते हैं मानो उन्होंने आपस में जायदाद छीन ली हो। पार्किंग विवाद में मर्डर तक कर देते हैं। ऐसी घटनाओं से यह तो तय हो जाता है कि मानव जीवन पर संकट का स्तर बहुत बड़ा होता जा रहा है।

सूडोकु नवताल- 7391

★★★☆☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7390 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

वक्फ संशोधन बिल : भारत की संपत्तियों का स्वाधीनता दिवस

विनोद बंसल

30 मार्च को वर्ष प्रतिपदा और वित्तीय वर्ष 2025-26 का प्रारंभ होते ही देश की संसद ने एक ऐसा कानून पारित कर दिया जिसे यदि भारत की संपत्तियों का स्वाधीनता दिवस कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 का उद्देश्य वक्फ अधिनियम, 1995 व 2013 में संशोधन कर वक्फ संपत्तियों के विनियमन और प्रबंधन में आने वाली समस्याओं और चुनौतियों का समाधान कर वक्फ संपत्तियों के प्रशासन और प्रबंधन में सुधार लाना है। अब ये विधेयक संसद के दोनों सदनों ने पारित कर दिया है। इस कानून में संशोधन कानून की जड़ में विश्व हिन्दू परिषद् द्वारा देश की संपत्तियों को कट्टरपंथी जमात के अवैध कब्जे से रोकने के प्रति उसके 30 वर्ष की सतत साधना का भी एक महत्वपूर्ण योगदान है। यह साधना क्या है और कैसे 123 की मुक्ति का यह अभियान देश की करोड़ों संपत्तियों को स्वाधीन कर गया, यह जानना जरूरी है।

एक शताब्दी पूर्व सरकार द्वारा अधिगृहित सम्पत्तियों का भूस्वामी, स्वयं सरकार द्वारा क्षणभर में बदल दिया जाएगा, कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। तत्कालीन यूपीए की केन्द्र सरकार ने सोचा कि सौ वर्षों से ज्यादा पुराना विवाद 3 मार्च 2014 को जल्दी में बुलाई गई केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की बैठक के माध्यम से सुलझा लिया जाएगा। इसी दिन दिल्ली के अति-महत्त्वपूर्ण स्थानों की 123 भू-सम्पत्तियों को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) व सरकार के लैण्ड एण्ड डेवलपमेंट ऑफिस (एलएनडीओ) के कब्जे से छुड़ा कर दिल्ली वक्फ बोर्ड को सौंप दिया गया था।

महत्वपूर्ण बात यह है कि इस संबन्ध में सरकारी अधिसूचना या गजट नोटीफिकेशन 5 मार्च 2014 को ठीक उसी दिन जारी हुआ जिस दिन चुनाव आयोग ने देश की 16वीं लोकसभा के चुनाव की घोषणा की। इनमें से कई सम्पत्तियाँ अति सुरक्षा वाले उप राष्ट्रपति भवन के साथ-साथ राजधानी के बेहद संवेदनशील क्षेत्रों में भी हैं। इन सभी सम्पत्तियों के सम्बन्ध में गत 40 वर्षों से अधिक समय से विविध न्यायालयों में वाद चल रहे थे किन्तु वोटों की बिसात आखिर क्या-क्या गुल खिलाती है, किसी से छिपा नहीं है। मामले में थोड़ा और पीछे चलते हैं। बात वर्ष 1970 की है जब अचानक दिल्ली वक्फ बोर्ड ने एकतरफा निर्णय लेते हुए इन सभी सम्पत्तियों को एक नोटिफिकेशन जारी कर वक्फ संपत्तियाँ घोषित कर दिया। भारत सरकार ने इस मामले में तुरन्त हस्तक्षेप करते हुए इस निर्णय के विरुद्ध बोर्ड को प्रत्येक सम्पत्ति के लिए नोटिस जारी कर इन्हें वक्फ सम्पत्ति मानने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं, सरकार ने बोर्ड के विरुद्ध न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया और सभी 123 संपत्तियों के लिए 123 वाद न्यायालय में दायर किए। मसला यह था कि ये सभी संपत्तियाँ तत्कालीन भारत सरकार ने आजादी से पूर्व वर्ष 1911 से 1915 के दौरान उस समय अधिगृहित की थीं जब अंग्रेजों ने दिल्ली को पहली बार अपनी राजधानी बनाने का निर्णय किया था। बाद में इनमें से 62 को डीडीए को दे दिया था। अधिकांश संपत्तियाँ दिल्ली के कनॉट प्लेस, मथुरा रोड, लोधी कॉलोनी, मानसिंह रोड, पण्डारा रोड, अशोक रोड, जनपथ, संसद मार्ग, करोलबाग, सदर बाजार, दरियागंज व जंगपुरा जैसे वीवीआईपी क्षेत्रों में स्थित हैं जिनका मूल्य व महत्त्व आसानी से समझा जा सकता है, जो आज अरबों-खरबों में है।

वर्ष 1974 में भारत सरकार ने एक हाईपावर कमेटी का गठन कर इन सम्पत्तियों से जुड़े मामले का अध्ययन कर उसे रिपोर्ट देने का निर्णय लिया। किन्तु सरकार ने जिन्हें इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया वे एसएमएच वर्नी, पहले ही वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष थे। जिससे कमेटी की निष्पक्षता पर पहले दिन से प्रश्नचिह्न लग गया। रिपोर्ट में इन्होंने स्वयं लिखा कि इस कमेटी को दो सम्पत्तियों में घुसने तक नहीं दिया गया जिनमें से एक उप-राष्ट्रपति भवन और दूसरी देश के अतिसंवेदनशील वायरलेस स्टेशन के अन्दर थी। इसके बावजूद जैसा कि पूर्व निर्धारित था, कमेटी ने इन सभी सम्पत्तियों को वक्फ सम्पत्तियाँ घोषित कर दिया। इसके बाद औपचारिकता पूरी करते हुए इंदिरा गांधी की तत्कालीन केंद्र सरकार ने उस वर्ष के आम चुनाव से ठीक पहले 27 मार्च 1984 को जारी ऑफिस आदेश संख्या J.20011/4/74.1-II के माध्यम से इन सभी संपत्तियों को एक रुपए प्रति एकड़ प्रति वर्ष के पट्टे पर वक्फ बोर्ड को देने का निर्णय कर लिया। विहिप ने देखा कि मुस्लिम तुष्टीकरण में आकंठ डूबी केंद सरकार मजहबी कट्टरपंथियों के समक्ष कैसे आत्मसमर्पण कर चुकी है और राजनैतिक दल इस पर अपनी चुप्पी साधे बैठे हैं। तब उसने जून 1984 में जनहित याचिका संख्या WP(C) 1512/1984 के माध्यम से दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने न सिर्फ सरकारी आदेश पर रोक संबन्धी स्थगन आदेश पारित किया बल्कि सरकार से बार-बार पूछा कि क्या सरकार की कोई ऐसी नीति है कि वह किसी मजहब विशेष को अपनी मजहबी मान्यताओं की पूर्ति हेतु कोई संपत्ति पट्टे पर दे सके। किन्तु, सरकार के पास ऐसी कोई नीति नहीं थी इसलिए कोई संतोषजनक जवाब भी नहीं आया।

दिनांक 26 अगस्त 2010 को भारत के तत्कालीन अतिरिक्त महाधिवक्ता पराग पी त्रिपाठी न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए और कहा कि सरकार चार सप्ताह के अन्दर इस संबन्ध में कोई नीतिगत निर्णय लेकर सूचित करेगी। किन्तु, चार सप्ताह की बात तो दूर पूरा वर्ष 2010 बीत जाने पर भी जब सरकार नहीं लौटी तो 27 वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद 12 जनवरी 2011 को उच्च न्यायालय ने विहिप, दिल्ली की याचिका का निस्तारण यह कहकर कर दिया गया कि भारत सरकार इस मसले पर पुनर्विचार कर छह माह के अन्दर निर्णय ले और तब तक न्यायालय का स्थगन आदेश जारी रहेगा।

जिस मसले के समाधान के लिए माननीय उच्च न्यायालय बार-बार कह कर थक गया किन्तु सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंगी, चुनावी डंके की चोट कानों में पड़ता देख आनन-फानन में यूपीए-2 की मनमोहन सिंह की सरकार की अन्तिम कैबिनेट बैठक में एक बार फिर इन सभी 123 सम्पत्तियों को वक्फ बोर्ड को देने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया। इतना ही नहीं, इस अफरातफरी में सरकार शायद यह भूल गई कि इस संबन्ध में भारत राजपत्र संख्या 566 व कार्यालय आदेश संख्या 661(ए) ठीक उसी दिन (यानी 5 मार्च 2014) जारी कर दिया गया, जिस दिन आम चुनाव की घोषणा भारत के चुनाव आयोग ने की थी। तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने पहले तो 1995 के वक्फ कानून में वर्ष 2013 में खतरनाक संशोधन किए और फिर उसी को ढाल बना कर सौ वर्ष से अधिक पुरानी सम्पत्तियों को चुनावी वोटबैंक की भेंट चढ़ा दिया था। किन्तु, विहिप यहाँ भी कहाँ हार मानने वाली थी। वह इस निर्णय के विरुद्ध सरकार द्वारा मॉडल कोड ऑफ कन्डक्ट के गंभीर उल्लंघन की शिकायत लेकर चुनाव आयोग पहुँच गया। यहाँ चुनाव आयोग के सरकार का वह आदेश निरस्त कर केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई।

चुनावों में सत्ताधारी दल करारी हार के बाद जनता की गाढ़ी कमाई से अर्जित संपत्तियों को यूँ फ्री में मुस्लिम वक्फ बोर्ड को दिए जाने के विरुद्ध इन्द्रप्रस्थ विश्व हिन्दू परिषद् एक बार फिर उच्च न्यायालय की शरण में पहुंचा और केंद्र में सत्ता परिवर्तन के बाद माननीय न्यायाधीश ने मामले को नई सरकार के समक्ष रखने का आदेश जारी कर दिया। उसके बाद विहिप का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मण्डल केंद्र सरकार से मिला जिसके बाद सरकार ने सभी संपत्तियों का सर्वे कराकर सभी संबंधित पक्षकारों को बुलाया और इन संपत्तियों का कब्जा अपने हाथ ले लिया।

जब यह 123 संपत्तियों का विवाद और उससे जुड़ी मुस्लिम तुष्टीकरण की सरकारी नीति को विहिप जनता के बीच ले गई तो जनता को भी लगा कि कहीं न कहीं हमारी व्यक्तिगत, सामाजिक व धार्मिक संपत्तियों को भी तो वक्फ बोर्ड हड़प रहा है। इसके बाद देशभर में वक्फ के नाम पर हो रही अंधेरगर्दी और विधिक भू स्वामियों के अनवरत उत्पीड़न के समाचारों की बाढ़-सी आ गई। पीड़ित पक्षकार जागने लगे और उन्हें भी लगा कि शायद हमारी संपत्तियाँ भी वक्फ बोर्ड के अनधिकृत कब्जे से मुक्त हो जाएं। किन्तु वक्फ अधिनियम में 2013 के संशोधन उनकी राह के रोड़े थे। बात चाहे तमिलनाडु के थिरुचेंथुरई गांव के एक किसान की जमीन की हो या बिहार के गोविंदपुर गांव में बिहार सुन्नी वक्फ बोर्ड द्वारा पूरे एक गांव पर दावे की हो, केरल के एनार्कुलम जिले के लगभग 600 ईसाई परिवारों की अपनी पुश्तैनी जमीन की हो या कर्नाटक के विजयपुरा में 15,000 एकड़ जमीन को वक्फ भूमि के रूप में नामित किए जाना हो या फिर हजारों सरकारी संपत्तियों को वक्फ घोषित करने के बात हो।

कहना होगा कि देशभर में वक्फ बोर्ड एक ऐसा भस्मासुर बन चुका था जो किसी भी संपत्ति पर हाथ रख देता था वह उसी पल उसकी हो जाती थी। किन्तु, पीड़ित पक्षकार उसके विरुद्ध न्यायालय का दरवाजा तक नहीं खटखटा सकता था। पुलिस शासन व प्रशासन सब असहाय थे। 1995 तथा 2013 के वक्फ संशोधनों के माध्यम से उसे इतने असीमित अधिकार दे दिए गए थे जो अभी भारत के प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति के पास भी नहीं हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की तो हजारों संपत्तियों को तो इसने पहले से ही घेरा हुआ है। और तो और, महाकुंभ के पावन अवसर पर प्रयागराज में त्रिवेणी के पावन तट, संसद भवन, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा जैसे देश के अनेक आस्था, विश्वास व गौरव के केंद्र, स्मारक व प्रमुख स्थानों को भी कट्टरपंथी उलेमा व मौलवी अपनी वक्फ संपत्ति बताने लगे थे। विहिप ने इन सबके विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद कर सरकारों को चेताया।

वक्फ विधेयक : केंद्र की अग्नि परीक्षा बाकी

श्रीयम त्रिपाठी

वक्फ विधेयक एक ऐसा विधेयक है, जो अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए बना था। लेकिन समय-समय पर घटित राजनीतिक घटनाक्रम और वोट बैंक की राजनीति ने इस बिल को इतना विकृत कर दिया कि यह चंद लोगों के स्वार्थ पूर्ति का यह माध्यम बनकर रह गया। उल्लेखनीय है कि 1947 में देश विभाजन के समय जो मुस्लिम पाकिस्तान चले गए थे और उनकी संपत्ति भारतीय क्षेत्र में रह गई थी, उसके समुचित देखभाल और रखरखाव के लिए एक संस्था बनाई गई थी। जिसका नाम रखा गया था वक्फ बोर्ड। इसका उद्देश्य था कि भारत छोड़ चुके मुसलमानों की संपत्ति से भारत में रह रहे मुसलमानों का कल्याण करना। इन जमीनों पर मदरसे, मस्जिद, विद्यालय, अस्पताल आदि बनाने की योजना थी। इस भूमि से होने वाले आय को अल्पसंख्यकों के कल्याण में ही खर्च किया जाना था। यह इसका मूल उद्देश्य था। लेकिन आजाद भारत में मुसलमानों को वोट बैंक बनाकर अपने जेब में रखने की उस समय जो राजनीतिक परंपरा शुरू हुई, वह कालांतर में वीभत्स रूप लेता गया। देश के शासक वर्ग का एक समूह जिसकी मानसिकता संकीर्ण थी, उसने इस वक्फ बोर्ड में समय-समय पर ऐसे प्रावधान जोड़ दिए जो अल्पसंख्यकों का हित तो करने से रहा, "बहुसंख्यकों के लिए घातक" बन बैठा। ऐसे में स्वभाविक है कि विरोध के स्वर उभरने तय थे।

दूसरी ओर जिनके लिए इस वक़्फ बोर्ड का गठन किया गया था, वे भी हाशिए पर रह गए। हुआ ऐसा कि वक्फ बोर्ड में ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार की तूती बोलने लगी। वक्फ बोर्ड के करोड़ों की जमीनों पर बोर्ड के ही चंद लोगों का कब्जा हो गया। बोर्ड की जमीन पर निजी मेडिकल कॉलेज खोल दिए गए, मार्केट कंपलेक्स बना दिए गए, बड़े-बड़े अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान बना दिए गए लेकिन ये तमाम निजी बने। इसे व्यक्तिगत संपत्ति बना दिया गया, और जमीन के भाड़े के नाम पर वक्फ बोर्ड के खजाने में चंद सिक्के थमा दिए गए। इससे न तो पिछड़े मुसलमानों का भला हुआ और ना ही राष्ट्र का। वक्फ की तमाम संपत्ति पर बोर्ड के मठाधीशों का कब्जा हो गया। हां, अपवाद में कुछ ऐसे मामले हो सकते हैं जहां वक्फ की जमीन पर मजार, कब्रस्तान, मस्जिद, मदरसे आदि बनाए गए हैं।लेकिन उन मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों की ₹दशा और दिशा₹ क्या है यह नंगी आंखों से देखा जा सकता है।

वक्फ बोर्ड को सरकार की ओर से समय-समय पर दिए गए अप्रत्याशित अधिकारों ने बोर्ड को एक तरह से विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका के समानांतर अधिकार दे दिया गया। इसका घातक परिणाम सामने आना ही था। बात सिर्फ यही तक नहीं है। कालांतर में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों ने सरकारी संपत्तियों को भी वक्फ बोर्ड को उपहार के रूप में देना शुरू कर दिया। वर्तमान में हालात यह है कि देश में रेलवे और सेना के बाद सर्वाधिक भूमि वक्फ बोर्ड के पास है। आश्चर्य तो यह है कि वक्फ बोर्ड की इस तथाकथित संपत्ति में 95% तो ऐसी संपत्तिया हैं, जिनका कोई दस्तावेज वक्फ बोर्ड के पास है ही नहीं। लेकिन बोर्ड का दावा है कि यह वक्फ की संपत्ति है। भारत सरकार का संसद भवन इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। वक्फ बोर्ड का दावा है कि संसद भवन भी वक्फ की जमीन पर ही बना है।

यह ऐसे ही नहीं हुआ, मालूम हो कि वक्फ बोर्ड को यह संवैधानिक अधिकार दिया जा चुका था कि वह जिस भी संपत्ति को अपनी संपत्ति घोषित करेगी, वह वक्फ बोर्ड की ही मानी जाएगी। इसके खिलाफ स्थानीय स्तर के न्यायालयों में कोई मुकदमा नहीं हो सकता। उदाहरण स्वरूप अगर किसी की पुश्तैनी निजी संपत्ति जो कई पीढियां से उसके कब्जे में है, उसे वक्फ बोर्ड अगर वक्फ की संपत्ति कह देता है तो वास्तविक जमीन मलिक को वक्फ के ही ट्रिब्यूनल में जाकर अपना पक्ष रखना पड़ेगा। वहां भी ऐसा कानून है की जमीन मालिक को ही अपनी जमीन साबित करनी होगी, वक्फ को नहीं। वक्फ ने कह दिया तो वह वक्फ बोर्ड का हो गया। हाल के वर्षों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां कई सदियों पूर्व के बसे हिंदू गांव, मठ, मंदिर पर वक्फ ने अपना बताकर दावा कर दिया है। ऐसे सरकारी भवनों की तो लंबी श्रृंखला है। जिस पर वक़्फ बोर्ड अपना दावा करता है। ऐसे में बहुसंख्यकों के विरोध के स्वर उभरते ही थे। केंद्र में सत्ता परिवर्तन के बाद जब बहुसंख्यक मुखर होकर वक्फ का विरोध करना शुरू कर दिए, तो केंद्र सरकार की आंख खुली और वक्फ बोर्ड के नाम पर चल रही गतिविधियों पर केंद्र सरकार का ध्यान गया, क्योंकि अब तक के वक्फ बोर्ड से अल्पसंख्यकों के बड़े तबके को भी कोई लाभ नहीं मिल रहा था और दूसरी ओर बहुसंख्यक भी प्रताड़ित हो रहे थे। इसलिए केंद्र सरकार ने इसे एक अच्छा अवसर माना और "वक्फ संशोधन विधेयक 2024" नाम का एक नया बिल बना दिया। यह संशोधन विधेयक लोकसभा और राज्यसभा में पारित भी हो गया है। अब इस पर सिर्फ राष्ट्रपति का रबर स्टैंप लगना भर बाकी है। कुल मिलाकर इस नए बिल को बहुत जल्द वैधानिक मान्यता मिल जाएगी।

अब इस नए बिल में पुराने वक्फ बोर्ड की शहंशाही पर काफी हद तक लगाम लगा दिया गया है। ऐसे में वे मठाधीश जो अब तक इस बोर्ड का दोहन कर रहे थे, वह तिलमिला उठे हैं। कोई सड़क पर निपटने की बात कह रहा है, तो कोई बिल के खिलाफ कोर्ट जाने की धमकी दे रहा है। कुछ ऐसे तत्व भी हैं जो एक जमात की कान में विष घोल रहे हैं। उन्हें यह समझाया जा रहा है कि सरकार ने वक्फ बोर्ड पर कब्जा कर लिया है। अब मस्जिद, मदरसे, कब्रिस्तान छीन जाएंगे। ऐसे में ताजा घटनाक्रम में विधि-व्यवस्था के हालात क्या होंगे, यह तो समय के गर्त में है, लेकिन यह तो तय है कि नए संशोधित विधेयक के कानून बनने से अल्पसंख्यकों का बड़ा तबका लाभान्वित होगा। बहुसंख्यक वर्ग के जेहन में बसा वक्फ बोर्ड का भूत भी शांत होगा और देश के बहुत बड़े भू-भाग का सदुपयोग भी होगा।हां, यह अलग बात है कि वक्फ बोर्ड के चंद मठाधीश तिलमियाएंगे और इस बिल के खिलाफ कानूनी-गैर कानूनी हर हथकंडे अपनाएंगे जिससे सरकार व बहुसंख्यक वर्ग प्रभावित हो। इसलिए अब केंद्र सरकार को इन पहलुओं का भी ध्यान रखना होगा ताकि देश का विधि-व्यवस्था ना बिगड़े और इस संशोधन विधेयक का वास्तविक लाभ अल्पसंख्यकों तक पहुंचे।

स्वतंत्र पत्रकार

सवाल चलती ट्रेन से पटरी पर गिरे डॉग के जिंदा बचने का नहीं, नियमों की अनदेखी का है

डॉ. आरबी चौधरी

उत्तर प्रदेश के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेलवे स्टेशन (पुराना नाम झांसी रेलवे जंक्शन) पर पहली अप्रैल को 'जो हुआ, जैसा भी हुआ' उसे सारी दुनिया ने देखा। यह एक हृदयविदारक घटना है। गोल्डन रिट्रीवर नस्ल का एक पालतू डॉग प्लेटफार्म से आगे बढ़ रही चलती राजधानी एक्सप्रेस के दौरान गिर गया। सौभाग्य से यह डॉग जीवित बच गया। बावजूद इसके इस घटना ने पालतू डॉग के रेल से ले जाने के नियमों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस घटना के वायरल वीडियो में नीली टी-शर्ट और जींस पहने इस डॉग का मालिक उसे पट्टे से खींचते हुए दिल्ली जाने वाली सीएसएमटी-निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस में चढ़ाने की कोशिश करते हुए दिखाई दे रहा है। ट्रेन के गति पकड़ते ही डॉग प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच की खाई में गिर जाता है।

चमत्कारिक रूप से रेलवे अधिकारियों ने पुष्टि की कि डॉग जीवित है और उसे उसके परिवार से मिला दिया गया है। यह परिवार फर्स्ट क्लास एसी कोच में सफर कर रहा था। हालांकि, इस घटना ने व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया है और पालतू जानवरों के मालिकों की जवाबदेही और पशु कल्याण के बारे में सवाल उठाए हैं।

देश में पालतू जानवरों का स्वामित्व महत्वपूर्ण कानूनी और नैतिक जिम्मेदारियों के साथ आता है। विशेष रूप से पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पीसीए अधिनियम) के तहत। पीसीए अधिनियम की धारा 11 उन कार्यों को क्रूरता मानती है जो अनावश्यक दर्द या पीड़ा का कारण बनते हैं, जैसे कि एक पालतू डॉग को चलती ट्रेन जैसी खतरनाक स्थितियों में उजागर करना। इस मामले में, मालिक का डॉग को खींचने का निर्णय, बजाय उसे उठाने या सुरक्षित क्षण का इंतजार करने के उसके जीवन को खतरे में डालना जैसा रहा।

भारतीय रेलवे ने पालतू जानवरों की यात्रा के लिए विशिष्ट नियम बनाए हैं। इनका विवरण भारतीय रेलवे वाणिज्यिक मैनुअल में है। पालतू जानवरों को केवल प्रथम एसी या प्रथम श्रेणी के डिब्बों में अनुमति दी जाती है, बशर्ते उन्हें एक निजी कोच में बुक किया गया हो। यात्रा के दौरान, पालतू जानवरों को पट्टे पर या मानक के अनुसार केज में रखा जाना चाहिए और दुर्घटनाओं से बचने के लिए केवल तभी चढ़ने या उतरने की अनुमति है जब ट्रेन रुकी हो।

पीसीए अधिनियम के तहत स्थापित एडब्लूबीआई (1962 में पार्लियामेंट एक्ट के तहत स्थापित देश की हाई प्रोफाइल स्वायत्तशासी प्रतिष्ठान- एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया/ भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड) , रेलवे नियमों के पूरक दिशा-निर्देश तैयार करके पशु कल्याण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके दिशा-निर्देश अनिवार्य करते हैं कि मालिक मजबूत पट्टों या वाहकों का उपयोग करें। चलते वाहनों में चढ़ने की जल्दबाजी जैसी तनावपूर्ण स्थितियों से बचें और पानी पिलाने और आराम देने जैसी पालतू जानवरों की शारीरिक और भावनात्मक जरूरतों को पूरा करें।

दो अप्रैल तक इस व्यक्ति के खिलाफ किसी भी पुष्ट कानूनी कार्रवाई की सूचना नहीं मिली। रेलवे अधिकारियों ने दंडात्मक उपायों के बजाय डॉग के जीवित रहने पर जोर दिया। एडब्ल्यूआई ने अभी तक सार्वजनिक रूप से हस्तक्षेप नहीं किया है।

यह समय की मांग है कि एडब्लूबीआई और भारतीय रेलवे को पालतू जानवरों के मालिकों के लिए एक संक्षिप्त प्रमाणन अनिवार्य करना चाहिए, जिसमें यात्रा नियम और सुरक्षा प्रोटोकॉल शामिल हों। स्टेशन के कर्मचारियों को पालतू जानवरों के बोर्डिंग की निगरानी करने और वास्तविक समय में उल्लंघन करने वालों को दंडित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इस मामले में कानूनी कार्रवाई करने से एक मिसाल कायम हो सकती है, जो सार्वजनिक भावनाओं के अनुरूप हो। इससे पालतू जानवरों के एसी क्लास में बोर्डिंग जोन जैसे बुनियादी ढांचे में सुधार से जोखिम कम हो सकते हैं।

झांसी की घटना पालतू जानवरों की यात्रा सुरक्षा में व्यापक तौर पर एनिमल वेलफेयर की मौजूदा नीतियों और उसके फील्ड में प्रयोग से संबंधित मुद्दों को उजागर करती है। साथ ही यह घटना जीव जंतु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 में दर्शित पशु मालिक के कर्तव्यों को लेकर एनिमल वेलफेयर पॉलिसी की कमजोरी को सुधारने की गुहार लगा रही है। ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई निरीह पशु-पक्षी मानवीय लापरवाही का शिकार न हो।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

दैनिक पंचांग

5 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

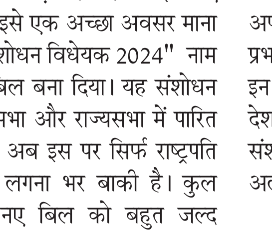

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.19 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृष	07.59 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.57 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.11 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.27 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.39 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.50 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.04 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.20 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		मकर	01.25 बजे से
		कुंभ	03.12 बजे से
		मीन	04.45 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 95 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 19.27 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 05.32 बजे प्रातः को समाप्त।
योग अतिगण्ड 20.03 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 07.45 बजे तदनन्तर बव 19.27 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 06.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 05'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872305
जूलियन दिन 2460770.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल **तारीख** 06
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से 07.23	बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10	बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42	बजे तक
रोग	08.51 से 10.19	बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46	बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47	बजे तक
चर	11.46 से 01.14	बजे तक	चर	11.47 से 01.19	बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42	बजे तक	रोग	01.19 से 02.51	बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10	बजे तक	काल	02.51 से 04.23	बजे तक
काल	04.10 से 05.37	बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

महावीरी झंडा और माता की चुनरी बना महिला बनी स्वावलंबी, बाजारों में रहता है डिमांड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : त्रेता युग में वीर हनुमान जी प्रभु श्री राम जी के सारथी बने थे। जिससे रावण के खिलाफ युद्ध में उन्होंने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हनुमान जी की सेवा और समर्पण से प्रसन्न होकर प्रभु श्री राम ने उन्हें अमरता का वरदान दिया था। हनुमान जी को कलयुग के जागृत देवता के रूप में माना जाता है। मान्यता है कि हनुमान जी आज भी धरती पर एकांतवास में निवास करते हैं और भक्तों की संकट को दूर करते हैं। इसी तरह का एक मामला कोडरमा में भी सामने आया है जहां हनुमान जी पिछले 18 वर्षों से एक महिला की सारथी बन उनके संकट को दूर कर उन्हें एक बेहतर ज़िंदगी दी है। बेटी के जन्म के बाद पति ने छोड़ दिया साथमाता की चुनरी और महावीर झंडा बनी सारथी रामनवमी के दौरान महावीरी झंडा की मांग बढ़ जाती है इस दौरान अलग-अलग धार्मिक आयोजन में महावीरी झंडा का इस्तेमाल होता है। झुमरी तिलैया के ताराटांड़ निवासी अंजू देवी ने बताया कि वर्ष 2006 में बेटी की जन्म के बाद पति ने उन्हें छोड़ दिया। इस मुश्किल दौर में उन्होंने अपने हुनर के बल पर बेटी को बेहतर परवरिश देने का मन बनाया। इसके बाद उन्होंने खुद का कारोबार शुरू किया। किराए के मकान में छोटी सी जगह में उन्होंने महावीरी झंडा और माता की चुनरी सिलाई का काम शुरू किया। अंजू ने बताया कि उन्होंने अपने काम में कुछ जरूरतमंद महिलाओं को भी जोड़ा और उन्हें भी रोजगार उपलब्ध कराया।

कोडरमा के अगल-बगल इलाकों में भी बेहतर डिमांड

अंजू ने बताया कि रामनवमी के 6 महीने पहले से वह अलग-अलग आकर के महावीरी झंडा तैयार करने में जुट जाती हैं। बाकी के 6 महीने वह चुनरी सिलाई का काम करती हैं। उन्होंने बताया कि पांच महिलाओं के साथ मिलकर प्रतिदिन 500-600 महावीरी झंडा उनके द्वारा तैयार किया जा रहा है। जिसकी बाजार में कीमत 5 रुपए से लेकर 2 हजार रुपए तक है। उन्होंने बताया कि घर पर तैयार झंडे दुकानदार घर से आकर ले जाते हैं। इसकी सप्लाई कोडरमा के अलावे डोमचांच, गिरिडीह, बरही, चौपारण आदि इलाके में हो रही है। किराए के कमरे में रहकर वह महीने का कई हजार रुपए का कारोबार कर रही हैं।

रामनवमी को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण ढंग मनाये जाने को लेकर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की ओर से कोडरमा के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया। अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में डोमचांच बाजार, बगडो, मसमोहना, कोडरमा बाजार से जलवाबाद, शिवसागर समेत अन्य स्थानों में फ्लैग मार्च निकाला गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी से शांतिपूर्ण व सौहार्द्र तरीके से रामनवमी मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन नागरिक सुविधाओं की बेहतरी का ध्यान रखेगी, लोग संयमित एवं अनुशासित तरीके से पर्व-त्योहार मनायें। जुलूस में चलते समय शराब या किसी अन्य मादक पदार्थ का सेवन कर के कोई व्यक्ति शामिल नहीं हो इसका ध्यान रखेंगे। डीजे पर पूर्णतया पाबंदी रहेगी। जिला प्रशासन सोशल मीडिया पर सख्त निगरानी रखेगी, सावधानी से सोशल मीडिया का उपयोग करें, किसी तरह के अफवाहों पर ध्यान नहीं दें, भ्रामक एवं अपुष्ट खबरों का सत्यापन प्रशासन से जरूर करा लें। तय रूट पर ही जुलूस निकालेंगे। ड्रोन और विडियोग्राफी के माध्यम से असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जायेगी। आपसी सौहार्द्र और त्योहार के शांति व्यवस्था को बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा का होगा आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा का आयोजन शुक्रवार को झुमरी तिलैया के मॉडर्न पब्लिक स्कूल और डीएवी पब्लिक स्कूल में आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा का आयोजन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा किया जा रहा है, जिसमें लगभग 750 छात्र भाग लेंगे। इस परीक्षा के सफल आयोजन के लिए मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार को सिटी कोऑर्डिनेटर के रूप में नियुक्त किया गया है। इस परीक्षा के लिए मॉडर्न पब्लिक स्कूल में राहुल मिश्रा एवं डीएवी पब्लिक स्कूल में कृष्णा कुमार सिंह को सेंटर सुपरिंटेंडेंट नियुक्त किया गया है। उन्होंने परीक्षा प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है एवं सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सख्त अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, फ्रिस्किंग, और अनुशासन बनाए रखने के लिए पर्यवेक्षकों तथा पुलिस बलों की तैनाती की गई है। इसके अलावा, सभी परीक्षार्थियों को एडमिट कार्ड और पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लाने का निर्देश दिया गया है। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही, परीक्षार्थियों को सभी निदेर्शों का पालन करने और समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने की सलाह दी गई है।

तनिष्क का स्टोर शुरू, ग्राहकों की भीड़ ने क्षेत्र की बढ़ाई शोभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी ब्रांड और टाटा परिवार का एक सदस्य,तनिष्क ने तिलैया थाना के पास, रांची- पटना मेन रोड,झुमरी तिलैया में अपना नया शानदार स्टोर शुरू करके अपने रिटेल विस्तार में महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। तनिष्क के रिटेल हेड सुनील राज और रीजनल बिजनेस मैनेजर मोनी शंकर सेनगुप्ता ने सुबह 11 बजे इस स्टोर का उद्घाटन किया। इस शानदार स्टोर के शुरू होने की खुशी को अपने उपभोक्ताओं के साथ बांटने के लिए ब्रांड ने हर खरीदारी पर सोने के सिक्का निःशुल्क उपहार के रूप में देने की घोषणा की है। 4 अप्रैल से 6 अप्रैल 2025 तक इस आकर्षक ऑफर का लाभ उठाया जा सकता है। 6400 स्क्वायर फीट के स्टोर में प्लेन सोने,हीरे,कुंदन और पोल्की में बने तनिष्क के बेहद खूबसूरत डिजाइन्स की विशाल श्रेणी उपलब्ध है। महाराजाओं के दरबार,शाही महल और समृद्ध विरासत से प्रेरित होकर बनाया गया है तनिष्क का फेस्टिव कलेक्शन 'नव-रानी' यहां पेश किया गया है। प्राचीन समय की विरासत कलाकृतियों से प्रेरित होकर बनाया गया 'धरोहर' फेस्टिव कलेक्शन भी यहां हैं। आधुनिक भारतीय महिला की स्वतंत्र सोच, उनके व्यक्तित्व और कई पहलुओं वाले जीवन की खुशी मनाता हुआ 'अनबाउंड' कलेक्शन इस स्टोर में रखा गया है। आधुनिक भारतीय महिला की स्वतंत्र सोच, उनके व्यक्तित्व और कई पहलुओं से भरी ज़िन्दगी को सम्मानित करता हुआ दुर्लभ और बहुमूल्य हीरे,रंगीन जेमस्टोन्स का कलेक्शन 'टेल्स ऑफ मिस्टिक' राजस्थान के महलों और शहर की शिल्पकला से प्रेरित होकर बनाया गया है। इसके अलावा इस स्टोर में तनिष्क का वेडिंग ज्वेलरी सब-ब्रांड रिवाह के शानदार आभूषण भी खरीदे जा सकते हैं। रिवाह के आभूषण भारत के अलग-अलग क्षेत्रों की महिलाओं की फैशन पसंद के अनुरूप बनाए गए हैं। रिवाह बाय तनिष्क शादी के लिए आभूषणों की खरीदारी का वन-स्टॉप डेस्टिनेशन बना है।

पलक पासी ने जीता स्टूडेंट्स ऑफ द ईयर का खिताब एवं हरिम मिराल बनी स्कूल टॉपर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : असनाबाद में संचालित चाईल्ड प्रोग्रेसिव स्कूल में अध्यनरत विद्यार्थियों के वार्षिक परीक्षा परिणामफल कि घोषणा की गई। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ उद्धघाटनकर्ता डॉ. बीएनपी बर्णवाल पासवा कोडरमा जिला अध्यक्ष ने फीता काट कर किया और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश हसधार, विशिष्ठ अतिथि मोहम्मद गुलजार, फुलवारानी देवी दादी विद्यालय ट्रस्टी अध्यक्ष ताहिर हुसैन, प्रबंधक तौफीक हुसैन प्राचार्य हिना कौसार, ने मुख्यरूप से द्वीपप्रज्वलित कर किया वही कार्यक्रम का संचालन बॉबी रजक द्वारा किया गया। छात्राओं द्वारा स्वागतम गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए गए। विद्यालय परिवार ने बच्चों के वार्षिक परीक्षा सत्र 2024-25 के परिणामफल कि घोषणा सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से कि गई जिसमें कई अलग-अलग श्रेणियो में बच्चों को विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को पुरस्कृत किया गया। इन श्रेणियो में स्टूडेंट ऑफ द ईयर पलक पासी, स्कूल टॉपर हरिम मीराल, बेस्ट यूनिफॉर्म तलत,बेस्ट डिसिप्लिन काजी एलिजा, बेस्ट अटेंडेंस पलक पासी, बेस्ट सिंगर सानिया परवीन बेस्ट डांसर सूफिया, बेस्ट स्पोर्ट्स मिकाइल,बेस्ट एक्टिव स्टूडेंट आयात तौफीक तौफीक, बेस्ट एडरेबल स्टूडेंट एंमन, बेस्ट पेरेंट्स मेराज बेस्ट टीचर ऑफ द अमित कुमार एवं एक्सीलेंट टीचर अवार्ड से सभी टीचर्स को अतिथियों द्वारा सम्मानित दिया गया इसके साथ-साथ क्लास टॉपर कि श्रेणी में कक्षा नर्सरी से प्रथम मीराल, द्वितीय एंमन, तृतीय अलिशा, केजी-वन से प्रथम अयाना, द्वितीय महिता, तृतीय अलकमा, केजी-टू से प्रथम कार्तिक, द्वितीय उज्जवल, तृतीय अरसलान, कक्षा पहली से प्रथम अर्श, द्वितीय जायरह, मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

झारोटेफ के तत्वधान में ध्यानाकर्षण रैली का किया जा रहा है आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : झारखंड ऑफिसर्स, टीचर्स एण्ड एंप्लॉईज फेडरेशन के तत्वाधान में राज्य के सरकारी कर्मचारियों के ज्वलंत मांगों की पूर्ति हेतु आहूत आन्दोलन के प्रथम चरण, हस्ताक्षर महाअभियान की शानदार सफलता के उपरांत आंदोलन के द्वितीय चरण में राज्य अंतर्गत समस्त प्रखंडों में प्रखंड के समस्त राज्य कर्मियों द्वारा प्रखंड मुख्यालय में राज्य सरकार का उपर्युक्त मुद्दों के प्रति ध्यानाकर्षण रैली का आयोजन क्रमशः दिनांक 4 से 23 अप्रैल के मध्य किया जाएगा। उक्त ध्यानाकर्षण रैली के अंतर्गत राज्य के सभी प्रखंडों के कर्मचारी अपने न्यायोचित मांगों के निमित प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव, झारखंड सरकार को ज्ञापन सौंपेंगे ज्ञापन के साथ कर्मचारियों के हस्ताक्षर की प्रति भी अनुलग्न होगा। संगठन के प्राथमिक मांगों के अंतर्गत अन्य राज्य कर्मियों की भांति शिक्षक संवर्ग को MACP का लाभ देने राज्य कर्मियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 62 वर्ष करने केंद्रीय कर्मचारियों की भांति राज्य कर्मियों को शिशु शिक्षण भत्ता प्रदान करने सहित 11 सूत्री मांग शामिल हैं। इस बावत झारोटेफ के प्रखंड अध्यक्ष, नारायण रजक ने कहा कि आन्दोलन के प्रथम चरण में उपरोक्त प्राथमिक मांगों को लेकर पूरे राज्य में हस्ताक्षर महाअभियान चलाया गया। जिसमें अभी तक 40 हजार से अधिक कर्मचारियों ने आन्दोलन के समर्थन में हस्ताक्षर करते हुए राज्य सरकार से इन मांगों को पूरा करने का आग्रह किया है। यह अपने आप में अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक है तथा किसी संगठन के द्वारा अब तक के सर्वाधिक संख्या में हस्ताक्षर को दशार्ता है। इस ऐतिहासिक हस्ताक्षर महाअभियान की सफलता के लिए प्रखंड अध्यक्ष ने संगठन के समस्त प्राधिकारियों एवं सदस्यों का आभार प्रकट किया है। महासंघ के प्रखंड कोषाध्यक्ष अरुण कुमार ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2024 में झारखंड मुक्ति मोर्चा सहित अन्य सतारूढ़ दलों ने संगठन के मांग पत्र के अधिकांश मुद्दों को अपने घोषणा पत्र में भी सम्मिलित करते हुए इन्हें पूर्ण करने का वादा किया है। वर्तमान सरकार कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील है इसी सरकार के द्वारा पुरानी पेंशन व्यवस्था,शिशु देखभाल अवकाश एवं कैशलेस मेडिकल जैसे कई संवेदनशील एवं गंभीर मुद्दों का समाधान निकाला गया है। इसलिए कर्मचारियों की उम्मीदें मुख्यमंत्री से और बढ़ जाती है और उन्हें विश्वास है कि राज्य सरकार राज्य कर्मियों के न्यायोचित मांगों को शीघ्र पूरा करेगी। मौकर पर महबूब आलम, प्रवीण कुमार यादव, सुजीत कुमार, मनमोहन भारद्वाज, आदित्य चंद्र दिवाकर, रामअवतार कुमार,उच्च विद्यालय से अजय कुमार, जयप्रकाश पासवान, संजय कुमार रजक के साथ प्रखंड तथा अंचल के सभी कर्मी और अन्य विभाग के कर्मी शामिल हुए।

एक नजर

पूजा प्रबंध समिति के नेतृत्व में विभिन्न अखाड़ा समितयों की हुई बैठक

जयनगर : रामनवमी अखाड़ा जुलूस को लेकर शुक्रवार को स्थानीय दुर्गा मंदिर परिसर में पूजा प्रबंध समिति की नेतृत्व में विभिन्न अखाड़ा समितयों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में स्थानीय जयनगर के अलावे कटहाडीह, गोदखर, सांथ, इरगोबाद , ककरचोली ,नवादा, लोहाडंडा कंझीयाडीह ,पेठियाबागी सहित लगभग एक दर्जन से अधिक अखाड़ा समिति के लोग शामिल हुए। बैठक में पूजा प्रबंध समिति की ओर से सभी अखाड़ा समितियां को निर्धारित समय पर गाजे बाजे के साथ अखाड़ा जुलूस दुर्गा मंदिर प्रांगण में पहुंचने का अपील की। समिति अध्यक्ष राज नारायण सिंह ने कहा कि स्थानीय जयनगर दुर्गा मंदिर प्रांगण में 18 अखाड़ा समिति का जुलूस पहुंचता है जिसे लेकर पूजा प्रबंध समिति की ओर से सारी तैयारी की गई है उन्होंने कहा कि सभी अखाड़ा जुलूस दुर्गा मंदिर प्रांगण से एक साथ होकर जयनगर डोमचांच रोड होते हुए थाना पहुंचे और वहां हर समिति की ओर से अपने-अपने प्रदर्शन करेंगे। इसके पूर्व जुलूस में शामिल लोगों द्वारा दुर्गा मंदिर परिसर में भी लाठी डंडा व अस्त्र शास्त्र के साथ प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि जुलूस के दौरान किसी भी समिति के सदस्यों का जुलूस में शामिल द्वारा शराब का सेवन कर जुलूस में नहीं शामिल हो। बैठक का संचालन महासचिव सतीश पांडेय ने किया।

शांति समिति के उपाध्यक्ष बने सुनील सिंह

जयनगर : पूर्वी पंचायत भवन में शांति समिति का एक आवश्यक बैठक रखी गई जिसमें मुख्य रूप से बहुत लंबे समय से समिति में हिंदू समुदाय के तरफ से उपाध्यक्ष और सचिव पद रिक्त चला आ रहा था जिसको लेकर दिनांक 26/2/2025 को कन्या मध्य विद्यालय में दोनों समुदाय के आवाम के द्वारा सर्वसम्मति से तय किया गया था कि निष्क्रिय पदाधिकारियों को पद मुक्त करते हुए युवा और ऊजार्वान व्यक्तियों को चयन किया जाय इसी निमित हिंदू समुदाय के तरफ से आपसी समन्वय बनाकर चयन करना इस बैठक का मुख्य उद्देश्य था। इस बैठक का अध्यक्षता समिति के संरक्षक वीरेंद्र कुमार ने किया तथा संचालन समिति के महासचिव कैलाश प्रसाद के द्वारा किया गया। इस बैठक में सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष पद के लिए सुनील सिंह का नाम आया जिसका प्रस्तावक सुरेंद्र राणा ने किया और समर्थन पूरे हाउस से मिला तथा सचिव पद के लिए पप्पू सोनी का नाम आया जिसका प्रस्तावक शिव शंकर वर्णवाल ने किया और समर्थन पूरा हाउस के तरफ से किया गया। दोनों नव चयनित पदाधिकारी को शांति समिति की ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं दिया गया।

नवरात्र के महीने में लगता है भूत मेला

पलामू : भले ही भारत के नाम पूरे विश्व में डंका बज रहा है। लेकिन आज भी देश के कुछ इलाकों में अंधविश्वास कायम है। इसका उदाहरण डायन प्रथा है। डायन प्रथा हमारे समाज के लिए एक अभिशाप की तरह है। लोग जादू टोना और भूत-प्रेत में काफी विश्वास करते हैं। यही वजह है कि वे अंधविश्वास पड़ कर हत्या भी कर रहे हैं। यहां भूतों का मेला भी लगता है। पलामू जिले में दो बार नवरात्र के महीने में भूत मेला लगता है। जहां भूतों का मेला लगता है, उसी जगह पर पुलिस की तैनाती भी की जाती है। प्रशासन भी इस पर मौन रहता है। शायद परंपरा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन कोई कार्रवाई करने से बचता है। भूत मेला में भूत भगाने के साथ-साथ तंत्र-मंत्र और सिद्धियां भी प्राप्त की जाती है।

संक्षिप्त खबरें

बिहिप के द्वारा रामोत्सव मनाया गया

झुमरीतिलैया : विश्व हिंदू परिषद के झुमरी तिलैया नगर इकाई द्वारा गाँधी स्कूल रोड स्थित गैस गोदाम गली के मन्दिर मे रामोत्सव मनाया गया, जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अरबिंद एकघरा ने किया, जवकि संचालन नगर मंत्री बिनय सिन्हा ने किया,कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रांत समाजिक समरसता सह प्रमुख मनोज चंद्रवंशी ने रामोत्सव, हिंदू नववर्ष और नवरात्रा पर बधाईयां देते हुए सभी उपस्थित कार्यकर्ताओ को कहा कि हम सभी सनातनी को अपने देश, धर्म, हिंदुत्व,अपने माताएं - बहने, गंगा माता और गौ माता की रक्षा के लिए एकजुट होकर जाति-पाति, भेद-भाव, उच्च-नीच, अमीर-गरीब को त्याग कर एक मंच पर आकर एक साथ चलकर मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम के आदर्शो को अपनाकर चलना होगा,तभी हम सभी अपने आप को सुरक्षित मान सकेंगे! मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र भगवान भी अपने वनवास जाने के क्रम मे केवट,बंदर,माता शबरी के झूठे बैर को खाना, जामबंत आदि का सहारा लेकर ही विजय श्री पाएं,ठीक उसी प्रकार हम सभी को भी एक दूसरे का सहयोग लेकर ही आगे चलना होगा। इस कार्यकर्म के विशिष्ट अतिथि विभाग गौ रक्षा प्रमुख अजय कुमार वर्मा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि हम सभी को प्रभु श्री राम के दिखाये गए मार्गों पर चलना होगा,तभी हम सभी हिंदुस्थान को विश्वगुरु बनते देख पाएंगे।कार्यकर्म मे नगर सह मंत्री लाल बहादुर चौधरी,मातृशक्ति नगर संजोजिका प्रभा देवी,नगर विशेष संपर्क प्रमुख मनोज राणा,सुनीता देवी, मीना देवी,रंजु वर्णवाल, पिंकी देवी, संगीता पांडे,रूबी वर्णवाल, रेशमी वर्णवाल, करुणा देवी आदि मौजूद थे।

नगरखारा में सौहार्दपूर्ण रामनवमी के लिए बैठक आयोजित

कोडरमा : उत्क्रमित मध्य विद्यालय नगरखारा में शुक्रवार को हिंदू और मुस्लिम समुदाय के प्रमुख लोगों के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता अंचलाधिकारी हलधर प्रसाद सेठी ने की, जबकि संचालन कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने किया। बैठक में दोनों समुदायों ने आपसी भाईचारे के साथ रामनवमी जुलूस निकालने और सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताई। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई थी, जिससे तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। हालांकि, पिछले दो वर्षों से दोनों समुदाय आपसी सौहार्द के साथ त्योहार मना रहे हैं और किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। सीओ और थाना प्रभारी ने बैठक में उपस्थित लोगों को जिला प्रशासन के दिशानिदेर्शों का पालन करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर राजेंद्र साव, साजिद हुसैन लल्लू, मनोज कुमार झुन्नू, उमेश राम, संजय पासवान, गजेंद्र राम, विनोद विश्वकर्मा, राजू खान, फुन्नू खान, संतोष चंद्रवंशी, सीताराम भगत, राजू विश्वकर्मा, रंजीत विश्वकर्मा, राहुल कुमार, राजेश यादव, मंजीत सिंह, मो. मिस्टर समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

जयनगर में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास एवं 15वें वित्त से संबंधित हुई बैठक

जयनगर : प्रखंड सभागार में शुक्रवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार की अध्यक्षता में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं 15वें वित्त से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी पंचायतों के ग्राम रोजगार सेवक, पंचायत सचिव, आवास समन्वयक सुमित कुमार झा, प्रखंड समन्वयक विवेक कुमार एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी विकास कुमार सिंह उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि वर्ष 2023-24 के सभी अपूर्ण प्रधानमंत्री आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए एवं 2024-25 के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य किया जाए। साथ ही, बचे हुए प्रधानमंत्री आवास लाभार्थियों का शीघ्र पंजीकरण कराने के निर्देश दिए गए। मनरेगा के तहत प्रत्येक पंचायत में 10-10 एकड़ बागवानी एवं 5-5 नए कूप निर्माण की योजना को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, पूर्व में स्वीकृत योजनाओं को शीघ्र टक्र में पूर्ण करने पर भी जोर दिया गया। 15वें वित्त आयोग के तहत सभी पंचायतों को आवंटित बजट का कम से कम 85 प्रतिशत राशि व्यय करने के निर्देश दिए गए ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके। बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इन योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया गया, जिससे विकास कार्यों का सुचारू रूप से संचालन हो सके।

पुलिस प्रशासन द्वारा रामनवमी की तैयारी को लेकर मॉक ड्रिल एवं फ्लैग मार्च किया गया

कोडरमा : अनुदीप सिंह, भा०पु० से०, पुलिस अधीक्षक, कोडरमा द्वारा रामनवमी पर्व-2025 शांतिपूर्वक संपन्न कराने एवं पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारी/कर्मी को बागीटांड़ स्टेडियम में ब्रिफिंग किया गया। तत्पश्चात गठित सभी क्यू०आर०टी० एवं अन्य बल को मॉक ड्रिल का अभ्यास कराया गया। पुलिस अधीक्षक कोडरमा के निदेर्शानुसार परिचारी प्रवर विधान चन्द्र शर्मा द्वारा जवानों से आशु गैस फायरिंग आदि का अभ्यास कराया गया। मॉक ड्रिल के पश्चात पुलिस प्रशासन द्वारा अनुदीप सिंह, भा०पु०से०, कोडरमा, रिया सिंह, भा०प्र०से०, अनुमण्डल पदाधिकारी कोडरमा, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, कोडरमा, पुलिस उपाधीक्षक, कोडरमा एवं अन्य थाना प्रभारी, पुलिस निरीक्षक, परिचारी प्रवर आदि पदाधिकारी/कर्मी के साथ जिले के कोडरमा, तिलैया, चन्दवारा, डोमचांच, जयनगर आदि क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया। कोडरमा पुलिस प्रशासन द्वारा रामनवमी पर्व शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने हेतु आम लोगो से अपील किया गया।

एक नजर

नाबालिग ने दुपट्टे से फांसी लगाकर की आत्महत्या

साहिबगंज/राजमहल : मंगलहाट के इंग्लिश गांव में बीते गुरुवार की रात्रि नाबालिक लड़की ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार नाबालिक लड़की ने अपने घर के एक कमरे में लोहे के पाइप में दुपट्टा के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को पता चलते ही इसकी सूचना थाना पुलिस को दे दी गई। पुलिस ने शुक्रवार की सुबह पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल भेज दिया। घटना को लेकर परिवार में मातम पसर गया है और नाबालिक के माता-पिता सहित अन्य परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

आगलगी में हजारों रुपये के अनाज जलकर हुआ रखा

साहिबगंज : बोरियो प्रखंड के बयासी निवासी जन वितरण प्रणाली के डीलर बलदेव साह के मिट्टी के घर में शुक्रवार की अहले सुबह आग लगने से चावल सहित अन्य जरूरी सामान जलकर राख हो गया। बलदेव साह ने बताया कि घर के अनाज एवं अन्य सामान जलकर राख हो गए। करीब 50 हजार का नुकसान हो गया। सुबह आग लगने की खबर उन्हें मिली तो बोरिंग का पानी लेकर पड़ोसी की मदद से आग बुझाई गई।

पीएम इंटर्नशिप योजना के तहत मानगो के 27 युवाओं का हुआ रजिस्ट्रेशन

जमशेदपुर : प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत जमशेदपुर के मानगो नगर निगम कार्यालय में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में योजना के तहत 27 युवाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया। आवेदकों की सूची मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स को भेज दी गई है। डॉ. अभिषेक कुमार ने बताया कि मंत्रालय ने आवेदकों की शॉर्टलिस्टिंग व चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चयनित अभ्यर्थियों को 12 महीने तक विभिन्न कंपनियों में इंटर्नशिप का अवसर मिलेगा। इंटर्नशिप अवधि में उन्हें प्रतिमाह 5 हजार रुपए स्टाइपेंड मिलेगा। इसमें 4500 रुपये केंद्र सरकार और 500 रुपये संबंधित कंपनी देगी। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन 15 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। डिप्लोमा, इंटर, ग्रेजुएशन और आईटीआई पास युवा इस योजना का लाभ ले सकते हैं। इसके तहत युवाओं को कौशल विकास का प्रमाणपत्र भी मिलेगा, जो आगे चलकर करियर में काम देगा।

एसकेएमयू में यूजी सेमेस्टर-2 की परीक्षा 23 अप्रैल से

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका में यूजी सेमेस्टर-2 की परीक्षा 23 अप्रैल से शुरू होकर 7 मई तक चलेगी। विवि के परीक्षा विभाग ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। परीक्षा दोनों पालियों में ली जाएगी। सफल संचालन के लिए परीक्षा विभाग ने सभी विषयों को तीन ग्रुप में बांटा है। ग्रुप ए में केमेस्ट्री, जियोग्राफी, जियोलॉजी, गृह विज्ञान, फिजिक्स, मनोविज्ञान, जूलॉजी व कंप्यूटर एप्लिकेशन विषय शामिल है। वहीं, ग्रुप बी में बंगाली, बॉटनी, कॉमर्स, इंग्लिश, हिंदी, गणित, फिलॉसफी, संस्कृत, संथाली, सांख्यिकी, उर्दू व फारसी, जबकि ग्रुप सी में एआईएच एंड सी, एंथ्रोपोलॉजी, बैंकिंग एंड फाइनेंसियल सर्विसेज, गांधियन थॉट, इकोनॉमिक्स, इतिहास, एलएसडब्ल्यू, मैनेजमेंट, राजनीति विज्ञान, रूरल इकोनॉमिक्स व सोशियोलॉजी विषय शामिल हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ जय कुमार साह ने बताया कि परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड है।

आमजन किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं दें : एसपी

- सभी थाना प्रभारी-बीडीओ/सीओ रहेंगे अलर्ट
- सोशल मीडिया पर प्रशासन की रहेगी पैनी नजर, टीम करेगी निगरानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में आगामी 6 अप्रैल को रामनवमी पर्व के मद्देनजर विधि व्यवस्था के सफल संधारण हेतु जिला स्तरीय पदाधिकारियों, सभी थाना प्रभारियों/बीडीओ - सीओ एवं प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी की ब्रीफिंग रविन्द्र भवन टाउन हॉल में उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार द्वारा की गई। सौहार्दपूर्ण माहौल में रामनवमी का पर्व संपन्न कराने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि आप सभी जिला प्रशासन के आंख, कान, हाथ हैं ऐसे में पूरी चुस्ती से अपने कर्तव्यों का निर्वहृ करें, नियमित फील्ड से अपने वरीय पदाधिकारियों को फीडबैक देते रहें। दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल में किसी भी तरह से संवादहीनता की स्थिति नहीं रहे, आपसे में फोन नंबर साझा करें, आपसी समन्वय से कार्य करें। मजिस्ट्रेट भी जुलूस के साथ चलेंगे, जब तक वरीय पदाधिकारियों द्वारा आदेश नहीं दिया जाता तब तक प्रतिनियुक्ति स्थल से नहीं हटेंगे। विसर्जन घाटों में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी जुलूस के विसर्जन का अपडेट कंट्रोल रूम में देते रहेंगे। बीडीओ/सीओ/थाना प्रभारियों को अलर्ट रहने को कहा। किसी भी तरह की आपत्तिजनक/अश्लील गाने को बजाया नहीं जाएगा। सभी अखाड़ों की वीडियोग्राफी होगी/सोशल मीडिया पर सतत निगरानी होगी। सभी जुलूस में मेडिकिल कीट उपलब्ध हो। जुलूस का जो निर्धारित रूट है, वहीं रहेगा इसमें किसी तरह का कोई बदलाव नहीं होगा। धार्मिक स्थलों पर भी सभी संबंधित सतर्क रहेंगे। आवश्यकतानुसार संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी-ड्रोन कैमरों से निगरानी होगी। बीडीओ-सीओ/थाना प्रभारी को अपने सूत्रों को सक्रिय करने का निर्देश दिया। अग्निशमन विभाग/स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड में रहने को कहा। अग्निशमन वाहनों/एंबुलेंस को जगह-जगह पर प्रतिनियुक्त करने का संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया। मौके पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी अलर्ट रहकर अपने दायित्वों का निर्वाहन करेंगे। जिला में कंट्रोल रूम कार्यरत रहेगा। किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि या घटना पर तुरंत अपने वरीय पदाधिकारी के साथ कंट्रोल रूम को सूचित करेंगे। सभी थाना प्रभारी अपने सूत्रों को सक्रिय रखेंगे। ऐसे आयोजनों के सफल संचालन में आप सभी सक्षम हैं, पूर्व में भी अपनी प्रतिबद्धता दिखाते आए हैं, पूरा प्रशासन आप सभी के साथ है, जरूरत है कि प्रतिनियुक्त बल ऊर्जा बनाये रखें। सभी बीडीओ, सीओ व थाना प्रभारी सभी अखाड़ा का संयुक्त रूप से निरीक्षण करें। सिविल ड्रेस में भी पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह से असामाजिक गतिविधि या शांति व्यवस्था बनाये रखने में बाधा पहुंचाने की कोशिश होती है तो तत्काल वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी करा लें, जुलूस समापन के बाद पुलिस प्रशासन द्वारा विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। डीसी -एसपी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर निगरानी रखने की बात कही। द्वय पदाधिकारियों ने आमजनों को किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देने, अगर कुछ संदिग्ध होता है।

उपायुक्त ने विभिन्न घाटों का किया निरीक्षण विकास कार्यों और नौका संचालन की समीक्षा की

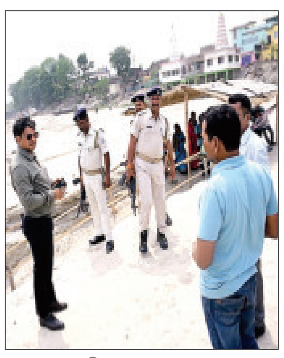

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती ने आज शंकुतला घाट, बिजली घाट और ओझाटोली घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाटों पर चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया और उनकी प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विशेष रूप से ओझाटोली घाट पर संचालित नौकाओं के रोस्टर की गहन जांच की। उन्होंने नौका संचालन की व्यवस्थाओं को देखा और यह सुनिश्चित किया कि यात्री सुरक्षा के सभी मानकों का पालन किया जा रहा है। इस संबंध में संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। उन्होंने घाटों पर स्वच्छता, यातायात व्यवस्था और यात्री सुविधाओं का भी आकलन किया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि घाटों के सौंदर्यीकरण और स्वच्छता बनाए रखने के लिए संबंधित विभाग सक्रिय रूप से कार्य करें। उन्होंने कहा कि नौका संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन किया जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के कर्मी एवं स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उपायुक्त ने घाटों के विकास और सुरक्षा को लेकर निरंतर निगरानी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती ने जनता दरबार के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी पदाधिकारी को आमजन की शिकायतों के प्रति उदासीनता नहीं बरतनी चाहिए और सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए।जनता दरबार में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। उन्होंने प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुना और समाधान के प्रति नागरिकों को आश्वस्त किया। उन्होंने सभी आवेदनों की समीक्षा एवं प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनता दरबार में प्राप्त शिकायतें विभिन्न विभागों और योजनाओं से संबंधित थीं। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक शिकायत की भौतिक जांच कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी आदेश दिया कि समाधान प्रक्रिया की नियमित समीक्षा की जाए और निष्पादन की प्रतिपुष्टि (फीडबैक) उपायुक्त कार्यालय को सौंपी जाए। उन्होंने पदाधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वे जनहित के मामलों को गंभीरता से लें और पारदर्शिता के साथ समस्या निवारण सुनिश्चित करें।

कई वर्षों से गायब हैं मदरसा उस्मानिया फरीदपुर के शिक्षक किरमानी शेख

परवेज आलम बरहरवा संवाददाता

बरहरवा : प्रखंड अंतर्गत बिंदु पाड़ा पंचायत के फरीदपुर गांव में संचालित मदरसा उस्मानिया फरीदपुर में पिछले कई वर्षों से शिक्षक किरमानी शेख को लेकर चला आ रहा गड़बड़ी समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है बताया जाता है कि मदरसा के प्रधान मौलवी संजीदा खातून के साथ शिक्षक किरमानी शेख का विवाद का आंच अब जिला शिक्षा अधीक्षक तक पहुंच गया है एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगानंद झा ने शिक्षक किरमानी शेख पर कड़े कार्रवाई किए जाने को लेकर तैयारी करना प्रारंभ कर दिया है। जानकारी मिली है कि शिक्षक किरमानी सेख मदरसा से बराबर अनुपस्थित रहने के कारण एसडीओ तथा बीईईओ बरहरवा ने मदरसा का जांच भी किया था तथा जांच प्रतिवेदन में शिक्षक किरमानी को अनुपस्थित पाया गया था इसकी लिखित सूचना प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी बरहरवा ने जिला शिक्षा पदाधिकारी साहिबगंज को भी दिया था पर हैरानी की बात यह है कि अभी तक विभाग ने किरमानी शेख पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है तथा अभी भी शिक्षक किरमानी शेख बराबर मदरसा नहीं आता है। जानकारी मिली है कि जिला शिक्षा पदाधिकारी साहिबगंज ने अब उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को लेकर कमर कस लिया है। बताया जाता है कि उसके पीछे एक राजनीतिक दल के बड़े हस्ती का हाथ है। यही वजह है कि वह मदरसा में अनुपस्थित रहने के बावजूद भी वेतन उठाने को लेकर आला अधिकारी से जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र भेज कर दबाव बनाता रहता है। मदरसा भ्रमण के दौरान आसपास के लोगों ने बताया कि शिक्षक किरमानी शेख अलग से बायोमेट्रिक डिवाइस रखता है जो मदरसा के बगल में आकर बायोमेट्रिक बनाकर फिर वापस घर चला जाता है एवं मदरसा के समय की समाप्ति के वक्त फिर से मदरसा के बगल में एक घर में आकर बायोमेट्रिक बना लेता है यह सिलसिला उसका पिछले कई महीनो से चल रहा है पर उन्होंने इस आरोप को बेबुनियाद बताया है।

रामनवमी को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण ढंग मनाये जाने को लेकर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की ओर से आज शुक्रवार को पाकुड़ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया। उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में फ्लैग मार्च शहर में निकाला गया। ये फ्लैग मार्च पाकुड़ थाना रोड होते हुए बिरसा चौक, अम्बेडकर चौक, हिरण चौक, गांधी चौक, रेलवे फाटक, स्वामी विवेकानंद चौक, चांदपुर बोर्डर, गोपीनाथपुर आदि स्थलों तक की गई। फ्लैग मार्च में अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पाकुड़ डीएन आजाद, शहर थाना प्रभारी प्रयाग दास सहित जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के अन्य पदाधिकारी व कई जवान शामिल थे।

चांडिल में निकलेगा भव्य रामनवमी जुलूस, श्रीराम की 21 फीट ऊंची तस्वीर होगी आकर्षण का केंद्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल में श्रीराम सनातन समिति की ओर से छह अप्रैल को भव्य रामनवमी शोभायात्रा सह बाइक रैली निकाली जाएगी. भगवान श्रीराम की 21 फीट ऊंची तस्वीर शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण होगी। समिति तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी है। चांडिल रेलवे स्टेशन के पास भगवान श्रीराम की 21 फीट ऊंची तस्वीर की पूजा-अर्चना के बाद शोभायात्रा शुरू होगी। यह जानकारी श्रीराम सनातन समिति चांडिल के अध्यक्ष आकाश महतो ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में दी। कहा कि रविवार को दोपहर 3 बजे विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। जुलूस का नेतृत्व महिलाएं करेंगी। शोभायात्रा में आंध्रप्रदेश की झांकी, भगवान श्रीराम की 21 फीट ऊंची तस्वीर, 11 फीट ऊंची भारत माता की तस्वीर, श्रीराम दरबार, डंका और आधुनिक डीजे मुख्य आकर्षण होगा। डीजे की धुन पर हजारों रामभक्त थिरकते हुए रामनवमी का उत्सव मनाएंगे। शोभायात्रा चांडिल स्टेशन, लेंगडीह, चांडिल बाजार होते हुए सिंहभूम कॉलेज मोड़ स्थित हनुमान मंदिर परिसर में पहुंचकर समाप्त होगी। समापन के अवसर पर हनुमान मंदिर परिसर में बजरंगवली व भारत माता की भव्य आरती की जाएगी।

300 स्वयंसेवक रहेंगे मुस्तैद

भव्य शोभायात्रा को सफल बनाने और विधि व्यवस्था व यातायात नियमों को पालन कराने के लिए समिति ने 300 स्वयंसेवकों को जिम्मेदारी दी है। इस बार शोभायात्रा में महिलाओं की सहभागिता अधिक रहने की उम्मीद है। चांडिल अनुमंडल क्षेत्र की महिलाएं जुलस में शामिल होकर पारंपरिक परिधान के साथ महारानी लक्ष्मी बाई व दुर्गावती के समान अपने धर्म की रक्षा का संदेश देंगी। प्रेसवार्ता में समिति के महासचिव नवीन मोहंती, महामंत्री विमलेश मंडल, सचिव छोटू प्रमाणिक, कोषाध्यक्ष सूरज मिश्रा, सजल कर्मकार, राहुल नाग, सुदीप्त पॉल, शशि मिश्रा, जगदीश पोद्दार, उदित गुप्ता, प्रवीर सिंह, मिथुन रूहीदास आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ चैती छठ का हुआ समापन

साहिबगंज: चार दिवसीय लोग आस्था का महापर्व चैती छठ शहर सहित प्रखंड क्षेत्र के आसपास के गांवों में शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ। शहर के बिजली घाट, शकुंतला सहाय घाट, पुरानी साहिबगंज ओझा टोली घाट, गोपाल पुल घाट, अन्य घाटों पर छठ व्रतियों ने पूरे नेम निष्ठा से गाजे बाजे एवं छठ गीत गाते हुए अहले सुबह घर से निकले। गंगा घाटों पर पहुंच कर सूर्य देव व छठ माई की आराधना की। वही छठ व्रतियों दंडवत करते हुए गंगा घाटों पर पहुंचे। मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। साथ ही सार्वजनिक छठ पूजा समिति, बिजली घाट कमेटी ने साफ सफाई, लाइटिंग, बाजे सहित श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसकी पूरी व्यवस्था की गई थी। नगर परिषद ने गंगा घाटों पर बैरिकेटिंग भी की थी। मौके पर कमेटी के सदस्यगण उपस्थित थे।

नगर थाना क्षेत्र के पूजा पंडालों का पुलिस अधिकारियों ने किया निरीक्षण

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र में दुर्गा पूजा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए आज एसडीपीओ किशोर तिर्की, प्रशिक्षु डीएसपी रूपक सिंह, नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता सहित अन्य पुलिस पदाधिकारियों ने विभिन्न पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र के सभी प्रमुख पूजा पंडालों का दौरा कर वहां की सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को करीब से देखा। उन्होंने पंडाल समिति के सदस्यों से मुलाकात कर सुरक्षा को लेकर बातचीत की और आवश्यक निर्देश भी दिए। पुलिस प्रशासन ने बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, पुलिस बल की तैनाती, ट्रैफिक नियंत्रण और पेट्रोलिंग की व्यवस्था को मजबूत किया गया है। एसडीपीओ किशोर तिर्की ने कहा कि पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की वे प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

नमामि गंगे परियोजना की हुई समीक्षा

साहिबगंज: उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में नमामि गंगे परियोजना के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना की प्रगति का आकलन किया गया और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए। उपायुक्त ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष जोर देते हुए आकांक्षा द्वारा निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने इस कार्य में आ रही बाधाओं को एक महीने के भीतर निस्तारित करने को कहा। बैठक में शकुंतला घाट, बिजली घाट और ओझाटोली घाट के सौंदर्यीकरण और समतलीकरण के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने इन घाटों के विकास को प्राथमिकता देते हुए स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया। इसके अलावा गंगा किनारे स्थित 80 गांवों को ओडीएफ घोषित करने की योजना को गति देने के निर्देश दिए गए। गंगा तट पर जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष रणनीति तैयार करने की बात कही गई। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग, डीपीओ नमामि गंगे अमित मिश्रा, समिति के अन्य सदस्य और संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने परियोजना को सफल बनाने के लिए समन्वय स्थापित करने पर सहमति जताई।

अंकित कुमार का चयन जिला वेक्टर जनित रोग कंसल्टेंट के पद पर हुआ

पाकुड़ : ज़िले में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत जिला वेक्टर जनित रोग कंसल्टेंट के नियुक्ति की प्रक्रिया सूचना भवन सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कुल 12 अभ्यर्थियों से प्राप्त आवेदन पर जांचोपरांत 09 अभ्यर्थियों के कागजात सही पाए गए जिन्हें लिखित परीक्षा में शामिल होने के लिए बुलाया गया। 07 अभ्यर्थियों ने लिखित परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा कदाचार मुक्त वातावरण में सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात साक्षात्कार का आयोजन उपायुक्त की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें मेधा सूची के आधार पर अंकित कुमार, पिता – जनार्दन प्रसाद का चयन कंसल्टेंट के पद पर किया गया। चयन प्रक्रिया में सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, कार्यपालक दंडाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी तथा प्रभारी सीआई शिवाशीष शामिल थे।

वक्फ बिल का विरोध, 6 मुस्लिम नेताओं ने जे.डी.यू. छोड़ी

बोले- मुख्यमंत्री ने भरोसा तोड़ा; पप्पू यादव ने कहा- वोटिंग तक ही नीतीश बी.जे.पी. की जरूरत

पटना। जे.डी.यू. ने वक्फ संशोधन बिल पर मोदी सरकार का समर्थन किया है। इसके बाद से सी.एम नीतीश कुमार की पार्टी में घमासान मचा हुआ है। बगावत शुरू हो गई है। एक के बाद मुस्लिम नेताओं का इस्तीफा जारी है। अब तक बिल को समर्थन देने से नाराज 6 मुस्लिम नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। इनमें पूर्व प्रदेश सचिव एम. राजू नैयर, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव मोहम्मद शाहनवाज मलिक, बेतिया जिला के उपाध्यक्ष नदीम अख्तर, प्रदेश महासचिव सिए मो. तबरेज सिद्दीकी अलीग, भोजपुर से पार्टी सदस्य मो. दिलशान राईन, और खुद को मोतिहारी के ढाका विधानसभा सीट से पूर्व प्रत्याशी बताने वाले मोहम्मद कासिम अंसारी शामिल हैं। मुस्लिम नेताओं ने वक्फ बिल पर समर्थन पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि पार्टी ने लाखों मुसलमानों का भरोसा तोड़ा है। हालांकि, पार्टी ने दावों को खारिज किया है। इधर, बिल पर जदयू के समर्थन को लेकर पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा कि- 'नीतीश कुमार सेक्युलर थे, हैं और रहेंगे.. लेकिन पार्टी के नेता नहीं है। वो आरक्षण विरोधी है। उनका पार्टी पर कोई कंट्रोल नहीं है।' मोहम्मद कासिम अंसारी ने सी.एम को लिखे पत्र में कहा, 'वक्फ बिल पर समर्थन देकर जे.डी.यू. ने अपनी सेक्युलर छवि वाला भरोसा तोड़ा है। लाखों मुसलमानों का यकीन टूटा है। साथ ही लोकसभा में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के दिए भाषण से भी लोग आहत हुए हैं।' वहीं, मोहम्मद शाहनवाज मलिक ने कहा, 'जे.डी.यू. के समर्थन से लाखों-करोड़ों मुस्लिमों को धक्का लगा है। ललन सिंह के बयान काफी दुख हुआ है। मैं कई साल तक इस पार्टी में रहा। लेकिन अब इस्तीफा दे रहा हूं।' एदारा-ए-शरिया के अध्यक्ष और जे.डी.यू. नेता पूर्व MLC मौलाना गुलाम रसूल बलियावी ने वक्फ बिल पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि-'अब कम्युनल और सेक्युलर में कोई फर्क नहीं रह गया है। इदारे शरिया देश के सभी हाई कोर्ट में लीगल सेल की बैठक करेगी। इस पर जल्द फैसला लेगी। दीवार पर लिखने से नहीं दिमाग से काम लेना होगा।'वहीं, सी.एम नीतीश कुमार के करीबी JDU'fc MLC गुलाम गौस भी इस बिल का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'BJP की सरकार हमेशा मुस्लिमों के खिलाफ ही काम करती है। इस बिल के जरिए वक्फ बोर्ड की जमीन को छीनने की कोशिश की जा रही है। वक्फ के पास जो जमीन है, उससे मुसलमानों की भलाई के लिए कई कार्यक्रम चलाए जाते हैं।' जे.डी.यू. की ओर से इन इस्तीफों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा गया है कि मोहम्मद कासिम अंसारी और नवाज मलिक पार्टी के किसी भी आधिकारिक पद पर नहीं हैं। पार्टी ने स्पष्ट किया कि इन दोनों नेताओं का जे.डी.यू.के संगठनात्मक ढांचे से कोई लेना-देना नहीं है। जदयू के जिला अध्यक्ष मंजू देवी ने कहा है कि डॉ. कासिम अंसारी अब पार्टी के सदस्य नहीं हैं। कासिम अंसारी की एक तस्वीर साझा करते हुए ढाका प्रखंड अध्यक्ष नेहाल ने आरोप लगाया कि वे कांग्रेस नेताओं के साथ दिख रहे हैं। नेहाल ने कासिम अंसारी को जदयू की सदस्यता से जुड़े प्रमाण पेश करने की चुनौती भी दी।

बताया जा रहा है कि जदयू की टिकट पर उन्होंने कभी चुनाव लड़ा ही नहीं। डॉ. कासिम अंसारी ने राजनीति में अपनी पहचान बनाने के लिए पहले AIMIM का दामन थामा था, लेकिन जब वहां से टिकट नहीं मिला तो निर्दलीय चुनाव लड़ा। कासिम की जमानत जब्त हो गई थी। चर्चा ये भी है कि अगर उन्हें पार्टी से इस्तीफा देना था तो जिला अध्यक्ष को सौंपना चाहिए था, लेकिन उन्होंने इसे सीधे मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष को संबोधित कर दिया।

बेतिया में टावर बैटरी चोर गिरोह का पदार्फाश

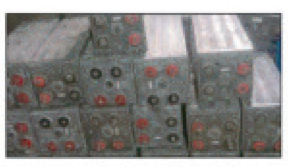

बेतिया। मोबाइल टावर बैटरियों की लगातार हो रही चोरी के मामलों में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसपी डॉ. शौर्य सुमन के निर्देश पर गठित एसआईटी ने मुजफ्फरपुर जिले से टावर बैटरी चोर गिरोह के 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 118 चोरी की बैटरियां, एक ट्रक, एक पिकअप वाहन और एक लोहा कटर बरामद किया गया है। चोर गिरोह के 12 अपराधी गिरफ्तार गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मोतिपुर थाना क्षेत्र के ललन राय, मिथलेश कुमार, सुमन कुमार, मणी कुमार, मुन्नीलाल राय, राजा कुमार और संजय महतो शामिल हैं। कांटी थाना क्षेत्र से गोलू कुमार, विक्रम कुमार और गौरव कुमार, बोचहा थाना क्षेत्र से कमलेश राम और काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र से दिलीप कुमार को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने मझौलिया और जगदीशपुर थाना क्षेत्र में हुई टावर बैटरी चोरी की घटनाओं में शामिल होना स्वीकार किया है।

भाजपा एमएलसी ने पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में किया हंगामा

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में कुलसचिव प्रोफेसर एनके झा और भारतीय जनता पार्टी के एमएलसी नवल किशोर यादव के बीच विवाद बढ़ गया है। इस विवाद से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसमें भाजपा एमएलसी नवल किशोर यादव सरेआम कुलसचिव को धमकाते दिख रहे हैं। आरोप लगा कि गुरुवार को सीनेट की बैठक के दौरान जब कुलसचिव प्रो. एनके झा अपना संबोधन दे रहे थे तब अचानक एमएलसी नवल किशोर यादव अपनी सीट से उठकर खड़े हो गए और हंगामा करने लगे। उन्होंने कुलसचिव एनके झा पर अमर्यादित टिप्पणी की। इससे पहले कि प्रो. एनके झा कुछ बोलते, एमएलसी ने कहा कि ए बैठो तुम...तुम बैठो.. यह पटना यूनिवर्सिटी नहीं है।पालीगंज विधायक संदीप सौरभ व सीनेट के अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव किय। इसके बाद विधायक ने कहा कि यह कोई जंग का मैदान नहीं है। यहां सीनेट की बैठक हो रही है। समाज के प्रबुद्ध लोग यहां आए हैं। ऐसे में किसी को भी अपनी मयार्दा भूलनी नहीं चाहिए। अपनी भाषा पर हमें नियंत्रण रखना होगा। मामले में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव ने कहा कि एमएलसी को मायार्दा का ध्यान रखना चाहिए था। इस व्यवहार को लेकर मैंने उन्हें टोका भी। इस घटना से राज्य में गलत संदेश जाएगा। इस मामले में कुलसचिव प्रो. एनके झा ने कहा कि बिहार के सीनेट इतिहास में यह पहली बार ऐसी दुखद घटना हुई है। जब सदस्य ने किसी कुलसचिव के साथ अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया और मारने तक की धमकी दी। उन्होंने सरेआम मेरे खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया। मैं इस घटना से काफी आहत हूं। भाजपा एमएलसी इससे पहले फोन पर भी मुझे धमका चुके हैं। वह नियम के विरूद्ध जाकर काम करने का दबाव बनाते हैं। राजभवन और शिक्षा विभाग को स्वतः इस पर संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं भाजपा एमएलसी ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि मैंने किसी के साथ अमर्यादित भाषा का प्रयोग नहीं किया। कुलसचिव को मारने की धमकी भी नहीं दी है। कुलसचिव और कुलपति के विवाद से पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की मयार्दा कम हुई।

वक्फ संशोधन बिल पर जदयू में फिर घमासान

मोतिहारी। वक्फ संशोधन बिल को लेकर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के भीतर मचा बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब ढाका प्रखंड के डॉ. कासिम अंसारी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रदेश अध्यक्ष को इस्तीफा भेजने का दावा किया है। लेकिन पार्टी ने उनके इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। राजनीतिक सफर और प्रकोष्ठ की स्थिति चिरैया प्रखंड के माधोपुर गांव निवासी डॉ. कासिम अंसारी की राजनीतिक यात्रा AIMIM से शुरू हुई थी। वर्ष 2020 में उन्हें टिकट नहीं मिला तो निर्दलीय चुनाव लड़ा, लेकिन 400 से भी कम वोट मिले। इसके बाद वे जदयू में शामिल हुए थे और जिला चिकित्सकीय प्रकोष्ठ के प्रवक्ता बने। हालांकि, पार्टी के अनुसार यह प्रकोष्ठ दो साल पहले ही भंग हो चुका है और फिलहाल वे किसी पद पर नहीं हैं। इसे सस्ती लोकप्रियता पाने की कोशिश बताया जदयू की जिला अध्यक्ष मंजू देवी ने साफ कहा कि डॉ. कासिम अंसारी पार्टी के सदस्य ही नहीं हैं। उन्होंने इसे सस्ती लोकप्रियता पाने की कोशिश बताया। मंजू देवी ने दोहराया कि उन्हें अब तक कोई पत्र नहीं मिला है और यह कदम सिर्फ खुद को चर्चा में लाने का तरीका है। सोशल मीडिया से मिला इस्तीफा जदयू का कहना है कि इस्तीफे की कोई औपचारिक प्रति जिला अध्यक्ष को नहीं दी गई है। केवल सोशल मीडिया पर पत्र जारी करने से इस्तीफा स्वीकार नहीं होता। वहीं, ढाका प्रखंड अध्यक्ष नेहाल अख्तर ने भी यही बयान दोहराते हुए कहा कि पार्टी में उनका कोई सक्रिय योगदान नहीं है। पार्टी की सफाई और अल्पसंख्यकों पर जोर जदयू नेताओं ने जोर देकर कहा कि पार्टी ने हमेशा अल्पसंख्यकों के हित में काम किया है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियां इसका उदाहरण हैं। पार्टी का कहना है कि बिना किसी ठोस आधार के इस तरह के आरोप लगाना सिर्फ राजनीतिक नौटंकी है। वक्फ संशोधन बिल पर मचे इस विवाद ने जदयू में अंदरूनी खींचतान को जरूर उजागर कर दिया है। हालांकि, पार्टी इसे बेमानी और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से प्रेरित मामला बता रही है।

नालंदा में खाना बनाने के दौरान घर में लगी आग

नालंदा। के हिलसा थाना क्षेत्र के बड़की घोसी गांव के एक घर में आग लग गई। इस दौरान एक सात माह की नवजात बच्ची मंगली कुमारी और उसे बचाने में भाई नीरज पांडेय (08) गंभीर रूप से झुलस गए। आग, डोमन पांडेय के घर में लगी जब उनकी पत्नी चूल्हे पर खाना बना रही थी। परिजनों ने बताया कि डोमन पांडेय की पत्नी सुबह घर में खाना बना रही थीं। उन्होंने अपनी 7 महीने की बच्ची मंगली कुमारी को चूल्हे के पास ही सुला दिया था। इसी दौरान वह किसी काम से वहां से बाहर चली आईं। चूल्हे से निकली एक चिंगारी पास में रखे चना-मसूर के बोझा तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे घर में फैल गई। इस दौरान नीरज पांडेय ने अपनी जान की परवाह किए बिना घर में प्रवेश किया और अपनी छोटी बहन को बाहर निकाला। इस दौरान वह बुरी तरह झुलस गया।स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत मदद के लिए आगे आकर दोनों घायल बच्चों को हिलसा अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने बच्चों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए PMCH रेफर कर दिया है।

हाथ-पैर टूटे हालत में रेलवे लाइन पर शव बरामद

बेगूसराय। में बरौनी-कटिहार रेलखंड पर लाखो निपानिया टोला के समीप एक युवक की लाश रेलवे लाइन के किनारे से संदिग्ध हालात में शव बरामद की गई है। घटनास्थल के समीप की स्थिति देखकर लग रहा है कि लाश को घसीटा गया है। जिससे परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। फिलहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच-पड़ताल कर रही है।मृतक के पहचान लाखो थाना क्षेत्र के रमजानपुर निवासी मोहम्मद मुस्लिम के बेटे मोहम्मद शमीम (40) के रूप में की गई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के बहनोई मोहम्मद इजरायल का कहना है कि आज सुबह में सूचना मिली कि शमीम की लाश रेलवे लाइन के किनारे मिली है। सूचना मिलते ही हम लोग मौके पर पहुंचे। लाश से थोड़ी दूरी पर चप्पल पड़ा हुआ था।मिली जानकारी के अनुसार, घटना स्थल पर करीब 10-15 मीटर तक घसीटने जाने का निशान है। शमीम का बायां हाथ और बायां पैर टूटा हुआ है, अंडकोष से बाहर निकला हुआ था।

शॉट सर्किट से लगी आग, 100 घर जलकर राख

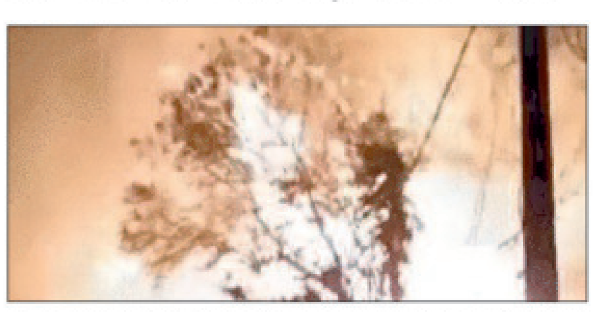

दरभंगा। के कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र के भटवन और मधुबन गांव में बीती रात करीब 2 बजे भीषण आग लग गई। आग में दोनों गांवों के करीब 100 घर जलकर राख हो गए। ग्रामीणों का सारा सामान राख हो गया। घटना में किसी आदमी के हताहत की सूचना नही है। वहीं 4 बकरियां जिंदा जल गई। धर्मदेव यादव के घर में शॉर्ट सर्किट से आग लगी। इसके बाद आग ने धीरे-धीरे पूरे गांव को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने के दौरान गांव के लोग गहरी नींद में थे। अचानक उठे शोर और लपटों से लोग जागे। ग्रामीणों ने हैंडपंप और बाल्टी से आग बुझाने की कोशिश की। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की तीन बड़ी और एक छोटी गाड़ी मौके पर पहुंची। करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान 4-5 सिलेंडर में भी ब्लास्ट हुआ। मुआवजे की मांग कर रहे हैं ग्रामीण घटना में लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई। किसी के पास खाने का सामान नहीं बचा। किसी के पास रहने की जगह नहीं रही। जिलाधिकारी राजीव रौशन ने घटना को लेकर कई बार पूछताछ की। राहतकर्मियों को भेजकर नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया। ग्रामीण त्रिभुवन कुमार ने सरकार से उचित मुआवजे की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा तय 12 हजार रुपए से कुछ नहीं होगा। हर परिवार को 5 से 10 लाख रुपए तक का नुकसान हुआ है। प्रशासन से जल्द भोजन और रहने की व्यवस्था करने की मांग की गई है।

बालू-मिट्टी कटाकर थाना चलाते हैं, हम मालिक हैं

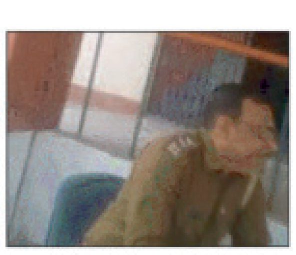

बेगूसराय। मंसूरचक थानाध्यक्ष रोहित गुप्ता पर अवैध खनन माफिया को सहयोग करने का आरोप लगा है। थानाध्यक्ष का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह अवैध खनन करवा कर थाना चलाने की बात कहते हुए गाली-गलौज करते दिख रहे हैं। मंसूरचक थानाध्यक्ष रोहित गुप्ता का यह वीडियो वायरल हुआ तो गुरुवार को मंसूरचक प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष इजहार अंसारी, मुखिया राममूर्ति चौधरी और सामाजिक कार्यकर्ता ब्रजेश कुमार ने इसकी शिकायत SP कार्यालय में की है। इस मामले में SP मनीष ने बताया कि आज मंसूरचक थानाध्यक्ष रोहित कुमार गुप्ता का मंसूरचक थाने में पद का दुरूपयोग करते हुए एक व्यक्ति से अभद्र-अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने संबंधित वायरल वीडियो मिला। मामले को गंभीरता से लेते हुए तेघड़ा DSP से जांच कराई गई। अभद्र और अमर्यादित भाषा का प्रयोग किए जाने को सही पाने पर थानाध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए कार्रवाई की जा रही है।सोलह, सतरह, अठारह, उन्नीस, बीस, एक्कीस, बाईस, तेईस, 6 हजार रुपए मेरा लगा है। SP साहब हमसे पुछे। वहां से पूछा कि सर इतना दिन गाड़ी चला रहे हैं आप, स्पष्टीकरण मांग लेगा कि इस बीच आप गाड़ी कैसे चला लिए ? हम बोले- भष्ट्राचार से, मिट्टी कटा कर। कौन बोलता है कि (गाली देते हुए) हम ट्रैक्टर पकड़ लेंगे। किसी को गाली देते हुए थानाध्यक्ष कहते हैं कि औकात है 16,17,18 से 23 तक हमसे स्पष्टीकरण मागेगा कि कैसे आपने गाड़ी चलाया। हम कहेंगे कि सर बालू कटा के चलाए, मिट्टी कटा के चलाए, क्योंकि तेल हमारे यहां नहीं आया। कौन भाई कहता है कि गाड़ी रोकेगा। थाना का हिसाब हम पकड़े हैं। हम मालिक हैं। हम (गाली देते हुए) फंसेगे। तू कौन होता है ? इस मामले में SP को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि थानाध्यक्ष स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना या पंचायत की किसी योजना में मिट्टी कटवाने पर ट्रैक्टर जब्त कर लेते हैं। बिचौलियों के माध्यम से राशि लेकर अवैध खनन करवाते हैं। वायरल वीडियो में थानाध्यक्ष खुद मिट्टी काटकर थाने की गाड़ी चलाने की बात कह रहे हैं। मुखिया राममूर्ति चौधरी ने बताया कि मंसूरचक थाना प्रभारी हम लोगों से कोई बात नहीं करते हैं। कोई भी शिकायत हो तो वह बिचौलिए के माध्यम से ही बात करते हैं। सबसे बड़ी समस्या है कि आवास योजना के लिए अगर कोई एक ट्रैक्टर मिट्टी कटवाता है तो उसे पकड़ लेते हैं, लेकिन तीन हजार रुपए प्रत्येक दिन के हिसाब से बिचौलिए का मिट्टी कटवाते और बिकवाते हैं। मैं थाना का मालिक, जो मन होगा करेंगे उन्होंने कहा कि थाना आए जनप्रतिनिधियों को बैठाने की बात तो दूर डायरेक्ट कहते हैं कि काम नहीं होगा। वहीं बिचौलियों से सहानुभूति पूर्वक बात करते हैं और नहीं होने वाला भी काम करते हैं।

इसके कारण हम लोगों ने शांति समिति की बैठक में जाना भी छोड़ दिया है।

स्पष्ट कहते हैं कि मैं थाना का मालिक हूं, जो मन होगा करेंगे, कोई क्या कर लेगा। थाना में CCTV कैमरा लगा हुआ है, उसकी जांच किया जाए तो स्पष्ट हो जाएगा कि थाना प्रभारी कितने बिचौलियों के संपर्क में हैं।

संक्षिप्त डायरी

भागलपुर में दो दोस्तों ने एक दूसरे की हत्या की

भागलपुर। के नवगछिया में गुरुवार रात दो युवकों ने एक दूसरे को गोली मार दी। अस्पताल पहुंचने से पहले दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान भवानीपुर निवासी करण पोद्दार (30) और शुभम मिश्रा (25) के रूप में की गई है। शुभम एक निजी स्कूल में टीचर था। वहीं, दो साल पहले ही करण की शादी हुई थी। एक साल का बेटा भी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करण स्मैक का धंधा करता था और हमेशा नशे में ही रहता था। घटना के पीछे का कारण पता नहीं चला है। घटना रंगरा थाना क्षेत्र के भवानीपुर इलाके के काली स्थान के पास की है। हालांकि बताया जा रहा है कि करण और शुभम समेत गांव के ही 5 लड़के एक जगह काली स्थान के पास गांजा पी रहे थे। इसी दौरान तीनों की करण और शुभम के बीच किसी बात को लेकर विवाद होने लगा। बात इतनी बढ़ गई कि दो दोस्तों ने के बीच फायरिंग शुरू हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया, बीती रात करीब 9 बजे काली मंदिर स्थित कुआं के पास बैठकर कारण पोद्दार और उसके साथी शुभम झा गांजा पी रहे थे। तभी कार से गांव के ही प्रीतम यादव, मुंशी यादव और सोनू झा वहां आ आए। सभी ने साथ बैठकर गांजा पिया। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद होने लगा। हालांकि, विवाद के बाद सभी घर जाने लगे। तभी शुभम ने कमर से पिस्तौल निकालकर करण पोद्दार पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। करण ने भी उसपर फायरिंग की। इस दौरान भाग रहे शुभम झा पर करण के दोस्त सोनू झा ने भी फायरिंग की।' फायरिंग में शुभम को एक गोली सीने और एक गोली हाथ में लगी है। वहीं, करण के सीने में तीन गोली मारी गई है। स्थानीय निवासी सौरभ के मुताबिक, दोनों का शव एक-दूसरे से 50 मीटर की दूरी पर पर था।फायरिंग के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों के परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को अनुमंडलीय अस्पताल नवगछिया में भर्ती कराया।डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल पहुंचने से पहले ही दोनों की मौत हो गई। मायागंज अस्पताल में डॉक्टर ने दोनों की मौत की पुष्टि की।तीन बहनों में इकलौता भाई था शुभम घटना के बाद सोनू उर्फ शुभम मिश्रा की मां प्रेमलता देवी मायागंज अस्पताल पहुंची। वह शुभम के से लिपटकर बार-बार कह रही थी- 'खाना खाकर बेटा घर से निकला था। हमने रोका भी था, लेकिन वह नहीं रुका। वह 10 मिनट रुक जाता तो आज हमारा बेटा, हमारे पास होता। साजिश के तहत उसकी हत्या की गई है।' शुभम की बहन शरीक कुमारी ने बताया, 'खाना खाने के बाद शुभम घर से निकला था। मां ने उसे रोका भी, लेकिन वह नहीं माना। 6 महीने पहले ही पिता की बीमारी से मौत हो गई थी। तीन बहनों में शुभम, इकलौता भाई था।

मुंगेर में डॉक्टर को किडनैप कर पीटा

मुंगेर। में एक बार फिर जमीन के लेनदेन को लेकर हिंसा और साजिश का मामला सामने आया है। पूरब सराय निवासी 50 वर्षीय ग्रामीण चिकित्सक शंकर प्रसाद के साथ मारपीट और अपहरण की वारदात ने पुलिस प्रशासन पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित का इलाज मुंगेर सदर अस्पताल में चल रहा है। इलाज के बहाने ले गए और कमरे में बंद कर की पिटाई मामला 1 अप्रैल की शाम का है। दो अज्ञात युवक मरीज के इलाज के बहाने चिकित्सक को संदलपुर स्थित क्लिनिक से अपने साथ जमालपुर ले गए। वहां एक मकान में ले जाकर उन्हें कमरे में बंद कर लाठी-डंडों से पीटा गया। पीड़ित के शरीर पर कई स्थानों पर काले निशान पाए गए हैं। 2023 के जमीन सौदे से जुड़ा है मामला बताया जा रहा है कि यह पूरा विवाद 2023 में हुए एक जमीन सौदे से जुड़ा है। नौवागढ़ी भगत सिंह चौक निवासी विकास कुमार ने चिकित्सक को जमालपुर बाईपास और बांका के पास की दो कट्ठा जमीन दिखाई थी। सौदे के तहत चिकित्सक ने 5 लाख रुपए अग्रिम भुगतान किए थे। लेकिन बाद में विकास ने जमीन न बेचने की बात कहकर एक चेक थमा दिया, जो बाद में बाउंस हो गया। पुलिस केस दर्ज होने के बाद बढ़ा तनाव जब विकास ने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया, तो चिकित्सक ने पूरब सराय थाना में मामला दर्ज कराया, जिसका केस नंबर 380/23 है। पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद से उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है। रस्सी से बांधकर कमरे में छोड़ भागे आरोपी पीड़ित ने बताया कि मारपीट के बाद हाथ-पैर रस्सी से बांधकर उन्हें कमरे में छोड़कर आरोपी फरार हो गए। किसी तरह उन्होंने खुद को रस्सी से छुड़ाया और दरवाजे को ईंट से बजाकर आवाज लगाई। तभी ऊपर के माले पर रह रहे कुछ छात्रों ने दरवाजा खोलकर उन्हें बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। चिकित्सक ने लगाया झूठे केस में फंसाने का आरोप चिकित्सक ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपी विकास कुमार उनकी स्कूटी लेकर हम्जापुर थाना की ओर चला गया और उसमें अवैध हथियार रखकर उन्हें फंसाने की कोशिश की। पीड़ित ने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है।पुलिस पर भी उठे सवाल चिकित्सक ने यह भी कहा कि उन्होंने इस मामले को लेकर थाना में आवेदन दिया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

चौकीदार को खंभे से बांधकर 9 दुकानों को लूटा

सुपौल। किसान चौक पर गुरुवार की रात अपराधियों का आतंक देखने को मिला। हथियारबंद चोरों ने एक साथ 9 दुकानों के ताले तोड़कर नकदी और लाखों रुपए के सामान की चोरी कर ली। इस दौरान रात्रि गश्ती में तैनात चौकीदार को बंधक बनाकर खंभे से बांध दिया गया। जबकि मंदिर के पुजारी को सामुदायिक भवन के कमरे में बंद कर दिया गया था। कपड़े और मोबाइल दुकानों पर टारगेट चेतन चांद वस्त्रालय से हजारों रुपए के नए कपड़े चोरी हुए। शैलेन्द्र कुमार की दुकान से 12 पीस सूट, 80 पीस कपड़े, 60 साड़ियां और 1000 रुपए नकद चोरी किए गए। मोबाइल दुकानदार महेश कुमार की दुकान से 12 आइटेल मोबाइल, 4 स्मार्टफोन, 8 ब्लूटूथ बड्स, 10 स्पीकर और पुराने मोबाइल चोरी कर लिए गए। हरेराम की मोबाइल दुकान से करीब 70 कीपैड मोबाइल, 10 बड्स, 15 पंखे, 2000 रुपये नकद और चार्जर भी ले गए। ज्वेलर्स और इलेक्ट्रॉनिक दुकानों भी लूटे शंकर कुमार साह की दुकान से 15 स्टैंड पंखे, 60 छत पंखे, आधा दर्जन मोटर और 1100 रुपए नकद की चोरी हुई। वहीं, राज राधा ज्वेलर्स के मालिक अजय कुमार स्वर्णकार ने बताया कि चोरों ने करीब ढाई किलो चांदी और 10 ग्राम सोना की चोरी कर ली। उनकी दुकान तीन साल पहले भी चोरी का शिकार हुई थी। किराना और सब्जी विक्रेता के दुकान में चोरी शंभु चौधरी की किराना दुकान से काजू, किसमिस, छोहरा, सरसों तेल, रिफाइंड, सर्फ, गुटखा, खैनी, सिगरेट, दाल, साबुन, मसाले, चावल समेत हजारों की सामग्री और 3500 रुपए नकद चोरी किए गए। प्रमोद मेहता की सब्जी दुकान से भी पुराना पंखा और अन्य सामान चुरा लिए गए।

अवंतिका दसानी ने झेले ढेरों रिजेक्शन

वेब सीरीज मिथ्या से अपनी एक्टिंग पारी शुरू करने वाली एक्ट्रेस अवंतिका दसानी ने हाल ही में फिल्म इन गलियों में के जरिए बड़े पर्दे पर अपना डेब्यू किया। इसी सिलसिले में हुई एक खास मुलाकात के दौरान जानी-मानी अदाकारा भाग्यश्री की बिटिया अवंतिका ने अपने फिल्मी सफर के बारे में कुछ रोचक खुलासे किए

फिल्मी परिवार के बच्चों के बारे में ऐसा माना जाता है कि उन्हें आसानी से थाल में सजाकर फिल्में मिल जाती हैं। हालांकि, यह बात हर स्टार किड पर लागू नहीं होती। कम से कम मैंने प्यार किया फेम एक्ट्रेस भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दसानी का अनुभव तो यही रहा है। साल 2022 में वेब सीरीज मिथ्या से एक्टिंग करियर शुरू करने वाली अवंतिका ने हाल ही में फिल्म इन गलियों में के जरिए बड़े पर्दे पर डेब्यू किया है। अवंतिका के मुताबिक, इस फिल्मी सफर में उन्होंने इतने रिजेक्शन सहे हैं कि उसकी गिनती भी याद नहीं।

पैरेंट्स की बदौलत नहीं मिलता काम

स्टार किड होने के बावजूद इंडस्ट्री में अपने संघर्षों के बारे में अवंतिका बताती हैं, हमारी इंडस्ट्री में किस्मत बहुत अहम है। आप जितनी भी कोशिश करो, आप कभी लकी होंगे, कभी नहीं, तो यह बहुत बड़ी चुनौती होती है। साथ ही, कई मुश्किलें ऐसी होती हैं, जिसका लोगों को यकीन भी नहीं होता, जैसे लोगों को लगता है कि हमारे पैरेंट्स इंडस्ट्री से हैं तो हमें बड़ी आसानी से काम मिल जाता है, मगर ऐसा नहीं है। मैंने इतने ऑडिशन दिए हैं, इतने रिजेक्शन झेले हैं कि उसकी गिनती भी मुझे याद नहीं है और यह हर रोज होता है। इसके बावजूद, मैं इस उम्मीद में डटी हुई हूं कि शायद आने वाले समय में अच्छा काम मिलेगा, जहां यह दिखा पाऊं कि हममें क्या क्षमता है।

तय किया था, एक्ट्रेस नहीं बनूंगी

मां भाग्यश्री और भाई अभिमन्यु दसानी के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को ही करियर चुनने के फैसले पर अवंतिका कहती हैं, असल में मैंने यह फैसला बहुत देर से लिया। मैंने लंदन से बिजनेस ऐंड मार्केटिंग की पढ़ाई की है। मैंने कारपोरेट में काम भी किया है। हालांकि, मुझमें क्रिएटिविटी और परफॉर्मेंस का कीड़ा स्कूल से था। मुझे उसमें मजा आता था, मगर कभी इस चीज को सीरियसली नहीं लिया। उल्टे स्कूल में जब लोग मुझे बोलते थे कि तुझे क्या फर्क पड़ता है, तू तो एक्ट्रेस ही बनेगी तो मुझे बहुत चिढ़ होती थी। मुझे बिल्कुल पसंद नहीं था कि मुझे एक बॉक्स में डाला जाए, क्योंकि मुझे जिंदगी में जो करना है, मैं कर सकती हूं। इसलिए, इसका विरोध करने के लिए मैंने तय किया था कि मैं एक्टिंग नहीं करूंगी। मुझे उन्हें दिखाना था कि चूंकि आपको ऐसा लगता है कि मैं एक्टर ही बनूंगी तो मैं ऐसा नहीं करूंगी। इसलिए, मैंने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और मार्केटिंग में अंडर ग्रेजुएशन किया। काम भी किया लेकिन मैं अपने काम को उतना एंजॉय नहीं कर रही थी। कहीं ना कहीं वह क्रिएटिविटी मुझे खींच रही थी, तब मैंने एक्टिंग वर्कशॉप करना शुरू किया और मुझे एक्टिंग के प्रॉसेस से प्यार हो गया।

मम्मा कहती हैं, आंखों में सचाई दिखनी चाहिए

अवंतिका को अपनी मां भाग्यश्री से सबसे पते की सलाह क्या मिली? यह पूछने पर उन्होंने बताया, मम्मा एक ही चीज बोलती हैं कि आप जो भी डायलॉग बोलो, कुछ भी ऐक्शन करो, वो इमोशन आपकी आंखों में दिखना चाहिए। अगर वह आपकी आंखों में नहीं है तो उसका कोई मतलब नहीं है। आंखों में सचाई दिखनी चाहिए। आज भी अगर मैं ऑडिशन दे रही हूं और मम्मा मेरा ऑडिशन टेप कर रही होती हैं, तो बोलती है कि आंखों में नहीं दिख रहा है, एक बार फिर से करो। यह मम्मा की सबसे बड़ी सीख रही है। वहीं, फिल्म इन गलियों में के लिए एक आम सब्जीवाली के किरदार में ढलने की तैयारी के बाबत वह बताती हैं, असल में हमें तैयारी करने के लिए ज्यादा वक्त नहीं मिला था। शूटिंग से पहले दो हफ्ते ही मिले थे, मगर मैंने अपने डायलेक्ट पर बहुत काम किया। हमारे डायलेक्ट कोच थे, उनकी मदद से काफी रिहर्सल की, ताकि शूटिंग में मेरा किरदार बनावटी ना लगे।

त्रिविक्रम की फिल्म में काल्पनिक किरदार में नजर आएंगे अल्लू अर्जुन

पुष्पा राज फेम अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी कई आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में खबर आई थी कि अल्लू जवान के निर्देशक एटली के साथ फिल्म करने वाले हैं, वहीं अब यह चर्चा जोरो पर है कि अल्लू निर्देशक त्रिविक्रम के साथ भी एक पौराणिक फिल्म कर सकते हैं।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

123 डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, पुष्पा 2 – द रूल की सफलता के बाद अल्लू अर्जुन निर्देशक त्रिविक्रम के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर काम कर रहे हैं। नागा वामसी ने पुष्टि की है कि इस आगामी प्रोजेक्ट की शूटिंग अक्तूबर 2025 में शुरू होगी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि यह फिल्म भारतीय पौराणिक कथाओं के एक काल्पनिक किरदार पर आधारित होगी, जिसे अल्लू निभाएंगे।

फिल्म में कैसा होगा अल्लू का किरदार

वहीं फिल्म में यह अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि इसमें अल्लू भगवान कुमारस्वामी का किरदार निभाते नजर आएंगे। हालांकि, अभी तक निर्माताओं की ओर से इस फिल्म के बारे में कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बहरहाल, फिल्म की पूरी कास्ट के बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इतना तय है कि इस फिल्म को नागा वामसी और फॉर्च्यून फोर सिनेमा साथ मिलकर बनाएंगे। उम्मीद है कि यह फिल्म 2026 या उसके बाद रिलीज होगी।

अल्लू अर्जुन का करियर

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द रूल 4 दिसंबर 2024 को रिलीज हुई थी। यह अल्लू के करियर की ब्लॉकबस्टर फिल्म रही। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों की कमाई कर कई फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़े। इस फिल्म में अल्लू के साथ रश्मिका मंदाना की जोड़ी को प्रशंसकों ने खूब पसंद किया।

कार्तिक आर्यन की फिल्म से आउट हुईं श्रीलीला

श्रीलीला इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं, जिनमें हाल ही में साउथ अभिनेता नितिन के साथ उनकी तेलुगु फिल्म रॉबिनहुड रिलीज हुई है। वहीं श्रीलीला, कार्तिक के साथ एक अनाम फिल्म में नजर आएंगी, लेकिन वहीं अब उन्हें कार्तिक की ही एक फिल्म से निकाल दिया गया है। एक खबर के मुताबिक, श्रीलीला को कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म पती पत्नी और वो के सीक्वल में फाइनल कर लिया गया था, लेकिन आखिरी मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने उन्हें हटा दिया। कहा जा रहा है कि यह फिल्म पति पत्नी और वो का सीक्वल है, जिसमें श्रीलीला को लगभग फाइनल कर ही लिया गया था। लेकिन अब उनकी जगह रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को ले लिया गया है। वहीं, श्रीलीला इस समय कार्तिक आर्यन के साथ अपनी पहली अनाम हिंदी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। इस शूटिंग के वीडियो सोशल मीडिया पर पहले ही वायरल हो चुके हैं।

अखंडा 2-थंडवम में राजनीतिक नेता की भूमिका निभाएंगी विद्या बालन

साउथ सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण और निर्देशक बोयापति श्रीनु की फिल्म अखंडा के दूसरे पार्ट की घोषणा की जा चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि अब इस फिल्म में उस बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री हुई है, जिन्हें आप इस किरदार में खूब पसंद करेंगे। नतासिम्हा नंदमुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म अखंड की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी अखंडा 2 – थंडवम की शूटिंग में व्यस्त हैं। बोयापति श्रीनु के निर्देशन में बन रही यह फिल्म तेजी से तैयार हो रही है। एक खबर के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन को फिल्म में एक अहम किरदार के लिए चुना गया है। कहा जा रहा है कि वह एक राजनीतिक नेता की भूमिका निभाएंगी। यह बालकृष्ण के साथ उनकी दूसरी फिल्म होगी, इससे पहले वह एनटीआर की बायोपिक में उनके साथ काम कर चुकी हैं। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नही हुई है। अखंडा का दूसरा पार्ट अखंडा 2 आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जा चुका है। निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया था और महाकुंभ मेले में अखंडा 2- तांडवम के कुछ महत्वपूर्ण एपिसोड शूट किए गए थे। फिल्म अखंडा 2 पैन इंडिया स्तर पर रिलीज की जाएगी।

ओटीटी प्लेटफॉर्म ने कई नए लोगों को मौके दिए

विवान शाह की फिल्म कोट हाल ही में वेव्स पर रिलीज हुई है। इसमें संजय मिश्रा भी लीड रोल में हैं।

किस चीज ने आपको फिल्म कोट करने के लिए प्रेरित किया?

यह एक ऐसी कहानी है और किरदार है, जो मेरे तजुर्बे और समझ से बहुत ही बाहर है। इसे जीवित करने के लिए कल्पना, इंसानियत और ऑब्जर्वेशन की जरूरत पड़ी। यह ऐसे लोगों की कहानी है जिन्हें कई बार हम देखते रहते हैं लेकिन हम उनके बारे में सोचते नहीं हैं। यह मेरे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कहानी थी। ये हमारी एक छोटी सी कोशिश है, जो समस्याएं हैं उन्हें सुधारने की। इसमें जो मेरा किरदार है उसे एक एक्टर और इंसान के तौर पर निभाना बहुत बड़ा चैलेंज है। शायद इसी चीज ने मुझे इस कहानी का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया।

अब फिल्म ओटीटी पर है तो इस बारे में आप क्या कहेंगे?

मैं बहुत खुश हूं कि फिल्म ओटीटी पर आई है और एक ऐसे प्लेटफार्म पर है, जिसकी परंपरा बहुत पुरानी है। दूरदर्शन (वेव्स) के जरिए बहुत बड़ी कहानियां और फिल्में एक बड़ी ऑडियंस तक पहुंच पाईं। दूरदर्शन एक इंपॉर्टेंट इंस्टीट्यूशन है और मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि मेरी फिल्म इस प्लेटफार्म पर रिलीज हुई है क्योंकि यह इंस्टीट्यूशन हम सभी के दिलों के बेहद करीब है। ये हमारे बड़े होने के दौरान का एक बहुत बड़ा हिस्सा था और आज

क्या ओटीटी आने के बाद इंडस्ट्री में कुछ बदलाव आए हैं?

जी हां। बहुत सारे बदलाव आए हैं। बहुत सारे बढ़िया मौके मिले हैं। बहुत सारे कलाकारों को चाहे वो अभिनेता हों, अभिनेत्रियां हों या फिर डायरेक्टर-राइटर-टेक्निशियन हों। ओटीटी ने कई लोगों को मौके दिए हैं और इसके आने से काम के मौके भी बढ़े हैं। साथ-साथ एक्सपेरिमेंट्स के भी मौके बढ़ गए हैं। हमारी इंडस्ट्री के लिए बहुत ही बड़ा रिवॉल्यूशन है।

शारिब हाशमी ने बताया 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन में क्या होगा नया

मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे भाग का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब तक इस सीरीज के दो पार्ट आ चुके हैं और दोनों को ही लोगों ने काफी पसंद किया है। अब इसके आने वाले तीसरे भाग को लेकर शारिब हाशमी ने बात की है। साथ ही उन्होंने ये दावा किया है कि आने वाले तीसरे सीजन में मजा भी तीनगुना होने वाला है और सीरीज में कई नए तथ्य भी देखने को मिलेंगे।

काफी बड़े पैमाने पर होगा सीजन 3

बातचीत में शारिब हाशमी ने 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन को लेकर बात की। उन्होंने कहा, तीसरे सीजन में मेरे किरदार में काफी कुछ नया है। हम नई चीजें सीखेंगे, ज्यादा मौज मस्ती करेंगे और यह सीजन बाकी दोनों सीजन से काफी बड़े स्तर पर होने वाला है। पहले सीजन को लोगों ने पसंद किया। इसके बाद दूसरे सीजन में लोगों का मजा दोगुना हो गया। अब तीसरे सीजन में गारंटी लेता हूं कि सभी का मजा तीन गुना होने वाला है।

मेरे लिए किरदार में ढलना आसान था

सीरीज में अपने किरदार जेके तलपड़े के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मेरे लिए किरदार में ढलना काफी आसान था। क्योंकि मैं मुंबई में ही पैदा हुआ और यहीं पर बड़ा हुआ हूं। मैं चारों तरफ मराठी भाषा बोलने वाले लोगों से ही घिरा रहता हूं। मैंने 10वीं कक्षा तक स्कूल में मराठी पढ़ी है। मेरे अधिकांश दोस्त महाराष्ट्र से ही हैं।

इसलिए मिला जेके तलपड़े का किरदार

शारिब ने आगे बताया कि उनकी भाषा में कई तरह के प्रभाव देखने को मिलते हैं, क्योंकि उनके पिता उत्तर प्रदेश से और मां दिल्ली से थी। हालांकि, उन्हें मराठी काफी पसंद है। इसलिए जब उन्होंने 'द फैमिली मैन' के लिए ऑडिशन दिया, तो निर्माताओं ने उन्हें जेके तलपड़े का किरदार निभाने को दिया।

'संदूक' में नजर आए शारिब

वर्कफ्रंट की बात करें तो शारिब हाशमी की हालिया रिलीज 'संदूक' है, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स पर स्ट्रीम कर रही है। इसके अलावा वो इसी साल रिलीज हुई जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमेट' में भी नजर आए थे।

विश्वंभरा में अभिनय के साथ गायकी का हुनर दिखाएंगी चिरंजीवी?

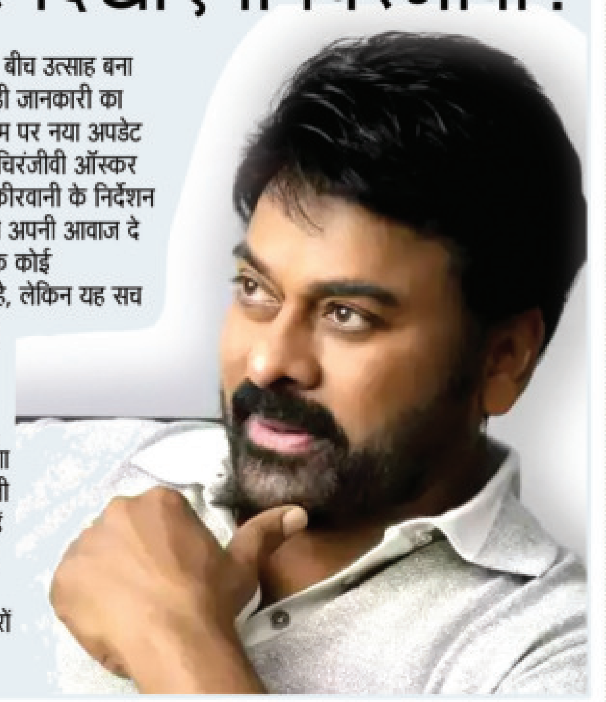

विश्वंभरा को लेकर फैंस के बीच उत्साह बना हुआ है। फैंस फिल्म से जुड़ी जानकारी का इंतजार करते हैं। अब फिल्म पर नया अपडेट सामने आया है चर्चा है कि चिरंजीवी ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरवानी के निर्देशन में विश्वंभरा के एक गाने को अपनी आवाज दे सकते हैं हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नही हुई है, लेकिन यह सच हुआ तो इससे फैंस काफी खुश होंगे।

फिल्म में तृषा कृष्णन, आशिका रंगनाथ, कुणाल कपूर, राम्या पसुपलेटी, ईशा चावला और आश्रिता वेमुगंती नंदूरी मुख्य भूमिकाओं में हैं यूवी क्रिएशंस द्वारा निर्मित यह फिल्म अगस्त या सितंबर 2025 में सिनेमाघरों में आने की उम्मीद है।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को चेन्नई सुपर (सीएसके) अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में जीत के लिए हालांकि सीएसके के बल्लेबाजों और गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। यहां की पिच स्पिनर की सहायक रही है, ऐसे में स्पिनरों की भूमिका अहम रहेगी। दोनो ही टीमों के पास अच्छे स्पिनर हैं। दिल्ली के स्पिनर कुलदीप यादव और चेन्नई सुपर किंग्स के पास अनुभवी आर अश्विन हैं। बीच के ओवरों में इन दोनों ही स्पिनरों पर काफी कुल निर्भर करेगा। वहीं अगर बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली कैपिटल्स के पास फाफ डु प्लेसी, केएल राहुल, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम और कप्तानी अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी हैं।

वहीं दूसरी ओर सीएसके की बल्लेबाजी कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और शिवम दुबे पर आधारित रहेगी। अनुभवी बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी इस मैच में भी निचले क्रम पर ही उतरेंगे क्योंकि हाल में टीम के कोच ने कहा था कि वह लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते।

ऐसे में शिवम और जडेजा को तेजी से रन बनाने होंगे। टीम के सलामी बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी अब तक तेज गेंदबाजों के सामने सहज नहीं दिखे। पारी की शुरुआत में वह भी वह विफल रहे। दिल्ली की टीम को अनुभवी फाफ डु प्लेसी से लाभ मिल सकता है। इसके अलावा टीम के पास जैक-फ्रेजर मैकगर्क, ट्रिस्टन स्टब्स और अभिषेक पोरेल जैसे बल्लेबाज भी हैं।

इस मैच में सीएसके के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन भी अंतर पैदा कर सकते हैं। वह हालांकि अभी तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स = रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रवींद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुडा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस। गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ।

दिल्ली कैपिटल्स =अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसी, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव।

पाक क्रिकेट का भविष्य खतरे में नजर आ रहा : बासित

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बल्लेबाज बासित अली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम के खराब प्रदर्शन पर निराश जताते हुए कहा है कि अगर यही हालात रहे तो आने वाले समय में टीम को विश्व कप सहित बड़े टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए क्वालीफाइंग मुकाबले खेलने पड़ेंगे। बासित ने कहा कि जिस प्रकार टीम चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप-स्तर से भी आगे नहीं बढ़ पायी और उसके बाद अब कीवी टीम के खिलाफ टी20 ओर एकदिवसीय प्रारूप में हारी है उससे लगता है कि देश में क्रिकेट प्रतिभाएं समाप्त हो गयी हैं। बासित ने कहा कि अब उन्हें पाक क्रिकेट का भविष्य संकट में दिख रहा है। उनका मानना ??है कि अगर शीघ्र ही कदम नहीं उठाये गये तो हालात हाथ से निकल जाएंगे। उन्होंने कहा, अगर हम निर्णय नहीं लेते हैं और सुधार नहीं करते हैं, तो हमें क्वालीफाइंग राउंड खेलना पड़ेगा। हमने विरोधी टीमों केतेज गेंदबाजों के सामने सभी 10 विकेट गंवा दिए। पाक क्रिकेट का हाल ये हो गया है कि वह बाबर आजम के नाम से शुरू होता है और उसी पर खत्म हो जाता है। बासित ने कहा कि एशिया कप के सुपर फोर चरण में भारतीय टीम ने उसे हराया था तभी से टीम का खराब दौर शुरु हो गया था।

उन्होंने कहा, भारत के खिलाफ एशिया कप का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। उसके बाद जिस प्रकार से विराट कोहली और के एल राहुल ने हमारे गेंदबाजों को पीटा उससे हमारी टीम संभल नहीं पायी। वहीं टी20 विश्वकप में पाक टीम उसके बाद से न तो पाकिस्तान की बल्लेबाजी और न ही गेंदबाजी स्थिर हुई है। पिछले साल के टी20 विश्व कप में भी हमारी टीम छोटे से लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी।

जसप्रीत बुमराह का रिहैब जारी, मुंबई इंडियंस के अगले मैचों में खेलना मुश्किल

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के मैच में नहीं खेल पाएंगे और 7 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले हाई-वोल्टेज मैच में भी उनका खेलना संदिग्ध है। यह स्क्वॉड के लिए झटका है, लेकिन एक अच्छी बात यह भी है। बुमराह वापसी के करीब हैं क्योंकि वह बीसीसीआई के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैबिलिटेशन जारी रख रहे हैं।

पीठ के निचले हिस्से में तनाव से जुड़ी तकलीफ के बाद बुमराह जनवरी से ही खेल से बाहर हैं। इसके बाद वह चैंपियंस ट्रॉफी से भी चूक गए जिसे भारत ने पिछले महीने जीता था, हालांकि उन्हें शुरू में प्रोविजनल स्क्वॉड में शामिल किया गया था। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें जनवरी की शुरुआत से 5 सप्ताह के लिए आराम करने की सलाह दी थी। हाल के हफ्तों में 31 वर्षीय खिलाड़ी धीरे-धीरे अपने गेंदबाजी कार्यभार का निर्माण कर रहा है और फिटनेस परीक्षण के अंतिम दौर के करीब है।

बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ से मंजूरी मिलने के बाद ही उन्हें एमआई टीम में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। बुमराह खुद अपनी वापसी में सतर्क रहे हैं, मैदान पर वापस कदम रखने से पहले पूर्ण फिटनेस को प्राथमिकता देते हुए 28 जून से इंग्लैंड में भारत की आगामी पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला पर नजर रखते हुए।

एमआई के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने आखिरी बार 19 मार्च को बुमराह की स्थिति के बारे में बात की थी जिसमें अपने प्रमुख तेज गेंदबाज के बिना सीजन शुरू करने की चुनौती को स्वीकार किया था। उस समय मुंबई को उम्मीद थी कि बुमराह अप्रैल में वापसी करेंगे, लेकिन तब से समयसीमा को पीछे धकेल दिया गया है। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 में अब तक तीन मैच खेले हैं, जिसमें 1-2 जीत-हार का रिकॉर्ड है। बुमराह की अनुपस्थिति में टीम ने सत्यनारायण राजू, विग्नेश पुथुर और अश्विनी कुमार जैसे नए चेहरों को शामिल किया है, जबकि ट्रेंट बोल्ट और दीपक चाहर ने तेज गेंदबाजी की कमान संभाली है। हार्दिक पांड्या ने सीम विभाग में अतिरिक्त सहायता प्रदान की है।

पंजाब और राजस्थान के मुकाबले में जायसवाल की फॉर्म पर रहेगी नजर

मुल्लांपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने नियमित कप्तान संजू सैमसन की अगुवाई में पंजाब किंग्स के खिलाफ शनिवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग का मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरेगी तो सभी की निगाह खराब फॉर्म में चल रहे यशस्वी जायसवाल पर टिकी रहेगी जो मैदान के बाहर की घटनाओं के बजाय अपने प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरना चाहेंगे।

जायसवाल हाल में तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने मुंबई की टीम के अपने एक सीनियर साथी के साथ कथित मतभेदों के कारण घरेलू क्रिकेट में गोवा की तरफ से खेलने का फैसला किया। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज आईपीएल में अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। उन्होंने दिन मैच में केवल 34 रन बनाए हैं जिसका उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स पर काफी प्रभाव पड़ रहा है।

जायसवाल की खराब फॉर्म का एक कारण उनका मैच अभ्यास की कमी है क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी में वनडे क्रिकेट में पदार्पण के बाद वह आईपीएल से पहले किसी प्रतिस्पर्धी मैच में नहीं खेले थे। उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी की टीम से भी बाहर कर दिया गया था।

सैमसन की उंगली में चोट के कारण राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को पहले तीन मैच के लिए कप्तान नियुक्त किया था और यह स्पष्ट नहीं है कि जायसवाल को यह फैसला नागवार गुजरा या नहीं। लेकिन यह बात किसी से छुपी नहीं है कि जायसवाल आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में बड़ी भूमिका निभाना चाहते हैं लेकिन अभी उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना होगा क्योंकि आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में फॉर्म बद से बदतर होने में देर नहीं लगती।

रियान पराग की कप्तानी में नेतृत्व कौशल की अनुभवहीनता स्पष्ट नजर आई लेकिन इस बीच उसकी टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को हराया जिससे उसके खिलाड़ी आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे। रॉयल्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर होंगे जिन्होंने लगातार दो अर्धशतक जमा कर अपनी शानदार फॉर्म का परिचय दिया है। वह लंबे शॉट खेलने से नहीं हिचकिचा रहे हैं।

इसका सबूत यह है कि उन्होंने अभी तक केवल दो मैच में 13 छक्के लगाए हैं। अय्यर ने आईपीएल 2024 में 16 मैच में इतने छक्के लगाए थे। यही नहीं अय्यर ने अपने कप्तानी कौशल का भी शानदार नमूना पेश किया है। उन्होंने पहले दो मैच में जिस तरह से ग्लेन मैक्सवेल का स्पिन गेंदबाज के रूप के रूप में इस्तेमाल किया, वह सराहनीय है। जहां तक राजस्थान रॉयल्स का सवाल है तो संजू सैमसन की कप्तान के रूप में वापसी से उसकी टीम का हौसला बढ़ेगा लेकिन पंजाब किंग्स के विजय अभियान पर रोक लगाने के लिए उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीमें

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, जोश इंग्लिस, प्रभसिमरन सिंह, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, आरोन हार्डी, मार्को जानसन, ग्लेन मैक्सवेल, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, लॉकी फर्ग्यूसन। हरप्रीत बराड़, कुलदीप सेन, विजयकुमार वैश्य, यश ठाकुर।

राजस्थान रॉयल्स : संजू सैमसन (कप्तान), रियान पराग, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल राठौड़, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, युद्धवीर सिंह, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय सिंह, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, संदीप शर्मा।

एसीसी के नये अध्यक्ष बने पीसीबी प्रमुख नकवी

दुबई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के नये अध्यक्ष बने हैं। नकवी श्रीलंका के शम्मी सिल्वा की जगह लेंगे। एसीसी अध्यक्ष पद सभी सदस्य देशों के बोर्ड प्रमुखों को मिलता रहता है। अब तक इस पद पर श्रीलंकाई बोर्ड के प्रमुख सिल्वा थे। नकवी साल 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। नकवी की अब पहली जिम्मेदारी एशिया कप के आयोजन की होगी। एशिया कप सितंबर में टी20 प्रारूप में ही खेला जाएगा। इसके आयोजन स्थल की घोषणा अभी होनी है। नकवी ने एसीसी अध्यक्ष बनने पर सभी का आभार जताते हुए कहा कि मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। नकवी ने कहा कि उनका लक्ष्य क्षेत्र में तेजी से विकास के लिए मिलकर काम करना रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं खेल के विकास और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने के लिए सभी सदस्य बोर्ड के साथ काम करने को प्रतिबद्ध हूं। इस दौरान मेरा प्रयास सभी के साथ मिलकर नए अवसरों को खोजना रहेगा।, साथ ही कहा कि हम आपसी सहयोग को बढ़ावा देंगे और एशियाई क्रिकेट को ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। नकवी ने कहा कि मैं निवर्तमान एसीसी अध्यक्ष को भी उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। एसीसी बैठक वर्चुअली आयोजित की गई थी। इसमें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का प्रतिनिधित्व उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने किया। वहीं निवर्तमान अध्यक्ष सिल्वा ने एसीसी सदस्यों के अलावा इसके पूर्व पमुख रहे भारत के जय शाह को भी धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि उनके नेतृत्व में एसीसी ने कई अहम उपलब्धियां हासिल की जिसमें एसीसी एशिया कप व्यावसायिक अधिकारों के लिए अब तक का सबसे अधिक मूल्य हासिल करना, नई कार्यक्रम संरचना शुरू करना और एशिया में क्रिकेट के निरंतर विकास का मार्ग प्रशस्त करना आदि है।

टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने से उत्साहित हैं डफी

हैमिल्टन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी इससे बेहद उत्साहित हैं। इस खिलाड़ी ने ताजा रैंकिंग में 4 स्थान की छलांग लगाकर वानिंदु हसरंगा, आदिल राशिद, वरुण चक्रवर्ती और अकील होसेन जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है। डफी को पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। डफी ने अब तक केवल 23 मैच ही खेले हैं। डफी ने कहा कि आईसीसी रैंकिंग में जगह मिलना बेहद सम्मान की बात है। डफी ने पांच साल पहले दिसंबर 2020 में पाकिस्तान के खिलाफ ऑकलैंड में अपना टी20 डैब्यू किया था। इस गेंदबाज ने अब तक 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 32 विकेट लेकर रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। डफी इसी के साथ ही साल 2018 में स्पिनर ईश सोढ़ी के बाद रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं।, जो पहले शीर्ष स्थान पर थे। पिछले कुछ समय में डफी मैट हेनरी और काइल जैमीसन जैसे नियमित खिलाड़ियों के नहीं होने पर एक प्रभावशाली तेज गेंदबाज के रूप में उभरे हैं। हाल ही में हुई टी20 सीरीज में उन्होंने 8.38 की औसत से अपने 5 मैचों में 13 विकेट लिए हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं, जिन्होंने अब तक 2 मैचों में 5 विकेट लिए हैं।

दोनो हाथों से गेंदबाजी करने वाले आईपीएल इहिहास के एकमात्र गेंदबाज हैं कामिंदू

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे ऑफ स्पिनर कामिंदू मेंडिस दोनो ही हाथों से गेंदबाजी करने के कारण सबके आकर्षण का केन्द बने हुए हैं। उन्होंने ईडन गार्डन में हुए पहले ही मैच में दोनों हाथों से गेंदबाजी करते हुए विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। वह आईपीएल इतिहास में ऐसा करने वाले पहले पुरुष गेंदबाज हैं। मेंडिस को टीम ने केवल 75 लाख रुपए में खरीदा पर उनका प्रदर्शन इससे कहीं अच्छा रहा है। वह श्रीलंका की टीम के लिए तीनों प्रारूपों में खेलते हैं। वहीं घरेलू क्रिकेट में वह कोलंबो क्रिकेट क्लब में शामिल हैं। मेंडिस ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत अक्टूबर 2018 में टी20 प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ की थी। इसके बाद से ही वह टेस्ट और एकदिवसीय में भी श्रीलंका की ओर से खेलते रहे हैं। वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते है। उनके नाम कई रिकार्ड भी हैं।

मेंडिस टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही 8 मैचों में 50 से अधिक रन बनाने वाले टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहले बल्लेबाज हैं। उन्होंने अपने डेब्यू के बाद लगातार 8 टेस्ट मैचों में 50 से अधिक रन बनाए हैं। यह रिकॉर्ड उन्होंने साल 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ गॉल टेस्ट में बनाया था। मेंडिस ने मात्र 13 टेस्ट पारियों में 5 शतक लगाये हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ दो-दो। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ एक शतक लगाया है। इससे वह युवा टेस्ट बल्लेबाजों में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। इस क्रिकेटर ने 12 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 74.72 की औसत से 1,184 रन बनाए हैं, जिसमें 5 शतक और 4 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 200 रन है। मेंडिस ने अपने टेस्ट करियर में तेजी से 1,000 रन पूरे किए, जिसमें उनकी निरंतरता और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता झलकती है। टेस्ट में सबसे तेज 1000 रन बनाने के मामले में उन्होंने डॉन ब्रैडमैन का रिकॉर्ड बराबर किया था। 19 एकदिवसीय में उनके नाम 353 और 23 टी20 मैचों में 381 रन हैं।

वह अच्छी 'रॉन्ग उन' डालता है, कुलदीप यादव ने युवा स्पिनर की तारीफ की

चेन्नई। दुनिया के शीर्ष बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने युवा अफगान गेंदबाज नूर अहमद की तारीफ करते हुए कहा कि बल्लेबाजों के लिए उनकी तेज गति वाली गुगली को समझना काफी मुश्किल है। कुलदीप और नूर अपनी-अपनी टीम के लिए अच्छी फॉर्म में हैं और शनिवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाले मैच में काफी कुछ इन दोनों के प्रदर्शन पर निर्भर होगा। जहां कुलदीप ने तीन मैच में छह से कम की इकॉनमी रेट से पांच विकेट लिए हैं, वहीं नूर इस दौरान नौ विकेट झटके है। वह 6.83 की इकॉनमी रेट के साथ विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। कुलदीप ने मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, 'वह वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहा है और मैं उसे व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। वह ऐसा गेंदबाज है जो सभी से सीखने की कोशिश कर रहा है। कल रात भी हमारी बातचीत हुई थी। मैं उसके साथ बैठा था और हमने लेग-स्पिन के बारे में बातचीत की थी।' भारत के इस अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने कहा, 'और जाहिर है उसके पास एक शानदार 'रॉन्ग उन' गेंद है और इस तरह की गति के साथ बल्लेबाज के लिए उनकी गेंद को समझना बहुत मुश्किल है। कुलदीप ने कहा, 'खासकर जब आप चेन्नई में खेलते हैं तो किसी भी कलाई के स्पिनर के खिलाफ रन बनाना हमेशा बहुत मुश्किल होता है।' कुलदीप ने केकेआर के वरुण चक्रवर्ती की भी बहुत तारीफ की जो भारत की टी20 टीम का एक अहम सदस्य बन गया है। उन्होंने कहा, 'वरुण पिछले एक साल से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। जाहिर है, वह पिछले कुछ साल से केकेआर के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने इस पल तक आने के लिए बहुत अच्छा खेल दिखाया है।'

प्रशंसक बोले, पंजाब किंग्स अगर आईपीएल जीती तो श्रेयस को मिलेंगे ढ़ेरों इनाम

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेली रहे पंजाब किंग्स अंकतालिका में अभी शीर्ष पर चल रही है। उसने अपने सभी मैच जीते हैं। ऐसे में इस बार टीम को खिताब जीतने की पूरी उम्मीद है। पंजाब किंग्स अभी तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी है। ऐसे में उसे उम्मीद है कि श्रेयस टीम को इस बार जरुर जीत दिला पायेंगे। श्रेयस की ही कप्तानी में पिछली बार कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने खिताब जीता था। वहीं इसी बीच प्रशंसकों के तरह तरह से वीडियो सामने आ रहे हैं। इसमें कहा जा रहा है कि पंजाब को चैंपियन बनाने पर अय्यर को क्या क्या उपहार मिलेंगे। पंजाब किंग्स की टीम ने आईपीएल नीलामी में श्रेयस को दूसरी सबसे बड़ी बोली 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। श्रेयस ने जिस प्रकार से अब तक जबरदस्त बल्लेबाजी और कप्तानी की है उससे लगता है कि टीम का उनको खरीदने का फैसला सही था। उनके खरीदने है, उससे उनका फ्रेंचाईजी टीम का यह फैसला अब तक सही साबित होता नजर आ रहा है। टीम ने इस सीजन खेले अपने पहले दोनों ही मुकाबले में दमदार जीत दर्ज की है। टूर्नामेंट के पहले मैच में श्रेयस ने 42 गेंदों पर 97 रन की नाबाद पारी खेली जबकि लखनऊ के खिलाफ 30 गेंद खेलकर 52 रन बनाए। अब प्रशंसक उनको पंजाब को आईपीएल चैंपियन बनाने के बाद मिलने वाले मिलने वाले उपहारों की भी मजाक में घोषणा करने लगो हैं। इसी को लेकर एक पोडकास्ट में पूछा गया कि अगर श्रेयस आईपीएल में पंजाब को चैंपियन बनाते हैं तो उनको क्या क्या मिलेगा। इस पर जवाब में कहा गया कि अगर उन्होंने पंजाब की टीम को आईपीएल जिता दिया तो वो सारी जिंदगी के लिए मेरे गांव के सरपंच हो जाएंगे। मोहाली में अय्यर के नाम की कालोनी और सड़कें बनवाएंगे। इसके अलावा उन्हें बंगले के साथ ही 100 एकड़ जमीन भी मिलेगी उनको 10 एकड़ की जमीन में एक शानदार कोठी बनवाकर देंगे। इसके अलावा भी उन्हें कई इनाम मिलेगें।

घरेलू टीमों के अनुसार बनायी जानी चाहिये पिच : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लगी आईपीएल में जहां कई टीमों ने पिच को लेकर सवाल उठाये हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि घरेलू टीमों को अपने अनुसार पिच बनवाने का अधिकार होना चाहिये। उन्होंने कहा कि यह घरेलू टीमों को मिलने वाले लाभ का एक अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर घरेलू टीम को यह तय करने का अधिकार होना चाहिए कि वे किस तरह की पिच चाहते हैं, उन्हें ये मांग करनी चाहिए, और मुझे लगता उन्हें यह मिलना चाहिए क्योंकि घरेलू लाभ वास्तविक है, और यह केवल दो रूपों में आता है। एक वह पिच जिसे आप चुनते हैं और दूसरा अपने प्रशंसकों का समर्थन। इसके अलावा यह एक दूर का खेल है जो दूसरी टीम को भी मिलता है। चोपड़ा ने का यह भी मानना था कि पिच किसी टीम के प्रदर्शन के लिए सबसे अहम कारक है, यहां तक कि भीड़ के समर्थन से भी ज्यादा। उनका मानना है कि अगर पिच की स्थिति आपके खिलाफ है, तो टीम की पूरी खेल योजना पर पानी फिर सकता है। उन्होंने कहा, सबसे जरुर बात यह है कि वे किस पिच पर खेलने जा रहे हैं। ऐसे में दर्शकों की भीड़ मायने नहीं रखती। साथ ही कहा कि अगर आप पिच को हटा देते हैं, तो मुझे लगता है कि पूरी योजना खराब हो जाएगी। इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित ने कहा है कि ईडन गार्डन्स में पिच तैयार करने पर उनकी टीम का बहुत कम या कोई प्रभाव नहीं है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने भी कहा कि उनकी टीम को घरेलू पिच पर लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि उन्हें हाल के सत्रों में अपने घरेलू पिचों को समझने में परेशानी आई। इसके अलावा लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच जहीर खान ने भी कहा कि पिच उनके अनुसार नहीं थी।

नीरज चोपड़ा वैश्विक भाला फेंक स्पर्धा में हिस्सा लेंगे, विश्व एथलेटिक्स से मिला है ए श्रेणी का दर्जा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा स्टार खिलाड़ियों से सजी वैश्विक भाला फेंक स्पर्धा में शिरकत करेंगे जिसका आयोजन 24 मई को पंचकुला में होगा। इस प्रतियोगिता का नाम नीरज चोपड़ा क्लासिक रखा गया है क्योंकि यह भारतीय स्टार इसके आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहा।

खेल की संचालन संस्था विश्व एथलेटिक्स ने इस प्रतिस्पर्धा को श्रेणी ए का दर्जा दिया है जो ताऊ देवी लाल स्टेडियम में होगी। विश्व एथलेटिक्स की वेबसाइट ने हालांकि इस स्पर्धा को अपने 'कॉन्टिनेंटल टूर% के तौर पर सूचीबद्ध नहीं किया है। यह कैलेंडर हालांकि सत्र की शुरुआत से पहले लगाया गया था।

इससे पहले जनवरी में विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने इस स्पर्धा का समर्थन करते हुए कहा था कि इससे भारत की शीर्ष स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की काबिलियत को प्रदर्शित करने में मदद मिलेगी। इस प्रतिस्पर्धा की आयोजन समिति में चोपड़ा भी शामिल हैं।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के साथ मिलकर उन्होंने इस प्रतियोगिता को देश में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स इस प्रतियोगिता को विश्व एथलेटिक्स कैलेंडर में वार्षिक टूर्नामेंट बनाना चाहते हैं। एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि इस टूर्नामेंट से देश की एथलेटिक्स छवि में सुधार आएगा।

सागू ने कहा, 'यह टूर्नामेंट उसी स्थान पर हो रहा है जहां नीरज ने अपने जूनियर शिविर का अधिकांश समय बिताया था। वह इस टूर्नामेंट को अपने गृह राज्य में करवाना चाहते होंगे। नीरज की भागीदारी के साथ देश में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करना भारतीय एथलेटिक्स के लिए बहुत अच्छी बात है।' हरियाणा के पानीपत के करीब खांद्रा गांव के रहने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा ने 2012 से 2015 तक पंचकुला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में ट्रेनिंग ली थी। चोपड़ा ने हाल में दिग्गज भाला फेंक खिलाड़ी जान जेलेजनी को अपना कोच बनाया है और उनके 16 मई को दोहा डायमंड लीग प्रतियोगिता में अपना सत्र शुरू करने की उम्मीद है। पंचकुला में होने वाला यह टूर्नामेंट इस सत्र में नीरज की दूसरी प्रतियोगिता होगी।

पाकिस्तान को हिंदू राष्ट्र बनाने को लेकर दो दिग्गजों में छिड़ी जंग

मुंबई। पाकिस्तान को हिंदू राष्ट्र बनाने के नाम पर दो दिग्गज नेताओं में सियासी जंग छिड़ गई है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भाजपा के नेता नितेश राणे ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी पाकिस्तान को 'हिंदू राष्ट्र' बनाना चाहती है। मत्स्य और बंदरगाह विकास मंत्री राणे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह बयान दिया। उन्होंने अपने पोस्ट में शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत के उस आरोप का जवाब दिया जिसमें राउत ने कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भारत को 'हिंदू पाकिस्तान' बनाना चाहते हैं। राणे ने लिखा, लेकिन हम पाकिस्तान को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। इसे ध्यान में रखें और अपनी हद में रहें। मंत्री का यह बयान शिवसेना (उबाठा) के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित राउत के हालिया साप्ताहिक लेख के संदर्भ में माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने भाजपा पर सांप्रदायिक नफरत फैलाने और भारत को 'हिंदू पाकिस्तान' बनाने की दिशा में ले जाने का आरोप लगाया था। इससे पहले, राणे ने छत्रपति संभाजीनगर जिले के खुल्ताबाद में स्थित औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग की थी। साथ ही, उन्होंने केरल को 'मिनी पाकिस्तान' भी कहा था। बता दें कि शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि केंद्र सरकार की नजर वक्फ बोर्ड की जमीन पर है और अगला निशाना मंदिरों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों की जमीन हो सकती है। उद्धव ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने के कुछ घंटे बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी पार्टी इस विधेयक पर भाजपा के कपटपूर्ण रुख और 'वक्फ की जमीन छीनकर अपने उद्योगपति मित्रों को देने की उसकी चाल' का विरोध करती है।

पेड़ काटे जाने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिव को जेल भेजने की दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार से हैदराबाद विश्वविद्यालय के बगल में स्थित भूखंड पर लगे बड़े वृक्षों को हटाने की मजबूरी के बारे में स्पष्टीकरण मांगा। साथ ही अगले आदेश तक किसी भी प्रकार की गतिविधि पर रोक लगा दी। रिपोर्ट में अदालत को बताया गया कि बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए हैं। शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि अगर उसे राज्य की ओर से कोई चूक मिली तो वह मुख्य सचिव के खिलाफ कार्रवाई करेगी। पीठ ने कहा, उन्हें (मुख्य सचिव) झील के पास उसी स्थान पर बनाई गई अस्थायी जेल में भेजा जाएगा। राज्य में पेड़ों की कटाई को बहुत गंभीर मामला बताते हुए न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि तेलंगाना उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार द्वारा उसके समक्ष पेश की गई अंतरिम रिपोर्ट 'चिंताजनक तस्वीर' पेश करती है। पीठ ने कहा, हम निर्देश देते हैं कि अगले आदेश तक, पहले से मौजूद पेड़ों के संरक्षण के अलावा, किसी भी प्रकार की कोई गतिविधि राज्य द्वारा नहीं की जाएगी। पीठ ने तेलंगाना के मुख्य सचिव से पूछा कि राज्य द्वारा पेड़ों को हटाने समेत विकासात्मक गतिविधियां शुरू करने की तत्काल इतनी क्या मजबूरी है। मुख्य सचिव को यह भी बताने का निर्देश दिया गया कि क्या राज्य ने ऐसी गतिविधियों के लिए पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि अगर उसे राज्य की ओर से कोई चूक मिली तो वह मुख्य सचिव के खिलाफ कार्रवाई करेगी। पीठ ने कहा, उन्हें (मुख्य सचिव) झील के पास उसी स्थान पर बनाई गई अस्थायी जेल में भेजा जाएगा। पीठ ने पूछा कि क्या पेड़ों को काटने के लिए वन प्राधिकरण या किसी अन्य स्थानीय प्राधिकरण से अपेक्षित अनुमति ली गई थी। इसने कहा कि यदि राज्य के अधिकारी किसी भी निर्देश का उल्लंघन करते पाए गए, तो इसकी जिम्मेदारी राज्य के मुख्य सचिव पर होगी। अदालत ने काटे गए पेड़ों की स्थिति के बारे में भी पूछताछ की।

महाकुंभ गर्ल मोनालिसा के निर्देशक पर लगा रेप का आरोप झूठा!

- महिला ने सनोज के खिलाफ रेप का केस लिया वापस

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म निर्देशक सनोज मिश्रा के ऊपर आरोप लगने के बाद हलचल मची हुई है। हाल ही में एक महिला ने लगाया था बलात्कार का आरोप लगाना, लेकिन अब उसने रेप के आरोप को झूठा बताते हुए अपना केस वापस ले ?लिया है। इस मामले में गहराई से जांच की जा रही है। जैसा कि वीडियो में महिला ने बताया, उसने सनोज मिश्रा के साथ काम करते हुए उनकी साजिश के प्रभाव में आकर एक झूठा केस दर्ज करा दिया था। लेकिन जब उसे हकीकत का पता चला, तो उसने अपना केस वापस लेने के फैसला किया। इस खुलासे के साथ ही महिला ने अन्य नाम भी साझा किए हैं, जिन्होंने उसे धमकाया और परेशान किया था। इस मामले में जाँच की जा रही है और सच्चाई की तलाश में कदम बढ़ा जा रहा है। सनोज मिश्रा के खिलाफ लगे आरोप के बाद यह घटना दर्शकों में चौंकाने वाली है। इस संदेह की गहराई में जाने के बाद ही सच्चाई सामने आएगी और जिम्मेदारी साफ होगी।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के दो जिलों में सुरक्षा बलों ने हाल ही में चलाए गए तलाशी अभियान में बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। यह कार्रवाई कांगपोकपी और इंफाल पूर्वी जिले के अलग-अलग इलाकों में की गई, जहां कथित तौर पर कुकी सशस्त्र समूहों ने बंकर बनाए थे। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने इन बंकरों को नष्ट कर दिया और अवैध हथियारों का जखीरा जब्त किया। यह जानकारी मणिपुर पुलिस ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी है। कांगपोकपी जिले के एस.मोंगपी रिज क्षेत्र में पहले अभियान में एक 7.62 मिमी एसएलआर मैगजीन, एक .303 राइफल मैगजीन, एक सिंगल बैरल ब्रीच लोडिंग (एसबीबीएल) गन, दो 9 मिमी पिस्तौल मैगजीन, तीन एसबीबीएल गन कार्ट्रिज, तीन .303 गोला-बारूद और एक 38 मिमी एंटी-रायट कार्ट्रिज बरामद किया गया इसके अलावा, संशोधित पोम्पी बम भी मिले, जिनमें एक लंबी दूरी का, पांच मध्यम दूरी के और दो छोटी दूरी के बम शामिल हैं। साथ ही तीन टियर स्मोक शेल और एक बाओफेंग रेडियो सेट भी जब्त किया गया।

सीएम ममता का तंज- भ्रष्ट जजों का सिर्फ स्थानांतरण होता है, शिक्षकों की छीन लेते हैं नौकरी

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सवाल उठाया कि जिन जजों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, उनका केवल ट्रांसफर कर दिया जाता है। वहीं, शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया गया। उन्होंने कहा, अगर किसी जज के घर से पैसे बरामद होते हैं, तो उसे केवल ट्रांसफर कर दिया जाता है। फिर इन उम्मीदवारों को क्यों बर्खास्त किया गया? मुख्यमंत्री का ये बयान उस वक्त आया जब बीते रोज सुप्रीम कोर्ट द्वारा 25,000 से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति रद्द करने के फैसले दिया।

ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि पहले जज, जिन्होंने भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ फैसला दिया, अब भाजपा के सांसद बन गए हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और माकपा पर आरोप लगाया कि वे मिलकर इस फैसले को प्रभावित करने की साजिश कर रहे थे। मुख्यमंत्री ममता ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं इस देश की नागरिक हूं और मुझे हर अधिकार है। मैं इस फैसले को नहीं स्वीकार सकती। हालांकि मैं जजों का सम्मान करती हूं। मैं यह राय मानवीय दृष्टिकोण से व्यक्त कर रही हूं। कृपया भ्रम पैदा न करें। उन्होंने कहा कि हालांकि उनकी सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू करेगी और चयन प्रक्रिया को फिर से दोहराएगी, लेकिन उन्होंने विपक्षी दलों भाजपा और माकपा पर बंगाल के शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने की कोशिश का आरोप लगाया।

सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया था। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ये नियुक्तियों में काफी गड़बड़ी थी, इसलिए इन्हें अवैध माना गया। ममता ने हालांकि इस बर्खास्तगी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जो लोग उचित तरीके से नियुक्त हुए थे, उन्हें भी दंडित किया गया। उन्होंने कहा, यह केवल 25,000 उम्मीदवार नहीं हैं, उनके परिवारों पर भी असर पड़ा है। ममता ने चेतावनी दी कि स्कूलों में संकट उत्पन्न हो सकता है, क्योंकि अब हजारों अनुभवी शिक्षक नौकरी से बाहर हो गए हैं। उन्होंने कहा, कक्षा 9-12 बहुत महत्वपूर्ण कक्षाएं हैं, ये उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश द्वार हैं। उनमें से कई बोर्ड परीक्षा की कॉपी जांच कर रहे हैं। क्या भाजपा और माकपा चाहते हैं कि शिक्षा प्रणाली ध्वस्त हो जाए? इस मामले में ममता बनर्जी ने न केवल न्यायिक फैसले की आलोचना की, बल्कि बंगाल के शिक्षा क्षेत्र में संभावित संकट को लेकर भी चिंता जताई है।

केदारनाथ धाम की यात्रा 2 मई से होगी शुरू, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित टीमें तैयारियों में जुटीं

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम की यात्रा 2 मई से शुरू होगी। इसके पहले जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित टीमें यात्रा की तैयारियों में जुट गई हैं। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने बताया कि सड़क मार्ग से लेकर केदारनाथ के पैदल रास्तों को तेजी से ठीक किया जा रहा है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की टीमें पैदल मार्गों पर जमी मोटी बर्फ को हटाने में लगी हुई हैं। पिछले साल आई आपदा से टूटे रास्तों की मरम्मत हो रही है। डॉ. खाती ने बताया, हमारा लक्ष्य है कि श्रद्धालुओं को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। वहीं, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रामप्रसाद ने बताया कि इस बार केदारनाथ धाम में 17 बेड का अस्पताल तैयार कर रहे है। जैसे ही बर्फ हटाने का काम पूरा होगा, स्वास्थ्य विभाग की टीमें जरूरी सामान के साथ व्यवस्था जुटाने में जाएगी। उन्होंने कहा, गौरीकुंड से केदारनाथ तक पैदल मार्ग पर सभी मेडिकल रिलीफ पॉइंट्स को सुधारा जा रहा है। फाटा में इस बार हड्डी विशेषज्ञ डॉक्टर और एक्स-रे मशीन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा, यात्रा के लिए डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की मांग शासन से की गई है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें सुनिश्चित करने में जुटी हैं कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो। बर्फबारी और आपदा के बाद रास्तों को सुरक्षित बनाना बड़ी चुनौती है। लेकिन, तैयारियां तेजी से चल रही हैं। हर साल लाखों श्रद्धालु केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए आते हैं। इस बार भी प्रशासन यात्रा को सफल बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता।

जब ताजमहल को वक्फ संपत्ति घोषित करने की उठी मांग, सुप्रीम कोर्ट ने फटकारा

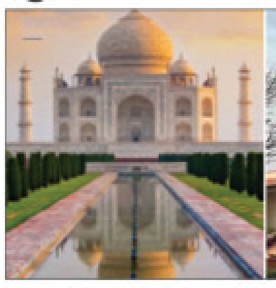

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगरा के ताजमहल को वक्फ संपत्ति घोषित करने के कई दावे हुए, लेकिन बोर्ड में दर्ज नहीं हो सका। बताया जाता है कि एक बार सुन्नी वक्फ बोर्ड ने ताजमहल को वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज कर लिया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के सामने शाहजहां के दस्तखत वाला वक्फनामा पेश नहीं कर सके। इसके बाद वक्फ बोर्ड ने अपना दावा स्वयं वापस ले लिया था। वहीं पूर्व मंत्री और सपा नेता मो. आजम खां ने भी 2014 में ताज को वक्फ संपत्ति घोषित करने की मांग उठा दी थी। 1998 में कारोबारी इरफान बेदार ने यूपी सेंट्रल सुन्नी वक्फ बोर्ड से मांग की थी कि ताजमहल को वक्फ की संपत्ति घोषित कर बोर्ड उन्हें वहां का मुतवल्ली (केयर टेकर) बना दे। यह एएसआई के तहत आता था। इसलिए सुन्नी वक्फ बोर्ड ने एएसआई को नोटिस जारी किया था। इसके बाद बेदार खुद 2004 में मामले को लेकर इलाहबाद हाईकोर्ट पहुंचे और ताजमहल का मुतवल्ली बनाने की मांग की।

2005 में यूपी सेंट्रल सुन्नी वक्फ बोर्ड ने ताज को वक्फ संपत्ति के रूप में पंजीकृत करने का फैसला किया। इधर, एएसआई ने वक्फ संपत्तियों से संबंधित विवाद के सभी मामलों के लिए प्रथम अपीलीय प्राधिकरण-वक्फ न्यायाधिकरण के पास जाने के स्थान पर सीधे सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। 2010 में सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड के इस निर्णय पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड से सुबूत मांगे कि कैसे दावा कर रहा है।

बता दें कि बोर्ड ने दावा किया था कि मुगल बादशाह शाहजहां ने बोर्ड के पक्ष में ताजमहल का वक्फनामा किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि शाहजहां ने वक्फनामे पर दस्तखत कैसे किए। वे जेल में थे। वह हिरासत से ही ताज देखते थे। वहीं, एएसआई की ओर से एडीएन राव एडवोकेट ने कहा था कि बोर्ड ने जैसा दावा किया है, वैसा कोई वक्फनामा नहीं है। वर्ष 2014 में आजम खान ने कहा था कि दुनिया के अजूबों में से एक ताजमहल को वक्फ बोर्ड की संपत्ति घोषित करना चाहिए। तब उन्होंने कहा था कि यह जायज इसलिए है क्योंकि ताजमहल दो मुसलमानों शाहजहां और उनकी पत्नी मुमताज का मकबरा है। खान ने दलील दी थी कि हर जगह मुसलमानों की कब्रें सुन्नी वक्फ बोर्ड के अधीन हैं। हालांकि उनकी मांग को ये कहते हुए खारिज कर दिया गया था कि ये राष्ट्रीय स्मारक के रूप में दर्ज है।

मणिपुर को लेकर राज्यसभा में सुबह 4 बजे तक हुई बहस फिर पास हुआ सांविधिक संकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की पुष्टि करने वाले सांविधिक संकल्प पर सुबह 4 बजे तक बहस हुई इसके बाद उसे पास कर दिया गया। राज्यसभा ने शुक्रवार तड़के करीब चार बजे इस संकल्प को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है। उन्होंने सदन में कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इस्तीफा दिया था जिसके बाद राज्यपाल ने विधायकों से चर्चा की और बहुमत सदस्यों ने कहा कि वे सरकार बनाने की स्थिति में नहीं हैं।

इससे पहले विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मणिपुर में इतनी हिंसा के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उस राज्य में जाने का मौका अभी तक नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल पर जब जबरदस्त दबाव पड़ा तो वहां के मुख्यमंत्री को इस्तीफा दिया देने को मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि मणिपुर में भाजपा की 'डबल इंजन सरकारबुरी तरह विफल साबित हुई है। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन ने कहा कि मणिपुर में 22 माह से मणिपुर के हालात खराब हैं और प्रधानमंत्री एक बार भी वहां नहीं गये। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने मणिपुर को लेकर एक गुरूर का रवैया अपना रहा है।

हिंसाग्रस्त मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय के अनुरूप दो महीने के अंदर राष्ट्रपति शासन की पुष्टि के लिए एक सांविधिक संकल्प केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया। शाह ने कहा कि इसके बाद कैबिनेट ने राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा की जिसे राष्ट्रपति महोदया ने स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुरूप मैं दो महीने के अंदर इस संबंध में सदन के अनुमोदन के लिए सांविधिक संकल्प लाया हूं।' शाह ने कहा कि सरकार की पहली चिंता मणिपुर में शांति स्थापित करने की है और वहां पिछले चार महीने से एक भी मौत नहीं हुई है और केवल दो लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वीकार करते हैं कि मणिपुर में 260 लोग जातीय हिंसा में मारे गए किंतु वह सदन को बताना चाहते हैं कि पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा में इससे ज्यादा लोग मारे गए। गृह मंत्री ने मणिपुर में हालात बिगड़ने के पीछे एक अदालती निर्णय को मूल कारण बताया जिसमें एक जाति को आरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि इस अदालती निर्णय पर अगले ही दिन उच्चतम न्यायालय ने रोक लगा दी थी। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि मणिपुर में जल्द शांति हो, पुनर्वास हो और लोगों के जख्मों पर मरहम लगाया जाए।

खड़गे की टिप्पणी पर सभापति धनखड़ बोले- किसान का बेटा किसी से नहीं डरता

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी पर कहा कि वह किसान के बेटे हैं और इस देश का किसान किसी से नहीं डरता। राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने के बाद रात ढाई बजे के करीब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में लगाए गए राष्ट्रपति शासन पर संवैधानिक संकल्प को चर्चा के लिए प्रस्तुत किया। इस पर खड़गे ने अनुरोध किया कि यह चर्चा सदन की अगली बैठक में कराई जा सकती है क्योंकि अभी काफी रात हो गई है। खड़गे ने इस पर कुछ टिप्पणी की, जिसे सभापति धनखड़ ने तत्काल सदन की कार्यवाही से हटा दिया। उन्होंने खड़गे की टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि भारत का किसान और किसान का बेटा किसी से नहीं डरता है। इसके बाद खड़गे ने संवैधानिक संकल्प पर चर्चा की शुरुआत की। खड़गे बोल ही रहे थे कि सभापति आसन से उठकर जाने लगे और उपसभापति हरिवंश उनकी जगह पर कार्यवाही का संचालन करने के लिए आए। इस पर कांग्रेस नेता खड़गे ने सभापति से कहा कि सर, अगर आप चले गए तो हमारा पूरा जोश चला जाएगा। खड़गे की इस टिप्पणी पर उपसभापति हरिवंश ने हंसते हुए सवाल किया, कि मेरे आने पर जोश कम हो गया? जवाब में खड़गे ने सत्ता पक्ष के सदस्यों की तरफ इशारा करते हुए कहा- नहीं, आपका फिक्स है, एक बार आप बैठते हैं तो फिर उधर ही देखते हैं। इस पर उपसभापति ने कहा कि मैं आपको ही देखता हूं।

केंद्र के साथ हिंदी विवाद के बीच तमिलनाडु को झटका, राष्ट्रपति ने एनईईटी विरोधी विधेयक किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार द्वारा मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रव्यापी प्रवेश परीक्षा एनईईटी से राज्य को छूट देने के प्रयास को शुक्रवार को झटका लगा, जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राज्य को कक्षा 12वीं के अंकों के आधार पर छात्रों को प्रवेश देने की अनुमति देने वाले विधेयक को अस्वीकार कर दिया। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानसभा को विधेयक की अस्वीकृति की जानकारी दी, जिसे राज्य विधानमंडल ने 2021 और 2022 में दो बार पारित किया था और तब से केंद्र सरकार से मंजूरी का इंतजार कर रहा था। पिछले साल जून में, विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था जिसमें केंद्र सरकार से एनईईटी को खत्म करने और राज्यों को स्कूल के प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश निर्धारित करने की अनुमति देने का आग्रह किया गया था।

अस्वीकृति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, स्टालिन, जिनका अगले साल के चुनावों से पहले परिसीमन अभ्यास और हिंदी थोपने जैसे प्रमुख मुद्दों पर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के साथ विवाद चल रहा है, ने कहा कि तमिलनाडु का अपमान किया गया है और इसे 'संघवाद में एक काला दौर' कहा है। तमिलनाडु सरकार द्वारा सभी आवश्यक स्पष्टीकरण प्रदान करने के बावजूद, केंद्र सरकार ने एनईईटी से छूट को अस्वीकार कर दिया है,' स्टालिन ने विधानसभा में कहा।

इसके बाद उन्होंने सभी विधायक दलों की बैठक बुलाई - परिसीमन अभ्यास के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों पर की गई चर्चाओं के समान, जिसके बारे में सत्तारूढ़ द्रमुक का तर्क है कि इससे लोकसभा में दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा और केंद्र में उनका प्रभाव कम हो जाएगा - ताकि अगली कार्रवाई का निर्धारण किया जा सके। स्टालिन ने एनईईटी के खिलाफ अपनी लंबे समय से चली आ रही लड़ाई के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो 2017 से मेडिकल प्रवेश के लिए अनिवार्य है।

विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अमित शाह इस माह तीन राज्यों का करेंगे दौरा

-बिहार में बीजेपी मजबूत, पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु में मिल रही चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर इस माह बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु जाएंगे। बीजेपी बिहार में अपने सहयोगियों के साथ सत्ता बरकरार रखना चाहती है और दो अन्य राज्यों में अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है। सूत्रों ने बताया कि शाह इन राज्यों में चुनाव तक करीब हर महीने बीजेपी की संगठनात्मक बैठकें लेंगे। उन्होंने बताया कि उनके 14 और 15 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में और 30 अप्रैल को बिहार जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने हैं, जबकि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अगले साल मार्च-अप्रैल में चुनाव होने हैं, साथ ही असम, केरल और पुडुचेरी में भी चुनाव होने हैं। बिहार में एनडीए सरकार में बीजेपी सबसे बड़ी सहयोगी है, जिसमें जनता दल (यूनाइटेड) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) शामिल हैं। जेडी(यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार करीब 20 साल से राज्य के सीएम हैं। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में बीजेपी को चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रयासों को अब तक केवल आंशिक सफलता ही मिली है क्योंकि यह सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी के लिए मुख्य चुनौती बनकर उभरी है, लेकिन 2011 से उनके निरंतर शासन को समाप्त करने के अपने प्रयासों में विफल रही है। लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पर अपने हस्तक्षेप के दौरान अमित शाह ने राज्य की राजनीति से संबंधित टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के कटाक्षों का सामना करने के बाद शाह ने बनर्जी से संसद में बहस को राजनीतिक लाभ के लिए युद्ध का मैदान न बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि मैं यह कहना चाहता हूं कि बीजेपी को बंगाल में इस बार ज्यादा सीटें मिलेंगी। 2021 में 294 सदस्यीय बंगाल विधानसभा में टीएमसी ने 215 और बीजेपी ने 77 सीटें जीती थीं। वहीं तमिलनाडु में हमेशा हाशिए पर रहने वाली बीजेपी से व्यापक रूप से मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक के साथ अपने गठबंधन को पुनर्जीवित करने की उम्मीद है, ताकि दक्षिणी राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक को टक्कर दी जा सके, जहां 2021 में सत्ता में आने के बाद से मौजूदा गठबंधन प्रमुख रहा है। एआईएडीएमके नेता एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने हाल ही में शाह से मुलाकात की, जिससे दोनों दलों के एक साथ आने की संभावना बढ़ गई है।

ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ कई देशों ने किया पलटवार, जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि जो देश अमेरिकी सामानों पर भारी टैरिफ लगाते हैं, उन्हें अब उसी तरह का जवाबी शुल्क झेलना पड़ेगा। इस घोषणा के बाद कुछ देशों ने ट्रंप के खिलाफ पलटवार की तैयारी शुरू कर दी है, जबकि कुछ डील की तलाश में शांत रुख अपनाए हुए हैं। टैरिफ योजना 9 अप्रैल से प्रभावी होगी, यानी अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों के पास कुछ दिन हैं ट्रंप प्रशासन से समझौता करने के लिए। लेकिन कई देश इस योजना के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी में हैं। कनाडा ने साफ तौर पर कहा है कि वह अमेरिका की इस नीति के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा। यूरोपीय संघ ने भी तीखा रुख अपनाया है। फ्रांस की सरकारी प्रवक्ता सोफी प्रीमा ने कहा कि ईयू व्यापार युद्ध के लिए तैयार है और अमेरिकी ऑनलाइन सेवाओं पर हमला कर सकता है। उन्होंने कहा कि ईयू दो चरणों में प्रतिक्रिया देगा - मध्य अप्रैल तक स्टील और एल्युमिनियम पर शुरुआती जवाबी कार्रवाई, अप्रैल के अंत तक सभी अमेरिकी उत्पादों और सेवाओं पर विस्तृत जवाबी टैरिफ।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि चीन अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़ता से जवाबी कदम उठाएगा। ताइवान ने टैरिफ को बेहद अनुचित बताया। कैबिनेट प्रवक्ता मिशेल ली ने कहा कि ताइपे को ट्रंप द्वारा अपने निर्यात पर 32 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा पर गहरा खेद है। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि उनके देश पर लगाया गया अमेरिकी शुल्क पूरी तरह से अनुचित है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के नॉरफॉक द्वीप पर लगाए गए 29 प्रतिशत शुल्क ने सभी हैरान हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के इस क्षेत्र की आबादी महज 2,000 लोगों की है और इसकी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने यूरोपीय संघ पर नए 20 प्रतिशत टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए इस उपाय को विश्व अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका बताया। उन्होंने कहा, दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए इसके परिणाम भयानक होंगे। उन्होंने कहा कि किराने का सामान, परिवहन और दवाइयों की कीमतें बढ़ जाएंगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**